02 दिसंबर, 2024
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 44

महिलाओं के खाते में 11 को आयेंगे 2500 रुपये

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
194000 Subscribers
YouTube Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 72,000 रु./10 ग्राम
चांदी 93,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 02 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in

राज्य में आयरन ओर की 11 खदानों की होगी नीलामी

बोली लगाने के लिए सोना खदान भी है तैयार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की लगभग दो दर्जन खदानों की नीलामी प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इसमें 11 आयरन ओर की खदानें सहित पांच सोना की खदानें भी शामिल हैं। जिन सोना खदानों की नीलामी होगी, उनमें पूर्वी सिंहभूम के भीतरडीरी और जोजोडीह खदान, सरायकेला-खरसांवा का हेबन सेमा, बीतापुर-सोकानडीह और रामपुर कासीडीह सोना खदानें शामिल हैं। वहीं चाइबासा की 11 आयरन ओर की खदानें नीलामी के लिए तैयार हैं।

इन खनिज खदानों की भी होगी नीलामी : आयरन ओर और सोना की खदानों के साथ चार लाइम स्टोन, एक बेल मेटल और एक कॉपर खदान की भी नीलामी होगी। कॉपर और बेस मेटल की खदान गिरिडीह में है। जबकि लाइम स्टोन के दो खदान रांची और दो खदान रामगढ़ में हैं। इसके अलावा चार बॉक्साइट खनिज खदान, एक कॉप, छह ग्रेफाइट, दो लाइम स्टोन के खदान भी 2025 में नीलामी के लिए तैयार हो जायेंगी। इन खदानों का अन्वेषण कार्य अंतिम चरण में है।

खदानों की नीलामी से मिलेगा तीन से चार हजार करोड़

राज्य सरकार को खनिज खदानों की नीलामी से तीन से चार हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। इस राशि से कल्याणकारी योजनाओं को गति प्रदान की जायेगी। बताते चलें कि राज्य में झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड को खनिजों का पता लगाने और खनन गतिविधि को आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी मिली है। यह कंपनी राज्यभर में लौह अयस्क, कोयला, तांबा, बॉक्साइट, सोना सहित अन्य खनिजों का पता लगायेगी। डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के लिए नयी आर्कजीआइएस सॉफ्टवेयर

पैकेज खरीदा जायेगा। इस सॉफ्टवेयर के जरिये भू-वैज्ञानिक मैपिंग के साथ अन्वेषण रिपोर्ट और खनन योजनाएं तैयार करेंगे।

माणिक लाल हेंब्रम बनाये गये विधानसभा के सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के संयुक्त सचिव माणिक लाल हेंब्रम को विधानसभा का सचिव बनाया गया है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय के अवर सचिव जितेंद्र कुमार ने शनिवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके मुताबिक, माणिक लाल को एक दिसंबर से अगले आदेश तक झारखंड विधानसभा के सचिव पद का प्रभारी बनाया जाता है।

9 दिसंबर से विधानसभा सत्र: गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा के सचिव सैयद जावेद हैदर का कार्यकाल नवंबर 2024 में खत्म हो गया। चूंकि 9 दिसंबर से विधानसभा का विशेष सत्र आहूत है जिसमें हेमंत सरकार बहुमत पेश करेगी। 12 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र के लिहाज से सचिव का होना भी जरूरी था। इसे देखते विधानसभा सचिवालय ने माणिक लाल हेंब्रम को सचिव पद का प्रभार दिया है।

अगले दो माह में तीन आइपीएस होंगे सेवानिवृत्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में अगले दो महीनों के दौरान झारखंड पुलिस के तीन डीजी रैंक के आइपीएस अधिकारी सेवानिवृत्त होंगे। इनमें तत्कालीन डीजीपी अजय कुमार सिंह एवं एम मीणा जनवरी, 2025 में और आरके मल्लिक 31 जनवरी, 2025 को रिटायर होंगे। साथ ही नये साल के पहले दिन एक जनवरी, 2025 से 2007 बैच के तीन आइपीएस अनूप बिरथरे,

सुनील भास्कर और मयूर पटेल कन्हैयालाल आइजी रैंक में प्रोन्नत हो जायेंगे। इसके अलावा 2011 बैच के सीनियर एसपी रैंक (सीनियर सिलेक्शन ग्रेड) में प्रोन्नत छह आइपीएस अधिकारी एक जनवरी, 2025 से डीआइजी हो जायेंगे। सीनियर एसपी रैंक में प्रोन्नत अधिकारी को राज्य सरकार चाहे तो वर्तमान में कहीं भी प्रभारी डीआइजी बना सकती है। इनमें चंदन झा, चंदन सिन्हा, प्रियदर्शी आलोक, अजीत पीटर डुंगडुंग, अनुरंजन किस्पोट्टा और अंबर लकड़ा शामिल हैं। दूसरी ओर, झारखंड कैडर के 1989 बैच के आइपीएस अजय भटनागर शनिवार (30 नवंबर) को सेवानिवृत्त हो गये। अजय भटनागर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे और सीबीआइ में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे।

सरकार ने ट्रेजरी के 2,812 करोड़ अपनी झोली में डाले

जनता के पैसे का हो रहा दुरुपयोग : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हाल ही में ट्रेजरी से 2,812 करोड़ निकाले गये हैं, जिसे सरकार अपनी झोली में डालकर बैठी है। मरांडी ने कहा कि यह पैसा विकास कार्यों में खर्च करने के बजाय सरकारी और उनके मुलाजिमों की तिजोरी में डालने की साजिश चल रही है। आगे कहा कि जब इस राशि का हिसाब मांगा गया, तो सरकार ने चुप्पी साध ली।

विकास के नाम पर जनता के पैसे का हो रहा दुरुपयोग : मरांडी ने अपनो पोस्ट में आगे कहा कि भ्रष्टाचार इतना बढ़ चुका है कि एक विभाग का पैसा दूसरे विभाग वाले निकालकर हजम कर रहे हैं। विकास के नाम पर जनता के पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। यह विकास की राह में सबसे बड़ी रुकावट है। बाबूलाल ने आगे कहा कि विकास का पैसा विकास में लगाइये, ना कि अपनी तिजोरी का वजन बढ़ाइये। सरकार को जनता के पैसे का हिसाब देना होगा और इसका सही इस्तेमाल सुनिश्चित करना होगा। मरांडी के इस पोस्ट के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

असम के सीएम हिमंता भी झारखंड में भेजेंगे टीम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर सीएम हेमंत सोरेन और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा आमने-सामने हैं। इसकी वजह झारखंड सरकार का एक फैसला है। दरअसल 28 नवंबर को झारखंड कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि असम के चाय बागान में कार्यरत झारखंड मूल के जनजातीय समूह की दशा और उन्हें भविष्य में दिये जाने वाले सुविधा के अध्ययन के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल व पदाधिकारियों का दल असम जाकर जमीनी स्तर पर अध्ययन करेगा। साथ ही सरकार को अपना प्रतिवेदन समर्पित करेगा। इस निर्णय पर असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने भी झारखंड में

एक निरीक्षण दल भेजने की बात कही है। सरमा ने कहा है कि झारखंड में कुछ चीजों का अध्ययन करने के लिए दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भेजा जायेगा। उन्होंने कहा कि पांच दिसंबर को होने वाली असम सरकार की कैबिनेट में इसका निर्णय लिया जायेगा।

रक्षा राज्य मंत्री ने किया यादव भवन का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने सांसद मद से यादव भवन का रविवार को उद्घाटन किया। यादव भवन 2400 स्क्वायर फीट में बनाया गया है। इस अवसर पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि किसी भी समाज का अपना भवन होना अनिवार्य है। इस भवन के निर्माण से समाज के गरीब बच्चों की शादी एवं अन्य कार्यक्रम के लिए यह सदुपयोग में काम आयेगा। समाज को आगे बढ़कर इस तरह के कार्य करने चाहिए। जिससे समाज के लोगों को लाभ हो। मेरा प्रयास है जो भी समाज के लोग हैं, उनके हर सुख दुख में मैं उनके साथ हमेशा खड़ा रहूंगा। प्राथमिकता के आधार पर समाज

के हर वर्ग का कार्य मेरी प्राथमिकता में हैं। मौके पर मंडल के अध्यक्ष इंद्रजीत यादव, पूर्व पार्षद विनोद सिंह, अरुण झा, राम आशीष यादव, बनारस यादव, रमेश यादव, सुमन सिंह, रामचंद्र जायसवाल समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

झामुमो में वापसी से जुड़े वीडियो को पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने बताया साजिश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने फिर से झामुमो ज्वाइन करने से इंकार किया है। वे सरायकेला के भाजपा विधायक के तौर पर ही बने रहेंगे। दरअसल चंपाई ने मीडिया में वायरल एक वीडियो के संदर्भ में अपनी बात रखते कहा है कि एक एजेंडे के तहत एक पुराना वीडियो वायरल करवाया जा रहा।

उनके संबंध में कुछ भ्रामक अफवाहें फैलायी जा रही हैं। चंपाई ने इस वीडियो को साजिश बताते कहा है कि वे वापस झामुमो नहीं जा रहे। विधानसभा चुनाव 2024 के समय भी ऐसा किया गया था। उन्होंने इस

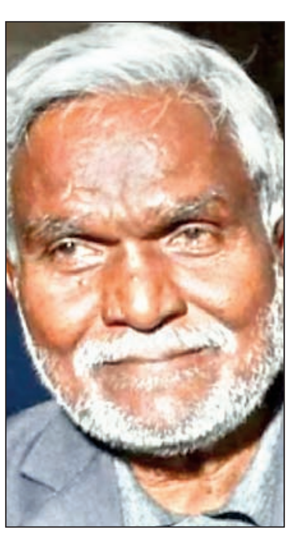

वीडियो और झूठे अफवाहों से बचने को कहा है।

झामुमो का छोड़ा साथ

गौरतलब है कि जनवरी 2024 के आखिर में तत्कालीन सीएम हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला में जेल जाना पड़ा था। इसके बाद झामुमो के वरिष्ठ नेता चंपाई को सीएम बनाया गया था। पर जेल से बाहर आने के बाद चंपाई को हटाकर हेमंत फिर से सीएम बन गये थे और तब चंपाई ने झामुमो का साथ छोड़कर भाजपा ज्वाइन कर ली थी। अभी संपन्न विधानसभा चुनाव में वे सरायकेला सीट से भाजपा के विधायक चुने गये हैं।

क्या है मामला : गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर चंपाई सोरेन का एक पुराना वीडियो वायरल करते हुए यह कहा जा रहा है कि वे अब भाजपा छोड़कर फिर से झामुमो में आनेवाले हैं। इस वीडियो में उन्हें हेमंत सोरेन की तारीफ करते दिखाया जा रहा है। वीडियो के मुताबिक, चंपाई सोरेन अब जेएमएम में घर वापसी करना चाहते हैं। पहले ये जेएमएम छोड़कर भाजपा में गये थे और अब वापस जेएमएम में आना चाहते हैं।

बीजेपी ऑफिस के बाहर कुशवाहा समाज का प्रदर्शन

शशिभूषण मेहता को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद पार्टी के अंदर खींचतान की तस्वीरें सामने आने लगी हैं। एक तरफ पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दो दिवसीय समीक्षा बैठक चल रही है। वहीं दूसरी तरफ कार्यालय के बाहर कुशवाहा समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कुशवाहा समाज के विधायक शशिभूषण मेहता को नेता प्रतिपक्ष बनाये जाने की मांग की गयी। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर भाजपा कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर वे यह जताने की कोशिश की कि पार्टी में कुशवाहा समाज का प्रतिनिधित्व मजबूत होना चाहिए।

रांची की जनता व्हाट्सएप पर 24X7 कर सकेगी शिकायत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री पदभार लेने के बाद रेस हो गये हैं। वे लगातार पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जनता की समस्याओं पर चर्चा कर रहे हैं। शिकायत लेकर समाहरणालय पहुंचने वाली जनता को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसको लेकर भी डीसी ने पदाधिकारियों को कई निर्देश भी दिये हैं। डीसी के निर्देश पर जिला प्रशासन आम जनों की शिकायतों के लिए एक व्हाट्सएप नंबर 9430328080 जारी कर रहा है, जिसमें जनता अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। यह नंबर सोमवार (2 दिसंबर) से शुरू होगा। इस नंबर पर रांची की जनता 24X7 शिकायत कर सकेंगे। संबंधित विभाग लोगों की समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेगा और उसका समाधान करेगा। इसके लिए तीन पारियों में दो-दो कर्मियों और पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है।

हर सप्ताह शिकायतों की होगी समीक्षा

प्रत्येक सप्ताह के शनिवार के दिन जनता के शिकायतों की समीक्षा की जायेगी। इसमें लोगों से प्राप्त होने वाले शिकायतों को ससमय निराकरण के लिए संबंधित विभाग को भेजा जायेगा। शिकायत पर की गयी कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन समय-समय पर उपलब्ध कराना होगा।

राज्य में दिन-प्रतिदिन कमजोर हो रहे भाकपा माओवादी सहित अन्य नक्सली संगठन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में भाकपा माओवादी सहित अन्य नक्सली संगठन दिन-प्रतिदिन कमजोर होते जा रहे हैं। हाल के दिनों में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में झारखंड में माओवादियों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

पिछले 59 महीने (चार साल 11 महीने) की बात करें तो राज्य के अलग-अलग जिलों में भाकपा माओवादी संगठन और छोटे-छोटे संगठन से जुड़े कुल 64 नक्सली मारे गये। इस दौरान 620 बड़े नक्सली गिरफ्तार भी हुए। नक्सलियों के साथ इस लड़ाई में सुरक्षाबलों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। इन चार साल 11 महीने में नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में 18 जवान भी शहीद हुए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा नक्सल प्रभावित जिले हैं। इनमें पश्चिमी सिंहभूम को अति नक्सल प्रभावित जिले की सूची में रखा गया है जबकि शेष चार नक्सल प्रभाव वाले जिले गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा जिला आफ कंर्सन (डीओसी) की सूची में हैं।

टीपीसी, जेजेएमपी और पीएलएफआइ झारखंड पुलिस के रडार पर हैं। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने रविवार को बताया कि झारखंड में नक्सलवाद की समस्या 95 प्रतिशत खत्म हो चुकी है। फिलहाल, हमारे लिए नक्सलियों के छोटे संगठन (स्प्लिंटर ग्रुप) का सफाया करना बेहद जरूरी है। झारखंड के कुछ जिलों में पिछले दो महीने के दौरान नक्सलियों के स्प्लिंटर ग्रुप के जरिये कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया गया है। छोटे-छोटे समूह में तब्दील होकर स्प्लिंटर ग्रुप आगजनी के साथ-साथ व्हाट्सएप कॉल कर कारोबारियों से रंगदारी की डिमांड कर रहे हैं।

डीजीपी ने बताया कि कुछ आपराधिक गिरोह के साथ-साथ टीपीसी, पीएलएफआइ, जेजेएमपी और भाकपा माओवादियों के छोटे ग्रुप एक्टिव हैं। ऐसे नक्सलियों के जरिये कुछ घटनाओं को जरूर अंजाम दिया गया है लेकिन पिछले एक साल के दौरान उनके संगठन के अधिकांश बड़े उग्रवादी या तो मारे गये या फिर पकड़े गये लेकिन इन संगठनों के कुछ स्प्लिंटर ग्रुप बचे हुए हैं, जिन पर कार्रवाई की जा रही है।

स्प्लिंटर ग्रुप में शामिल नक्सली छोटे हथियार के साथ सिविल ड्रेस में वारदात को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे नक्सलियों की लिस्ट तैयार की गयी है। साथ ही उनके समर्थकों को भी चिह्नित किया गया है, जो उनके लिए मोबाइल सहित दूसरे समान उपलब्ध करवाते हैं। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को यह निर्देश दिया गया है कि वह एक टीम बनाकर ऐसे स्प्लिंटर्स ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई करें। खासकर पलामू आइजी को कड़ा निर्देश जारी किया गया है कि न सिर्फ कार्रवाई करें, बल्कि फरार उग्रवादियों और अपराधियों के खिलाफ जमकर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई करें।

राज्य में नक्सलियों के 11 दस्ते सक्रिय

- चाइबासा जिले के जराइकेला और टोंटो थाना क्षेत्र में मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, सिंगरई, अजय महतो का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 65 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- चाइबासा जिले के गोइल केरा और सोनूवा थाना क्षेत्र में मेहनत और अमित मुंडा का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 30 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- बोकारो जिले में विवेक और रघुनाथ का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 23 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में रविंद्र गंझू का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में पांच नक्सली कैडर शामिल हैं।
- चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में मनोहर गंझू का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में तीन नक्सली कैडर शामिल हैं।
- पलामू जिले के मोहम्मदगंज और हैदरनगर थाना क्षेत्र में नितेश यादव का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में छह नक्सली कैडर शामिल हैं।
- टीपीसी, जेजेएमपी और पीएलएफआइ पुलिस की रडार पर

डीजीपी आइजीपी सम्मेलन में अनुराग गुप्ता ने लिया भाग

पेश की झारखंड की रिपोर्ट, साइबर अपराध पर फोकस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर में 29 नवंबर से शुरू हुए 3 दिवसीय डीजीपी-आइजीपी सम्मेलन के दूसरे दिन अपने राज्य की रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि राज्य में नक्सल लगभग समाप्ति की ओर है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि झारखंड पुलिस साइबर अपराध के रोकथाम की दिशा में भी काम कर रही है।

वहीं, सम्मेलन में लगभग सभी राज्यों के डीजीपी ने अपने-अपने राज्य की रिपोर्ट पेश की। इसमें यह बात सामने निकलकर आयी कि देशभर में नक्सल पर नकेल कसी गयी है। लेकिन अब भी पुलिस के

लिए साइबर अपराध चुनौती बना हुआ है। इससे निपटने को लेकर सभी राज्य आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री भी सम्मेलन में पहुंचे : बता दें कि 3 दिवसीय डीजीपी सम्मेलन के दूसरे दिन बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय सहित कई लोग मौजूद रहे। इस दौरान सम्मेलन में सभी राज्यों के समन्वय पर चर्चा हुई। सभी मिलकर राज्यों की सीमा पर अभियान चलायेंगे और मादक पदार्थ की तस्करी रोकेंगे। सभी राज्य एक-दूसरे से अवैध शराब, अवैध कारोबार, अपराध और नक्सल की रोकथाम के लिए सूचनाओं का अदान-प्रदान करते रहे हैं। इसे आगे और सतर्कता और सक्रियता के साथ करेंगे। वहीं, सम्मेलन के दौरान मानव तस्करी सहित अनेकों बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसकी रोकथाम की दिशा में भी ठोस रणनीति बनायी जा रही है।

www.epaper.azadsipahi.in

02 दिसंबर, 2024
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 44

BAR & RESTAURANT
HOTEL & BANQUET
ARGORA CHOWK, OPP. BAJAJ SHOWROOM, RANCHI

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

न्यूज रील्स

महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री आज तय होगा : शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आये 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन मुख्यमंत्री को लेकर स्थित अभी भी साफ नहीं हुई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कहा कि नयी सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में होगा। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे रविवार को सातारा के एक मंदिर गये और कुछ देर बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'मैं अब ठीक हूं। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था। महायुति में कोई मतभेद नहीं है। मुख्यमंत्री पर फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह लेंगे। दो दिसंबर को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री तय होगा।

आंध्र प्रदेश में वक्फ बोर्ड भंग

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने स्टेट वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। इसका गठन पिछली जगन मोहन की सरकार ने किया था। 30 नवंबर को जारी आदेश में मौजूदा सरकार ने पिछली सरकार के दौरान जारी अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के आदेश को रद्द कर दिया। आदेश में कहा गया कि आंध्र प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के चुनाव पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। उसी समय राज्य वक्फ बोर्ड के गठन के 2023 के सरकारी आदेश की संवैधानिकता को चुनौती देने वाले पेंडिंग केस के कारण एक प्रशासनिक शून्यता पैदा हो गयी थी। अब राज्य में नये सिरे से वक्फ बोर्ड क गठन किया जायेगा।

मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के लिए बड़ी खबर

महिलाओं के खाते में 11 को आयेंगे 2500 रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन सरकार की सत्ता वापसी के बाद झारखंड की महिलाओं के खाते में 11 दिसंबर को मंईयां सम्मान योजना की पांचवीं किस्त की राशि भेज दी जायेगी। विधानसभा चुनाव से पहले अंतिम कैबिनेट की बैठक में हेमंत सरकार ने 2500 रुपये देने का फैसला लिया था। अब सरकार बनने के बाद कल्याण विभाग 2500 रुपये भेजने की तैयारी में जुट गया है। मंईयां सम्मान योजना का रजिस्ट्रेशन लगातार चल रहा है। हेमंत सोरेन की नयी सरकार बनने के बाद इसे लेकर कवायद तेज हो गयी है। संभावना जतायी जा रही है कि 11 दिसंबर तक पांचवीं किस्त की राशि भेज दी जायेगी। इस योजना के तहत 57 लाख महिलाओं के खाते में 2500-2500 रुपये भेजे जायेंगे।

इसके पहले नवंबर महीने में महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपये भेज दिये गये थे। आचार संहिता से पहले हेमंत सरकार ने ऐलान कर दिया था कि दिसंबर से महिलाओं के खाते में मंईयां सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये भेजे जायेंगे। इससे पहले चार किस्त की राशि महिलाओं का खाते में भेजी जा चुकी है। बता दें कि मंईयां सम्मान योजना के तहत 18 से 50 साल की महिलाओं के खाते में हर माह 1000 रुपये दिये जा रहे थे, जिसे बढ़ा कर 2500 रुपये किया गया। हेमंत सोरेन और इंडिया गठबंधन ने इस योजना को अपनी हर सभा में जिक्र किया था, जिसका फायदा विधानसभा चुनाव में मिला और इंडिया गठबंधन ने प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज की।

दिव्यांग और अनाथ विद्यार्थियों को हर महीने मिलेंगे 4 हजार

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड के दिव्यांग और अनाथ विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। राज्य सरकार नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 से राज्य के सभी दिव्यांग और अनाथ विद्यार्थियों की उच्च और तकनीकी शिक्षा का पूरा खर्च उठायेगी। इसके तहत 10 लाख रुपये तक के ट्यूशन फीस का वहन भी राज्य सरकार ही करेगी। अन्य खर्च के लिए भत्ते के रूप में प्रतिमाह चार हजार रुपये और दिये जायेंगे। विद्यार्थी इसका लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे, इसके लिए पोर्टल का निर्माण भी किया जा रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद इस योजना के लिए पात्र छात्र आवेदन कर सकेंगे। नये शैक्षणिक सत्र से शुरू होने वाली इस वाल्मीकि छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रत्येक वर्ष व्यावसायिक कार्स के लिए 1200 तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए 12 हजार विद्यार्थियों को लाभ देने का अनुमान लगाया गया है। इस योजना पर राज्य सरकार के प्रतिवर्ष 99.66 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान लगाया गया है। अगले वर्ष जनवरी-फरवरी में इस योजना की विधिवत लांचिंग की जायेगी।

आलू रोकने के मामले में मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

मुख्य सचिव ने की बंगाल सरकार से बात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 30 नवंबर को बंगाल बॉर्डर पर आलू के वाहन रोकने की खबरों पर संज्ञान लिया है। राज्य के मुख्य सचिव अलका तिवारी से तत्काल मामले में बात कर इसका निपटारा करने का निर्देश भी दिया है। मुख्य सचिव ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत से फोन पर मामले का निष्पादन के लिए बात की है। मनोज पंत ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही एक कमेटी बना कर आलू के मामले का निष्पादन सुनिश्चित किया जायेगा।

क्या है मामला : गौरतलब है कि झारखंड की सीमा से सटे बंगाल के इलाकों से आलू लेकर आने वाली गाड़ियों को पश्चिम बंगाल सरकार लगातार वापस मंगा रही थी। बंगाल में आलू की किल्लत ना हो, इसके लिए बंगाल से आलू लेकर झारखंड और दूसरे राज्यों के लिए निकली गाड़ियों को बॉर्डर एरिया से वापस बुलाया जा रहा था। इस स्थिति के कारण झारखंड और अन्य राज्यों में पिछले कुछ दिनों से आलू की किल्लत हो रही है और दाम भी पांच-दस रुपये तक बढ़ गये हैं जिससे आम उपभोक्ता परेशान हो रहे थे। प्रदेश भाजपा और झारखंड चैंबर के पदाधिकारियों ने भी इसे लेकर चिंता जतायी थी। चार-पांच दिनों से आलू लदे ट्रक बंगाल बॉर्डर पर खड़े हैं। इन्हें झारखंड आने से रोक दिया गया है। आलू की आपूर्ति प्रतिबंधित करने के बाद झारखंड के खुदरा बाजार में आलू की कीमत 5 से 10 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गयी है। पश्चिम बंगाल साल भर झारखंड की आलू की 60 प्रतिशत मांग को पूरा करता है। शेष मांग उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और स्थानीय उत्पादन से पूरी होती है।

व्यापारियों ने दी हड़ताल की धमकी

पश्चिम बंगाल प्रोग्रेसिव पोटैटो ट्रेडर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीपीपीटीए) के पूर्व अध्यक्ष और सलाहकार विभास कुमार डे ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने दूसरे राज्यों में आलू के निर्यात पर अंकुश लगाने के लिए सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। पिछले तीन दिनों में आलू से भरे ट्रकों को वापस भेज दिया गया, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार से सोमवार तक प्रतिबंध वापस लेने की मांग की है। डे ने रविवार को कहा कि डब्ल्यूबीपीपीटीए और पश्चिम बंगाल कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन की संयुक्त बैठक हुई। इसमें फैसला लिया गया कि अगर प्रतिबंध नहीं हटाया गया, तो सोमवार रात से कोल्ड स्टोरेज से आलू नहीं निकाला जायेगा। वे मंगलवार से हड़ताल पर जायेंगे। पश्चिम बंगाल में आलू व्यापारियों के एक संघ के अनुसार पश्चिम बंगाल सरकार ने अपने राज्य में आलू के स्टॉक को बनाये रखने और कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए गुरुवार से अंतरराज्यीय आपूर्ति पर कथित तौर पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन का समापन

मोदी ने स्मार्ट पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया

दिया राष्ट्रीय पुलिस हैकथॉन आयोजित करने का सुझाव

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 नवंबर और 1 दिसंबर, 2024 को भुवनेश्वर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया। समापन सत्र में, पीएम ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक वितरित किये। अपने समापन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्मेलन के दौरान सुरक्षा चुनौतियों के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयामों पर व्यापक चर्चा हुई और चर्चाओं से उभरी जवाबी रणनीतियों पर संतोष व्यक्त किया। अपने संबोधन के दौरान पीएम ने डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर-अपराध और एआइ तकनीक के कारण उत्पन्न संभावित खतरों पर चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को बाधित करने के लिए डीप फेक की क्षमता पर। जवाबी उपाय के रूप में उन्होंने पुलिस नेतृत्व से भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 'एस्पिरेशनल इंडिया' की दोहरी एआइ शक्ति का उपयोग करके चुनौती को अवसर में बदलने का आह्वान किया।

उन्होंने स्मार्ट पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया और पुलिस से रणनीतिक, सावधानीपूर्वक, अनुकूलनीय, विश्वसनीय और पारदर्शी बनने का आह्वान किया। शहरी पुलिसिंग में की गयी पहल की सराहना करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक पहल को एकत्रित करके देश के 100 शहरों में पूरी तरह से लागू किया जाये। उन्होंने कांस्टेबल के कार्यभार को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया और सुझाव दिया कि पुलिस स्टेशन को संसाधन आवंटन के लिए केंद्र बिंदु बनाया जाना चाहिए।

कुछ प्रमुख समस्याओं के समाधान में हैकथॉन की सफलता पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने एक राष्ट्रीय पुलिस हैकथॉन आयोजित करने पर भी विचार-विमर्श करने का सुझाव दिया। गृह मंत्रालय में सरदार वल्लभभाई पटेल के अद्वितीय योगदान को याद करते हुए प्रधान मंत्री ने गृह मंत्रालय से लेकर पुलिस स्टेशन स्तर तक पूरे सुरक्षा प्रतिष्ठान को किसी भी पहलू पर एक लक्ष्य निर्धारित करने और प्राप्त करने का संकल्प लेकर अगले वर्ष उनकी 150 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने पुलिस से आधुनिकीकरण करने और खुद को 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप ढालने का आग्रह किया।

सम्मेलन के दौरान, आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, साइबर-अपराध, आर्थिक सुरक्षा, आप्रवासन, तटीय सुरक्षा और नार्को-तस्करी सहित राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मौजूदा और उभरती चुनौतियों पर गहन चर्चा की गयी। बांग्लादेश और म्यांमार के साथ सीमा पर उभरती सुरक्षा चिंताओं, शहरी पुलिसिंग के रुझान और दुर्भावनापूर्ण आख्यानों का मुकाबला करने की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, नव अधिनियमित प्रमुख आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन, पुलिसिंग में पहल और सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ पड़ोस में सुरक्षा स्थिति की भी समीक्षा की गयी।

जय शाह ने आइसीसी चेयरमैन का पद संभाला

कहा- महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के सचिव जय शाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आइसीसी का चेयरमैन पद संभाल लिया है। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 साल के जय शाह आइसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गये हैं।

आइसीसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। संस्था ने रविवार को लिखा- आइसीसी चेयरमैन के तौर पर जय शाह का कार्यकाल शुरू होने के साथ ग्लोबल क्रिकेट का नया चैप्टर शुरू हुआ है। पद संभालने के बाद शाह ने अपने पहले बयान में कहा कि क्रिकेट के अलग-अलग फॉर्मेट्स को बढ़ावा मिले और महिला क्रिकेट में और तेजी लाना हमारी प्राथमिकता है। शाह ने कहा, आइसीसी अध्यक्ष की भूमिका के लिए चुने जाने पर डायरेक्टर्स और मेंबर बोर्ड्स के समर्थन और भरोसे के लिए आभारी हूं। ग्लोबल क्रिकेट में अपार संभावनाएं हैं और मैं हर मौके पर खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आइसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

YASH ENTERPRISES
Deals In :
All Types of CP Bath Fitting,
Pumps, Sanitaryware, Pipes & Fitting

J.J Road, Beside, Deepak Trading
Upper Bazar, Ranchi - 01
Mob.: 9835901322, 9709082614

रांची में 15 दिसंबर से शुरू होगी धान की खरीदारी

साधारण धान के लिए 2400 रुपये और ए ग्रेड के लिए 2420 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगी कीमत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची जिला के विभिन्न प्रखंडों में इस वर्ष 15 दिसंबर से धान अधिप्राप्ति केंद्र का संचालन शुरू किया जायेगा। सरकार ने इस बार किसानों के लिए धान खरीद का लक्ष्य तीन लाख क्विंटल निर्धारित किया है। पिछले साल मात्र 1.2 लाख क्विंटल धान की खरीद हुई थी, लेकिन इस वर्ष बेहतर फसल उत्पादन और अनुकूल परिस्थितियों के चलते लक्ष्य को पूरा करने की संभावना है। इस बार धान में 17 प्रतिशत तक नमी को स्वीकार किया जायेगा। अधिक से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ देने के लिए एक किसान से 200 क्विंटल तक धान खरीदने की सीमा तय की गयी है। इससे अधिक मात्रा में धान की खरीद केवल अनुमोदन के बाद की जायेगी। राज्य सरकार ने इस बार साधारण धान और ग्रेड-ए धान के लिए अलग-अलग न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किये हैं। साधारण धान के लिए किसानों को 2400 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2420 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जायेगा। इसमें केंद्र सरकार द्वारा तय एमएसपी 2300 रुपये और 2320 रुपये के अतिरिक्त 100 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस भी शामिल है।

रांची जिला में 11300 किसान रजिस्टर्ड हैं। प्रशासन का प्रयास है कि अधिक से अधिक किसान केंद्रों पर पहुंचे। धान केंद्र पर देने के बाद पहले हाफ 50 प्रतिशत राशि का भुगतान होगा। इसके बाद शेष राशि का भुगतान किया जायेगा।

नौ राइस मिलों से 42 लैंपस जोड़े गये

इस प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए नौ राइस मिलों को जिले की 42 लैंपस (लार्ज एरिया मल्टीपर्पज को-ऑपरेटिव सोसाइटी) से जोड़ा गया है। यह कदम धान की उचित ढुलाई और संग्रहण सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

प्रखंड का नाम लैंपस का नाम

- **कांके** - अरसंडे, उरूगुटू लैंपस
- **रातू** - तारूप, पाली लैंपस
- **अनगड़ा** - सालहन, जोन्हा लैंपस
- **बुढ़मू** - गिंजो ठाकुरगांव, चकमे लैंपस
- **इटकी** - कुर्गी, बेड़ों, हरिहरपुर जामटोली लैंपस
- **सिल्ली** - सिल्ली, दोबाडू, टुटकी लैंपस
- **लापुंग** - मालगो, लापुंग, लतरातू, चान्हो
- **ओरमांझी** - ईचादाग, ओरमांझी।
- **खलारी** - तुमांग, राय
- **मांडर** - ब्राम्बे, मंदरों
- **नगड़ी** - साहेर, नगड़ी
- **नामकुम** - नामकुम, डुंगरी
- **सोनाहातू** - हारिण, बारूहातू, जामुदाग, हेसाडीह
- **राहे** - राहे, बी. नावाडीह
- **बुंडू** - ताउ, कांची, बुंडू, बारूहातू
- **तमाड़** - नावाडीह, तमाड़, मल्हानभुईयाडीह+

गृह रक्षा वाहिनी के पारण परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं डीसी

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड गृह रक्षा वाहिनी क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, हजारीबाग में रविवार को पासिंग आउट परेड समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डीसी नैंसी सहाय शामिल हुई। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि डीसी ने परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी प्रशिक्षणरत गृहरक्षा वाहिनी के जवानों को सेवा मूल्यों को बनाये रखने, संविधान में श्रद्धा और सच्ची निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने की शपथ दिलायी गयी। मार्च पास्ट के दौरान प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण का शानदार नजारा दिखा। डीसी ने कहा कि 188 होमगार्ड के जवानों ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया है। इस प्रशिक्षण की अवधि 63 दिनों की थी। प्रशिक्षण के बाद गढ़वा जिले के 388 गृहरक्षकों ने मार्च पास्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अब ये गृह रक्षक अपने गृह जिला गढ़वा में सेवा देंगे।

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता बना पताल

केरेडारी (आजाद सिपाही)। नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच रविवार को केरेडारी के कृषि फॉर्म मैदान में पताल की टीम और चट्टी पगार की टीम के बिच खेला गया। इस मैच में पताल पंचायत की टीम ने चट्टी पगार की टीम को 1 के मुकाबले 2 गोलों से पराजित कर खिताब पर कब्जा कर लिया। विजेता टीम को कप व नकद राशि से पुरस्कृत किया गया। इस से पहले कृषि फॉर्म मैदान में दर्शकों के बिच रोमांचक मैच खेला गया जिसका दर्शकों में लुफ्त उठाया। मौके पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, कर्मचारी साव, आजसू के प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा, उपेंद्र सिंह, नरेश महतो, जयराम साव बालगोविंद सोनी सहित कई लोग मौजूद थे।

बालू खनन से सोनपुरा नदी का पुल कमजोर

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। सिद्धार्था कंस्ट्रक्शन के द्वारा 2014 में सोनपुरा शिवाडीह गांव के हहारो नदी में बना पुल बालू की अवैध तस्करी के कारण कमजोर हो गया। बालू के लगातार उत्खनन के कारण पुल का कुछ हिस्सा कमजोर हो चुका है। अगर समय रहते कमजोर हिस्सों की मरम्मत नहीं करायी गयी तो कभी भी पुल पुनः ध्वस्त हो सकता है। विभिन्न पाइओ का रड निकल गया। जिससे कभी भी बड़ी घटना घट सकती है। बताते चलें कि किसानों की मांग पर आजादी के कई वर्ष बाद इस पुल का निर्माण सिद्धार्थ कंस्ट्रक्शन के द्वारा किया गया था। पुल का निर्माण कार्य लगभग 4 करोड़ 32 लाख रुपये की लागत से पूर्ण किया गया था, और महज 12 वर्षों में स्थिति बद से बदतर हो गयी। कई पिलर के छड़े बाहर तक निकल गयी है जिससे यह अंदाजा लगाया जाता है की कार्य में कितनी लापरवाही बरती गयी थी। जिला और प्रखंड मुख्यालय से दर्जनों गांव को यह पुल जोड़ता है। जिसमें मुख्य रूप से सोनपुरा, महूदी, पलांडू कुंदरू, चेलंगदाग, झिकझोर, लोहरसा, बुंडू, हेंदेगिर, बचरा, कल्याणपुर सहित बहुचर्चित पर्यटक स्थल बरसो पानी इसी पुल के माध्यम से जाया जाता है। साथ ही साथ बड़कागांव प्रखंड को हैदगिर रेलवे स्टेशन से सीधे जोड़ने वाली पुल है।

डीएवी में विश्व एड्स दिवस पर बच्चों ने लोगों को किया जागरूक

कोडरमा (आजाद सिपाही)। रविवार को विश्व एड्स दिवस पर डीएवी पब्लिक स्कूल झुमरीतिलैया के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर बच्चों ने अंग्रेजी और हिंदी में स्लोगन, कविता और वक्तव्य के द्वारा लोगों को एचआइवी एड्स की घातक और जानलेवा बीमारी से सतर्क और सचेत किया। कार्यक्रम के तहत गोल्डी, क्रिस्टी, दिव्या, देबोप्रिया ने अंग्रेजी और हिंदी में प्रेरणादायक स्लोगन लिखकर लोगों को इस बीमारी से बचाव का संदेश दिया। वहीं पर सातवीं कक्षा की आकृति ने कविता और 9 ए की सृष्टि ने अपने वक्तव्य के द्वारा राष्ट्रीय एड्स दिवस पर लोगों को एकजुट होकर बीमारी से बचने और उसके उपाय को अपनाने के लिए अभिप्रेरित किया। इस बीमारी ने पूरे समाज को प्रभावित कर एक बड़ी समस्या को जन्म दिया है। विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह राष्ट्रीय एड्स दिवस के अवसर पर बच्चों की पहल को देखकर अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह लोगों को एचआईवी एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने, बीमारी से पीड़ित लोगों की सहायता करने और बचाव के विभिन्न उपायों को अपनाने के लिए सतर्क और सजग किया जाता है। पूरा विश्व इस भयावह बीमारी की रोकथाम के लिए सतत प्रयासरत है। कार्यक्रम को सफल बनाने और बच्चों को का दिशा निर्देश करने में विद्यालय के शिक्षक पवन कुमार, आनंदी प्रसाद, मोहम्मद अली और लक्ष्मी गुप्ता का योगदान रहा।

भारत बंद की तैयारी में जुटा सनातन समाज, आक्रोश रैली कल

हजारीबाग(आजाद सिपाही)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और मठ मंदिरो को निशाना बनाए जाने को लेकर तीन दिसंबर को विभिन्न संगठनों ने भारत बंद का एलान किया है। हजारीबाग में भी तीन दिसंबर को बंद और सड़कों पर उतर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी की जा रही है। हजारीबाग में सर्व सनातन समाज की ओर से आयोजन की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार तीन दिसंबर को भारत बंद को लेकर आम लोगों से अपील करते हुए सहयोग प्रदान करने की अपील किया गया है। बताया गया है कि दिन के 11 बजे कर्जन ग्राउंड में एकत्रीकरण किया गया है और आक्रोश रैली बुढ़वा महादेव होकर छठ तालाब जायेंगी। वहां से झंडा चौक होकर पुन : बंशीलाल चौक के रास्ते कर्जन ग्राउंड में सभा के रुप में तब्दील हो जायेंगी। जानकारी देते हुए आयोजन समिति प्रमुख टीके शुक्ला ने बताया कि सांकेतिक रुप से विरोध किया जा रहा है औरआवश्यकता पड़ी तो यह आरपार होगी। केंद्र सरकार को इस दिशा में पहल करने और सख्त से सख्त कदम उठाने की मांग की गयी है। ज्ञात हो कि शेख हसीना को अपदस्थ करने के बाद बांग्लादेश में पिछले तीन माह पूर्व हिंदुओं पर हमला प्रारंभ हो गया था। मठ मंदिरों को तोड़े जा रहे है और हर दिन टारगेट कर हिंदुओं की हत्या बीच सड़क की जा रही है। इस्कॉन प्रमुख को गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया गया है और पूजा पाठ को भी बंद करा दिया गया है। ऐसे में सनातन समाज चुप नहीं बैठेगी।

यादव समाज ने विधायक प्रदीप प्रसाद से की मुलाकात

मंजीत यादव को न्याय दिलाने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। विधायक प्रदीप प्रसाद से यादव समाज के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की और उन्हें विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। समाज के प्रतिनिधियों ने हाल ही में हुई हत्या की एक गंभीर घटना पर चर्चा की, जिसमें मंजीत यादव की नृशंस हत्या का मामला शामिल है। समाज के सदस्यों ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की और न्याय की मांग की। प्रतिनिधियों ने विधायक से अपील की इस मामले में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाये और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाये। यादव समाज ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए। विधायक प्रदीप प्रसाद ने यादव समाज को भरोसा दिलाया कि वह इस मामले को गंभीरता से लेंगे। उन्होंने कहा कि वह जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से तुरंत संपर्क करेंगे और इस मामले का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करेंगे। प्रदीप प्रसाद ने कहा यह मामला बेहद संवेदनशील है, और मैं यादव समाज को विश्वास दिलाता हूं कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जायेगा। न्याय दिलाना मेरी प्राथमिकता है। मौके पर सुखदेव प्रसाद यादव, रंजन यादव, प्रकाश यादव, हरि गोप, कमल गोप, गोपाल यादव, मनोज कुमार यादव, कन्हैया गोप, शंभु यादव, मनोज कुमार यादव सहित कई लोग मौजूद थें।

मंजीत यादव हत्याकांड का खुलासा नहीं होने से यादव समाज आक्रोशित

हजारीबाग शहर के मधुवन धर्मशाला में यादव समाज के लोगों ने मनजीत यादव हत्या कांड को लेकर एक बैठक की। बैठक की अध्यक्षता सुखदेव यादव ने की। समाज के लोगों ने एक स्वर में कहा कि आचार संहिता के बहाना बनाकर एक महीना हो गया, परंतु पुलिस प्रशासन चुप्पी साधी हुई है। अभी तक पुलिस इस कांड में संलिप्त लोगों तक पहुंच भी नहीं पायी है। यह पुलिस प्रशासन की दुर्बलता को दर्शाता है। यादव समाज के लोग एक महीने पूर्व जब पुलिस अधीक्षक से मिले थे तब उन्हें आश्वासन मिला था कि दो दिन के अंदर सब उजागर हो जायेगा और हत्यारा और षड्यंत्रकर्ता सलाखों के पीछे होंगे। परंतु महीने बीतने चला कुछ भी पुलिस नहीं कर पायी। इसलिए शहर और समाज के लोग काफी आक्रोशित है और चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर रहे। सबों ने एक स्वर में कहा किमनजीत यादव के न्याय के लिए सड़क पर उतरेंगे। बैठक के दौरान कमल गोप, प्रकाश यादव, अरुण यादव, कन्हैया यादव, मनोज यादव, गोपाल यादव, शंभू यादव, हरि गोप, राजेश यादव, सुखदेव यादव, महादेव यादव, कृष्ण यादव, परमेश्वर यादव, राजन यादव आदि उपस्थित थे।

विधायक बनते ही अपने रंग में दिखे रोशनलाल, दिलाया मुआवजा नौकरी

सड़क से लेकर सदन तक संघर्षरत रहूंगा लोगों को उनका हक दिलाकर रहूंगा : रोशनलाल चौधरी

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव हजारीबाग रोड के 13 माइल में हुए भीषण सड़क हादसे में केरेडारी प्रखंड अंतर्गत कंडाबेर निवासी केदार साव की दर्दनाक मृत्यु हो गयी थी। जिसके विरुद्ध ग्रामीणों के द्वारा कंपनी में नौकरी दिये जाने और मुआवजा को लेकर सड़क जाम कर दिया था। गेटन की 30 नवंबर को सुबह 6:00 बजे टाइल्स लग 18 चक्का ट्रक पलट गया था इसके चपेट में आने से केदार साव का मृत्यु हो गया था। सूचना पाकर विधायक रोशनलाल चौधरी सुबह हीं दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। उनके मुआवजा और अधिकार के लिए दिन भर रोड में संघर्षरत रहे। सुबह बात नहीं बनी तो दिन भर अपने कार्यकर्ताओं के साथ डटे रहे है हर पहलू से अवगत होते हुए सभी अधिकारियों से बात करते गये। अंततः देर रात को एनटीपीसी कंपनी से सकारात्मक वार्ता के बाद विधायक रोशनलाल चौधरी के प्रयास से मृतक के परिजनों को 1.25 लाख रुपये नकद, 1 नौकरी और 1 व्यक्ति (उनकी पत्नी) को पेंशन दिलाने की बात पर सहमति बनी। तत्पश्चात देर रात 10:00 बजे सड़क जाम हटाया गया। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि हमारा एक ही उद्देश्य है बड़का गांव विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण के दुख सुख में साथ रहना और उनके हक और अधिकार को लेकर लड़ना। मौके पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक निर्मला देवी, आजसू केंद्रीय सचिव कौलेश्वर गंझू, आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र कुमार, वीरेंद्र कुमार, विजय साहू, विनोद साहू, सुरेश साव, तपेश्वर कुमार तापस, घनश्याम कुमार दांगी, रामचंद्र साव, घनश्याम जायसवाल, तुलेश्वर महतो सहित अन्य शामिल रहे।

रेलवे ने चलाया अभियान, वसूला पांच लाख जुर्माना

कोडरमा (आजाद सिपाही)। धनबाद मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न टीमों ने धनबाद मंडल के कोडरमा, गोमो, चंद्रपुरा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में जांच की। इस दौरान 1044 यात्रियों को पकड़ा गया। इसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गये सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्री शामिल थे। उक्त लोगों से पांच लाख 18 हजार 185 रुपया जुर्माना वसूला गया। चेकिंग अभियान में 143 टिकट चेकिंग कर्मियों को लगाया गया था। टीम ने स्टेशनों और विभिन्न मेल, एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग की। वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह वरीय जनसंपर्क अधिकारी अमरेश कुमार के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करनेवाले यात्रियों पर अंकुश लगाना है। ताकि वे टिकट लेकर यात्रा करें और उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करनेवाले यात्रियों के कारण किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

लड़कियों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने शनिवार को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। एनटीपीसी माइनिंग और इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित इस कार्यक्रम में पकरी बरवाडीह ने जागृति महिला संघ के सहयोग से ग्रामीण महिलाओं और स्कूल की लड़कियों के लिए कई कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। इन कार्यक्रमों में लाह से चूड़ियां बनाने, हस्तनिर्मित हर्बल साबुन बनाने, जैविक मसालों और मिलेट पाउडर का प्रसंस्करण जैसे कौशल विकास पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जागृति महिला संघ की अध्यक्ष तजीन फैज, और अन्य विशिष्ट अतिथियों में उपाध्यक्ष मीनाक्षी सक्सेना और परियोजना के उप महाप्रबंधक, एसके सेनापति ने शिरकत की। झारखंड सरकार के टूल रूम, इंजीनियर मिथलेश उपाध्याय ने ऑनरिंग एक्सीलेंस पुरस्कार से जागृति महिला संघ की अध्यक्षा को सम्मानित किया, जो ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु प्रतिभागियों ने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त की और बताया कि ये कार्यक्रम उनकी जीवनशैली और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद कर रहे हैं। मुख्य अतिथि तजीन फैज ने प्रतिभागियों की प्रशंसा की और इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रमों के महत्व को बताया। कार्यक्रम का समापन आयोजकों द्वारा प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

रेलवे में मान्यता के लिए होनेवाले चुनाव की बढ़ी सरगर्मी

धनबाद रेल मंडल में कोडरमा सहित 25 हजार रेल कर्मी 4 से 6 दिसंबर तक करेंगे मतदान

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। रेलवे में मान्यता के लिए 11 वर्ष के बाद होनेवाला चुनाव 4 से 6 दिसंबर तक होगा। यूनियन के नेताओं ने प्रचार प्रसार कोडरमा गझंडी, पहाड़पुर, हजारीबाग रोड, हजारीबाग टाऊन सहित धनबाद रेल मंडल में तेज कर दिया है। मालूम हो कि गत चुनाव 2013 में हुआ था। चुनाव 5 वर्षों के लिए होता है। इधर 2013 में इस चुनाव में एकमात्र ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन को मान्यता मिली और इस बार 7 यूनियन भी चुनाव मैदान भी ताल ठोक रही है। इसमें इस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के अलावा धनबाद रेल मंडल में इस्ट सेंट्रल मेंस कांग्रेस, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस, इस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन, रेलवे कर्मचारी के पास पहुंचकर मतदान अपने पक्ष में करने की अपील कर रहे हैं। इधर गझंडी शाखा के इस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन शाखा सचिव बीबी सिंह ने बताया कि पुनः हमारा यूनियन जीत दर्ज करेगी ऐसी आशा है।

रेलवे ने की तैयारी

मान्यता के लिए होनेवाले चुनाव में 4 और 5 दिसंबर को अधिकारी, कर्मी, दिव्यांग और रनिंग कर्मचारी भारतीय रेलवे के विभिन्न स्थलों पर मतदान करेंगे। धनबाद रेल मंडल में लगभग 25000 कर्मी और गझंडी शाखा में 2256 कर्मी मतदान में हिस्सा लेंगे। यहां यह भी बताना जरूरी है कि 2011में बहाल 7000 कर्मी पहली बार विभिन्न केंद्रों पर सुबह 8 बजे से 5 बजे तक मतदान कर सकेंगे। कोडरमा के अंतर्गत 5 बूथ बनाये गये हैं। इसमें कोडरमा जंक्शन के अंतर्गत एइएन कार्यालय और सिग्नल विभाग और हजारीबाग रोड, पहाड़पुर और हजारीबाग टाऊन में एक-एक बूथ बनाये गये हैं। यहां मतदान संपन्न कराने के लिए धनबाद के रेल अधिकारी पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होंगे। बूथों पर आरपीएफ और जीआरपी की तैनाती की जायेगी और सीसीटीवी कैमरे लगाने इव मतपेटी के साथ स्याही की खरीददारी भी की जायेगी। यदि चुनाव में कोई शिकायत दर्ज होती है तो 7 दिसंबर को पुनर्मतदान कराया जा सकता है। 10 दिसंबर को वोटो की गिनती और 12 दिसंबर को परिणाम की घोषणा की जायेगी।

प्रकाश ठाकुर की हत्या को लेकर डाड़ीकला थाना में मामला दर्ज, छह नामजद

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। अपराधियों द्वारा शुक्रवार देर रात प्रकाश ठाकुर को घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर देने मामले को लेकर डाड़ीकला थाना में प्रकाश ठाकुर के पत्नी के द्वारा आवेदन देकर मामला दर्ज कराया गया है। मामले को लेकर पुलिस ने बताया कि कांड संख्या 289/24 दर्ज किया गया है। जिसमें 6 नामजद लोगों को आरोपी बनाया गया है। मामले को लेकर पुलिस कई बिंदुओं पर जांच सुरु कर दी है। आगे बताया कि पूर्व और नये गतिविधियों में प्रकाश ठाकुर से संबंधित कार्यों को भी खंगाला जायेगा। ताकि अपराधी जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। वहीं दूसरे दिन मृतक प्रकाश ठाकुर के चेपाकला गांव में शोक व्याप्त था, हर तरफ सन्नाटा पसरा हुआ था। भय का माहौल देखा जा रहा है। वृद्ध माता-पिता व परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

प्रवासी मजदूर की चैन्नई में मौत

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रवासी मजदूरों की मौत का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के जोबर फुसरो गांव के मजदूर की चैन्नई में रविवार को मौत हो गयी। मौत के बाद परिजनों ने उनके अंतिम दर्शन के लिए शव घर मंगाने की मांग सरकार से की है। मिली जानकारी के मुताबिक जोबर फुसरो निवासी कोकील महतो के पुत्र सरजू कुमार महतो की चैन्नई में मौत हो गयी। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हैं। गांव वाले भी शोक में हैं। मृतक सरजू कुमार महतो चैन्नई में इलेक्ट्रो स्टील टेस्टिंग राधा रानी इंटरप्राइजेज कंपनी में काम करता था। वह घर का एकलौता कमाऊ व्यक्ति था। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से चैन्नई से शव लाने में परिजन असमर्थ हैं। वहीं इस घटना को लेकर प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने सरकार से चैन्नई से उचित मुआवजे के साथ शव लाने की अपील करते हुए कहा कि झारखंड के नौजवानों की मौत के मुंह में समा जाने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई लोगों की मौत हो चुकी है। रोजी-रोटी की तलाश में प्रदेश गये प्रवासी झारखंडी मजदूरों की मौत का सिलसिला जारी है। सरकार को झारखंड में ही रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि मजदूरों का पलायन रोका जा सके।

हेल्थ चेकअप जांच शिविर का आयोजन

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग झील परिसर में श्रीनिवास डायग्नोस्टिक ने दिन रविवार को हेल्थ चेकअप जांच शिविर का आयोजन किया। जिसमें सुगर और हीमोग्लोबिन का जांच मुफ्त किया गया। इसमें 65 से अधिक जरूरतमंदों ने सुगर और हीमोग्लोबिन का जांच और उत्तम स्वास्थ्य का परामर्श प्राप्त किया। साथ ही कई लोगों ने अन्य जांच का परामर्श प्राप्त किया। इस दौरान अन्य जांच पर बाजार से किफायती दर पर उपलब्ध होने से कई जरूरतमंदों ने पंजीकरण कराया। जरूरतमंदों लोगों ने बताया कि छुट्टियों में इस प्रकार की जांच से आमजन में काफी राहत पहुंचेगा। गंभीर बिमारियों का पूर्वत जानकारी होने से गंभीर बीमारियों से बचाव और राहत मिलेगा। ज्ञात हो कि श्रीनिवास डायग्नोस्टिक मिशन होस्पिटल के परिसर में सेवारत है। जिसमें शरीर पूरा जांच आधुनिक तरीके औ किफायती दर पर उपलब्ध है। पूरा शरीर जांच में सीबीसी, थायराइड प्रोफाइल, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, वसा प्रालेख एचबीए, आरबीएस, इलेक्ट्रोलाइट, विटामिन-डी, विटामिन बी, इसीजी यूएसजीडब्ल्यू, छाती का एक्स-रे और मुत्र का जांच सहित कई जांच के अलावे निः शुल्क डॉक्टर्स परामर्श बाजार से काफी किफायती दर पर उपलब्ध है। मौके पर श्रीनिवास डायग्नोस्टिक से अजरा निगार, रेशमी देवी, पिंकू कुमार और दीपक कुमार सहित कई स्वास्थ्य कर्मी काफी सक्रियता से जुटे रहे।

हाथियों के आतंक से ग्रामीण भयभीत

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। खतियानी परिवार के केंद्रीय महासचिव मोहम्मद हकीम ने दुख प्रकट करते हुए कहा की भेलवारा कई गांव में हाथियों का घुसपैठी के कारण आम जनता के अंदर डर का माहौल बना हुआ है रात में सुकून से सो नहीं पा रहे हैं रातों में जब भी कुत्ता-कुत्तों का भौंकने की आवाज सुनाई पड़ता है तो अपने घरों से बाहर औरत मर्द चौकन्ना हो जाते हैं। आग जलाने और ढोल पटाखा का इंतजाम में लग जाते हैं देहातों में एकमात्र धान की खेती होती है उन्हें नष्ट और खाने को बर्बाद करने में हाथियों का शौक पूरा होता है ग्रामीण लोग शत प्रतिशत गरीबी रेखा के नीचे अपनी जीवन बिताते हैं कुछ लोग जंगलों में जाकर दतवन पत्ता तोड़कर शहरों में जाकर बेचते हैं तब उनकी घर का चूल्हा जलता है ऐसे ही घटना भेलवारा के निवासी एक महिला को जंगल में मौत के घाट उतार दिया। बच के निकली दो महिलाओं को अभी भी इलाज चल रहा है ऐसी भयभीत के माहौल में प्रशासन को नींद नहीं खुल रही है। कारण यह है कि वन विभाग और उनके सहयोगियों द्वारा जंगल को उजाड़ने में भरपूर सहयोग मिला जिससे भू-माफियाओं द्वारा जंगलों का कब्जा करना पदाधिकारी को हाथ गर्म होना का कारण है जब जंगल ही नहीं तो जंगली जानवर कहां रहेंगे। अभी भी जंगलों की कूट कटाई धड़ल्ले से होती है जिसमें वन विभाग का पूरे का पूरा सहयोग रहता है, जब जंगली जानवरों का आशियाना ही उजाड़ जाये तो वह भी तो एक पशु है वह कहां रहेंगे इसका जिम्मेवार कौन है।

रांची ने गढ़वा को 137 रनों से हराया

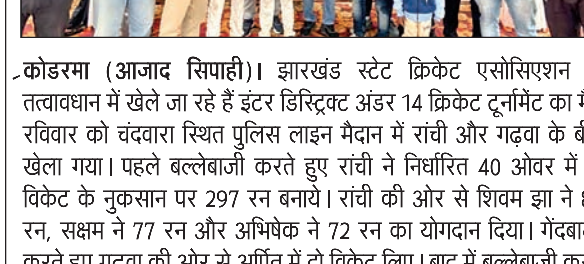

कोडरमा (आजाद सिपाही)। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे हैं इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट का मैच रविवार को चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में रांची और गढ़वा के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रांची ने निर्धारित 40 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 297 रन बनाये। रांची की ओर से शिवम झा ने 80 रन, सक्षम ने 77 रन और अभिषेक ने 72 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए गढ़वा की ओर से अर्पित में दो विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी गढ़वा की टीम 38.2 ओवर में 160 रन ही बना सकी। जिसमें अर्पित ने 65 रन और नीतीश ने 39 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए रांची की ओर से आरव सिन्हा ने चार विकेट, सक्षम ने दो विकेट, करण, जयेश और अतुल ने एक-एक विकेट लिए। बेहतर खेल के लिए शिवम झा और सक्षम को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच दिया गया। मैच में जेएससीए ऑब्जर्वर पप्पू सिंह, अंपायर हेमंत ठाकुर, अमित हाजरा, स्कोरर गजेंद्र कुमार, केडीसीए के अमरजीत सिंह छाबड़ा, दिनेश सिंह, अनिल सिंह, सुनील जैन, सुमन कुमार, सुरेंद्र प्रसाद, विशाल प्रसाद, अमित जायसवाल, अशोक यादव, सूरज पासवान उपस्थित थे।

गीता स्वामी टैक्स अकादमी का शुभारंभ

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। शहर के झंडा चौक के समीप रविवार को गीता स्वामी टैक्स अकादमी नामक संस्थान का शुभारंभ किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डॉ सुनील कुमार अग्रवाल ने दीप जलाकर किया। प्रतिष्ठान के उदघाटन के बाद उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, वाणिज्य के विद्यार्थियों को टैक्स अकादमी का काफी लाभ मिलेगा। संस्थान के प्रबंध निदेशक सुरेश पी अग्रवाल के चालीस वर्षों का टैक्स प्रैक्टिस का अनुभव और ज्ञान से छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो सकेंगे। गीता स्वामी टैक्स एकेडमी के प्रबंध निदेशक सुरेश पी अग्रवाल (वरिष्ठ आयकर अधिवक्ता) ने बताया कि टैक्स अकादमी की परिकल्पना रामगढ़ ज़िले में मौलिक विचार है। यहां तीन महीने के 36 क्लासेज में एकाउंट्स, टैली, जीएसटी और आयकर का सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया जायेगा। यह एक प्रकार से कौशल विकास प्रशिक्षण होगा। इस कोर्स के बाद युवाओं को आसानी से जॉब प्राप्त हो सकेगा। मौके पर प्रो प्रणीत कुमार, प्रो तारा शंकर अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, विवेक अग्रवाल (अधिवक्ता), संगीता अग्रवाल, शेखर शरद (सीए), रक्षा अग्रवाल (सीए), अंकित अग्रवाल, रविश गोयल, दीक्षा अग्रवाल, अंश गुप्ता, मनीषा सोनी, प्रशंसा वर्मा, अर्चिता वर्मा, विशाखा गोयनका, पंकज अग्रवाल, संजय कुमार, आयुष सोनी, सात्विक, शाश्वत, समृद्धि, अनन्या सहित शहर के कई गणमान्य लोग शामिल थे।

पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। दामोदर नदी के किनारे स्थित गांधी घाट में मुक्तिधाम परिसर में रविवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें, कई फलदार, छायादार व पौधा लगाया गया। इसके अलावा अन्य प्रजाति के पौधे विलुप्त हो चुके हैं, लेकिन रांची में हिनू और डोरंडा के बीच में इसके दो वृक्ष अभी सैकड़ो वर्षों से लगे हुए हैं। वैसे पौधों को भी लगाया गया। जबकि, वैसे पौधों को भी सरकार ने दुर्लभ वृक्ष घोषित कर सुरक्षित किया है। रामगढ़ के पूर्व थाना प्रभारी अजय कुमार साहू ने विशेष रूप से प्रयास कर इस पौधे को मंगवाया तथा लगवाया। इस दुर्लभ प्रजाति के पौधे को लगाने में सब इंस्पेक्टर निखिल राहुल, रितेश कुमार, कांस्टेबल रंजन कुमार सिंह, गांधी कुमार और मुक्तिधाम के प्रबंधक कमल बगड़िया उपस्थित थे। कहा गया है कि समुद्र मंथन के क्रम में कल्पतरु वृक्ष भी देवताओं को मिला था। यह वृक्ष वही प्रजाति का है।

कुंडी, देवलगड़ा गांव के जर्जर सड़क का निर्माण हो: कुलदीप

टंडवा (आजाद सिपाही)। मगध परियोजना क्षेत्र के कुंडी गांव में ग्रामीण सड़क जर्जर स्थिति में है मुख्य सड़कों से जुड़ने के लिए ग्रामीणों को बहुत समय लग जाता है और इसका लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा असर कर रहा है। उक्त विषयों पर वैश्य समाज के टंडवा प्रखंड अध्यक्ष कुलदीप कुमार ने कहा कि देश के विकास में एशिया महादेश की ग्रीन परियोजना सीसीएल ने खुली खदाने चला रही है। लेकिन कुंडी देवगढ़ा गांव के ग्रामीणों के निवासियों का बुरा हाल है। आखिर इस प्रकार की जीवन शैली की कल्पना मगध खुलने से पहले नहीं किया था। उन्होंने बताया कि कुंडी गांव को दूसरे स्थान में बसाने का काम भी नहीं किया जा रहा है, और सड़क, नली, गली, कुंआ, तालाब, जलाशय, धर्म स्थान, अस्पताल, शिक्षा की सुविधा से वंचित है। उन्होंने सीसीएल प्रबंधन से वर्तमान समय में जर्जर सड़क को निर्माण कर दुरुस्त करने मांग किया है।

कुंदरुकलां श्राद्ध में शामिल हुए सांसद चंद्रप्रकाश और विधायक तिवारी महतो

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। रामगढ़ प्रखंड के कुंदरु कला गांव में देर रात ब्रह्म भोज श्राद्ध कर्म में गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और मांडू के नवनिर्वाचित विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो शामिल हुए, बताया गया की मृतक रजरप्पा प्रोजेक्ट सीसीएल से 10 वर्ष पूर्व ही सेवानिवृत हुए थे और बीआइटी मेसरा में अपना घर बनाकर सपरिवार रहते थे वे लंबे समय से बीमारी से पीड़ित थे जिसे बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था परंतु चिकित्सकों द्वारा इलाज के दौरान निधन हो गया था, गिरिडीह सांसद और गोमिया विधायक के द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए स्व चोलाराम महतो (70 वर्ष) के फोटो चित्र पर नम आंखों से श्रद्धांजलि दी, ब्राह्मण भोज श्राद्धकर्म मे देर रात गिरिडीह सांसद और मांडू विधायक शामिल होकर शोकाकुल परिजनों से मिल शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर रामगढ़ जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो, सोहन महतो, संजय महतो, सुरेश महतो, मोहनलाल महतो, सोनाराम महतो, सोहन महतो, गेंदालाल महतो, उमाशंकर महतो, मंगल महतो, प्रवीण कुमार, महतो, मनोज महतो, अमर लाल महतो, रमेश महतो, श्रीकांत भारती सहित पुरे परिजन शामिल थे।

झारखंड-बिहार 41 बैच के प्रशासनिक अधिकारियों का सिल्वर जुबली मनाया गया

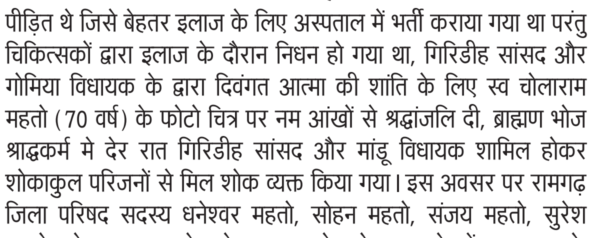

पतरातू (आजाद सिपाही)। झारखंड का खूबसूरत और प्रकृति गोद में बसा हुआ मनोहारी मनोरम पर्यटन स्थल पतरातू में 41वें बैच के बिहार प्रशासनिक सेवा और झारखंड प्रशासनिक सेवा के संयुक्त सचिव के पद स्तर पर सभी अधिकारियों ने 25वीं वर्षगांठ संपन्न होने की खुशी में पतरातू डैम जुटे और झारखंड की खूबसूरत और प्राकृतिक सुंदरता से भरा हुआ पतरातू घाटी की खूबसूरत वादियों का दीदार किया। नौका विहार का खूब आनंद लिया सभी सहपाठियों अधिकारियों द्वारा लजीज व्यंजन का लुफ्त उठाया घाटी में जगह-जगह पर बने सेल्फी पॉइंट में खूब फोटोशूट किया, बताया गया कि झारखंड प्रशासनिक संघ और बिहार प्रशासनिक संघ के बैचमेट अधिकारी शामिल हुए और दोनों अलग-अलग राज्यों में राज्य सरकार के संयुक्त पद पर अपनी सेवा दे रहे हैं सभी अधिकारी बस के द्वारा पतरातू डैम के समीप पहुंचे और नौका विहार का भी लुफ्त उठाया, झारखंड बिहार का कैडर बंटवारे के बाद अधिकारी अपने-अपने राज्यों में सेवा दे रहे थे 2024 में 25वीं वर्षगांठ पूरा होने की खुशी में दोनों राज्यों से अधिकारीगण पतरातू डैम पहुंचे और गेट टूगेदर का आयोजन किया, देर शाम सभी गंतव्य की ओर रवाना हुए।

वेब्स होटल के मालिक के घर से चोरी हुआ कैश और जेवर बरामद

आकाश धनक ने घर में ही छुपा कर रखा था चोरी का पूरा माल

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। शहर के वेब्स होटल के मालिक संजीव चड्ढा के घर से चोरी हुआ कैश और जेवर पुलिस ने मध्य प्रदेश से बरामद कर लिया है। साथ ही उस चोर को भी पकड़ने में सफलता हासिल की है, जिसने इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार आकाश धनक को उसके घर से ही पुलिस ने पकड़ा है। इस छापेमारी में मध्य प्रदेश राज्य के सागर जिले की मोतीनगर थाना पुलिस का भी योगदान सराहनीय रहा है। संजीव चड्ढा के घर का पूरा मुआयना करने के बाद रामगढ़ पुलिस और टेक्निकल सेल ने काफी सक्रियता से काम करना शुरू किया। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने भी इस मामले को तत्काल उद्भेदन करने का निर्देश

दिया। साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क कर सहयोग करने की अपील की। चोर की पहचान संजीव चड्ढा के परिजनों ने कर दी थी। उन्होंने बताया था कि आकाश धनक 8 वर्षों तक उनके होटल में काम कर चुका है। 3 महीने पहले ही उसने नौकरी छोड़ी थी। इसके बाद होटल के जिस स्टाफ गोपाल से वह बात करता था, उसने भी इसकी पुष्टि की। सीसीटीवी कैमरे में आकाश धनक को बैग लेकर घुसते हुए और भागते हुए भी देखा गया था।

चोरी करते ही अपने घर पहुंचा था आकाश

रामगढ़ से चोरी कर आकाश धनक सीधे अपने घर मध्य प्रदेश के सागर जिला अंतर्गत मोती नगर थाना क्षेत्र के संत कबीर दास नगर पहुंचा। उसने सबसे पहले चोरी के माल को छुपाने की कोशिश की। वेब्स होटल के मालिक के घर से उसने लगभग 20 लाख रुपये कैश और लाखों रुपये के जेवर समेत कुल 50 लाख रुपये के संपत्ति चोरी की थी। अपने घर की छत पर ही उसने एक बैग में चोरी का पूरा माल छुपा कर रख दिया था।

नौकरी छोड़ते समय स्पीकर चुरा ले गया था आकाश : पीड़ित परिवारों से पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि आकाश का नजरिया पहले से ही खराब हो गया था। 3 महीने पहले जब उसने वेब्स होटल की नौकरी छोड़ी तो वह होटल से एक स्पीकर चुरा कर ले गया था। उसे स्पीकर के लिए जब होटल मालिक ने आकाश को फोन किया तो उन दोनों के बीच काफी बहस हुई। इस दौरान आकाश ने संजीव चड्ढा के परिजनों को धमकी भी दी थी। लेकिन वह धमकी इतनी महंगी पड़ेगी शायद इसका अंदाजा उन्हें नहीं था।

सागर जिले की कोर्ट से रिमांड पर लिया जायेगा आकाश: मध्य प्रदेश राज्य के सागर जिले से आकाश धनक की गिरफ्तारी हुई है। उसके घर से चोरी की संपत्ति भी बरामद हुई है। रामगढ़ पुलिस सोमवार को सागर कोर्ट में आकाश धनक को पेश करेगी और उसे रिमांड पर लेकर रामगढ़ लायेगी। रामगढ़ आने के बाद एक बार फिर उससे गहन पूछताछ होगी, ताकि उसके अपराधिक इतिहास की भी जानकारी हो सके।

रामगढ़ पटेल चौक में तैयारी समिति की हुई बैठक

खोरठा जनगायक जगलाल सिंह की स्मृति में ऐतिहासिक सेमिनार होगा : डॉ बीएन ओहदार

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जनगायक जगलाल सिंह की पहली स्मृति दिवस मनाने को लेकर रविवार को स्थानीय कलाकारों साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों की एक बैठक पटेल चौक स्थित मार्गदर्शन शिक्षण संस्थान में की गयी। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ बीएन ओहदार और संचालन सुशील स्वतंत्र ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि स्व जगलाल सिंह कि पहली पुण्यतिथि 19 दिसम्बर को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के खोरठा विभाग में मनाया जायेगा। गौरतलब

है कि रामगढ़ के लइयो निवासी स्व जगलाल भारतीय जन नाट्य संघ से जुड़ें थें और वे मूल रूप से खोरठा गीत ही गाते थे, इसलिए जगलाल को समर्पित खोरठा गीत प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कुल-कॉलेज के वर्ग 10 से स्नातक तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ बी एन ओहदार की अध्यक्षता में एक आयोजन समिति का गठन किया गया। जिसमें साहित्यकार बलराम सिंह, पन्नालाल राम, सुशील स्वतंत्र, मेघनाथ, पोवेल, प्रीतम झा, अंजनी कुमार समेत अन्य लोगों के नाम शामिल है। मौके पर डॉ ओहदार ने कहा कि झारखंड की स्थानीय भाषा और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए इस तरह का आयोजन बेहद जरूरी है। खोरठा संस्कृति के संरक्षण और उन्नयन के लिए साथ ही जगलाल को याद करते हुए राधा गोविंद विश्वविद्यालय के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सबों का सहयोग अपेक्षित है। बैठक में इप्टा से प्रदीप तरफदार और रविशंकर शामिल थे। अंत धन्यवाद ज्ञापन पोवेल के द्वारा किया गया।

श्री दिगंबर जैन समाज के निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। श्री दिग्मबर जैन समाज के सत्र 2024-26 के द्विवार्षिक चुनाव में निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों के बीच जैन भवन में एक समारोह का आयोजन कर प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस दौरान चुनाव समिति के सभापति विकास सेठी और उपसभापति अमित जैन ने निर्वाचित सदस्यों में राजेंद्र पाटनी, संजय कुमार जैन सेठी, अमित काला, राजेंद्र चूड़ीवाल, सौरभ जैन अजमेरा, सुनील जैन, विकास रपरिया, देवेंद्र गंगवाल बुल्ली, प्रवीण कुमार जैन, योगेश सेठी के बीच प्रमाण

पत्र का वितरण किया। निर्वाचित तीन कार्यकारिणी के सदस्य माणिक चंद जैन, जम्बू कुमार जैन और नीरज जैन सेठी के अनुपस्थित रहने से प्रमाण पत्र उन्हें नहीं दिया जा सका। प्रमाण पत्र वितरण के दौरान निर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र पाटनी, सह सचिव, विकास रपरिया, मंदिर मंत्री देवेंद्र गंगवाल और भवन मंत्री सुनील छाबड़ा को बनाया गया। बैठक के दौरान चार मनोनित सदस्यों का भी चयन किया गया। जिसमें डॉ शरद जैन, श्रवण सेठी, ललित चूड़ीवाल और आनंद जैन का चयन किया गया। इससे पूर्व सर्वसम्मति से श्री दिगम्बर जैन समाज का अध्यक्ष राजेंद्र चूड़ीवाल, सचिव योगेश सेठी और कोषाध्यक्ष पद पर सौरभ अजमेरा का चयन किया गया था।

एनटीपीसी ने उड़ान स्टेडियम में मनाया 50वां स्थापना दिवस

पवनदीप की सुरीली आवाज पर झूमे अधिकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

टंडवा। नॉर्थ कर्णपुरा एनटीपीसी के उड़ान स्टेडियम में 50वां स्थापना दिवस के अवसर पर इंडियल आइएडल विजेता लोक प्रसिद्ध गायक पवनदीप राजन, अरुणिता कांजीलाल गायिका के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परियोजना प्रमुख संजीव कुमार सूआर, डीइओ दिनेश मिश्रा सहित पदाधिकारियों ने दीप प्रवज्लित कर किया। संगीत नृत्य की शुरुआत नटराज नृत्य समूह के द्वारा जय गणेशा के गीत पर नृत्य से किया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख एसकेसुआर, वसुंधरा लेडीज क्लब के अध्यक्षा दीपाली आचार्य ने दोनों को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। प्रसिद्ध गायक पवनदीप राजन, और अरुणिता ने एनटीपीसी प्रबंधन के अधिकारियों और

प्रशासनिक पदाधिकारियों को रात भर एक से बढ़कर एक सुरीली आवाजों से झुमाया। जिसमें गायक पवन दीप ने गजल, विभिन्न फिल्मी गीतों को गाया। इसमें आज मौसम है बड़ा बेईमान, ये दिले नादान, ऐसा क्या गुनाह किया, तेरी चुनरिया लहराई, केसरिया तेरा, आनेवाला कल जाने वाला, ओउठो से छू लो तुम मेरा गीत अमर कर दो, दिखाई दिए, तुझसे नाराज नहीं जिंदगी हैरान हूं में, आज कल तेरे मेरे चर्चे हर जुबान पर, द्वीट गीत क्या यही प्यार है, तुम सा ही प्यारा है कोई मासूम नहीं है इत्यादि देश भक्ति गीत के लडिया शामिल है। इस अवसर पर दोनों सु प्रसिद्ध गायक-गायिका से सेल्फी लेते नजर आए। इस मौके पर डीइओ दिनेश मिश्रा, सीओ विजय दास, इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी अनिल उरांव टंडवा, एचओपी केरेडारी शिव प्रसाद, एचओपी चट्टी बरियातू नवीन गुप्ता, एचओपी उत्तरी करणपुरा संजीब कुमार सूआर, मध्य जिप सदस्य सुभाष यादव, मुखिया गाड़ीलांग साबिदा खातून, मुखिया कल्याणपुर महेश मुंडा, मुखिया राहम विश्वजीत उरांव, टंडवा मुखिया सुनीता देवी, सुभाष दास, व्यवसायिक संघ अध्यक्ष विकास गुप्ता सहित सैकड़ों संगीत प्रेमी उपस्थित थे।

पिंडरा से भारी मात्रा में अवैध कोयला बरामद

कुजू (आजाद सिपाही)। रामगढ़ एसपी अजय कुमार के निर्देश पर ओपी क्षेत्र के पिंडरा परियोजना की ओबी डंप के पीछे जंगल से कुजू पुलिस ने अवैध कोयला उत्खनन कर भंडारण किये गये 35 टन कोयला बरामद किया। जानकारी के अनुसार, एसपी को क्षेत्र के पिंडरा परियोजना में ओबी डंप के पास कोयला तस्करों द्वारा जंगल में अवैध कोयला उत्खनन कर जमा किये जाने की सूचना मिला। इस पर कुजू पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ओपी प्रभारी दिगंबर पांडेय को छापामारी करने का निर्देश दिया। निर्देश के बाद उन्होंने पुलिस बल और सीसीएल सुरक्षा कर्मियों के साथ जंगल में छापामारी कर लगभग 35 मीट्रिक टन कोयला जब्त किया। जब्त कोयले को सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया। साथ ही, जंगल के पास अवैध कोयले के मुहानों को डोजरिंग कर बंद कर दिया गया। इधर, कोयला जब्ती मामले को लेकर कुजू ओपी पुलिस ने कोयला तस्करों के विरुद्ध मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जारी थी। अभियान में कुजू पुलिस के अलावे सीसीएल सुरक्षा विभाग के हेमंत सिंह, रॉकेट मुर्मू, बिट्टू बंगाली, शंकर राम, मोइन खान, नागेश्वर मुंडा सहित कई सुरक्षा कर्मी शामिल रहे।

सेवटा में भव्य हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन

कुजू (आजाद सिपाही)। रूट्स माउंट स्कूल, सेवटा में भव्य हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। हस्तकला प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का अनूठा प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शनी कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी कला को प्रस्तुत करने और समाज में इसकी महत्ता को बढ़ाने का एक शानदार मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गयी। विद्यालय निदेशक अखिलेश कुमार सिंह ने बच्चो के अद्भुत प्रयासों को सराहते हुए कहा कि ऐसी प्रदर्शनी न केवल उनकी प्रतिभा को निखारने में सहायक होती है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और नये विचार के लिए प्रेरित भी करती है। साथ ही, हस्तकला हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। इसे प्रोत्साहित कर समाज को रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना चाहिए। प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां प्रस्तुत की है। जिनमें कागज, मिट्टी, बांस और अन्य सामग्रियों से बनी वस्तुएं शामिल रहा। जबकि पेंटिंग, हस्त निर्मित आभूषण, रंगीन दिये, मूर्ति, मंदिर, फल, पोस्टर और पर्यावरण अनुकूल उत्पाद जैसे थैले और सजावट सामग्री ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक दिनेश प्रसाद, अनिल प्रसाद, रूपेश मिश्रा, अजहर अली, अभिषेक कुमार, राज कुमार झा और शिक्षिका नेहा सिंह, कृतिका कुमारी, सीमा गोस्वामी, सीमा कुमारी, बिंदु कुमारी, अर्चना श्रीवास्तव, मंजू शर्मा, इशरत नाज, अंजली पंडा, अनिका तिवारी, सिमरन सबा, श्रृष्टि पांडेय का सराहनीय योगदान रहा।

मनोज मांझी को पार्टी से निष्कासित करने की मांग

हंटरगंज / चतरा (आजाद सिपाही)। एनडीए के सहयोगी रहे हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के चतरा जिला अध्यक्ष मनोज मांझी ने चतरा विधानसभा में पूरी तरह से एनडीए के विरुद्ध में प्रचार प्रसार किया है। वह अपने स्वजाति निर्दलीय प्रत्याशी उमेश भारती और जेएलकेएम प्रत्याशी अशोक भारती को वोट देने के लिए अपने स्वजाति लोगों को प्रेरित किया। जबकि एनडीए गठबंधन से लोजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान के पक्ष में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के सारे कार्यकर्ताओं को प्रचार प्रसार कर एनडीए के पक्ष में मत दिलाने के लिए अपील करना था। लेकिन मनोज मांझी ने तमाम मांझी समाज के वोट को जनार्दन पासवान के विरुद्ध काम किया। हंटरगंज भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष रौशन कुमार सिंह ने मनोज मांझी को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित करने की मांग हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से किया है। इस कार्य से एनडीए घटक दल भाजपा, लोजपा, आजसू, जदयू आदि के कार्यकर्ता काफी नाराज हैं ।

बीडीओ ने बैगा परिवारों के बुनियादी सुविधा की ली जानकारी

कुंदा/चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के नवादा गांव के टोला टयाक्रम में बीडीओ साकेत सिन्हा बैगा परिवारों के बुनियादी सुविधा की जानकारी लिया। इस दौरान उन्होंने बैगा परिवार के बच्चों के बीच बिस्कुट का पैकेट वितरित किया साथ ही बैगा परिवारों से उनके आवास, शौचालय, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन समेत अन्य सरकारी सुविधाओं की जानकारी लिया। इस मौके पर बीडीओ नें कहा कि बैगा परिवार के बुनियादी सुविधाओं की जानकारी लिया गया है। वैसे बैगा परिवार जिनका आवास रहने लायक नहीं है। उनका आवास निर्माण पूर्ण करया जायेगा मौके पर नवादा पंचायत मुखिया भरत यादव, संतोष गंझू, विजय गुप्ता समेत बैगा परिवार और बच्चे मौजूद थे।

एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय परिसर के समीप नावाडीह गांव में रविवार को अंतरराष्ट्रीय एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम का संचालन हंटरगंज प्रखंड कार्यालय के पीएलवी कुमार विवेक रंजन और सरयू यादव के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को एड्स के बारे में बताया गया उन्हें एड्स से बचाव का तरीका विस्तृत रूप से बताया गया। एड्स रोग से पीड़ित मरीजों को सरकार के द्वारा मिलने वाले लाभ के बारे में भी बताया गया। एड्स के मरीजों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करने की अपील लोगों से की गयी। साथ ही बताया गया कि एड्स छुआछूत से जुड़ा बीमारी नहीं है। इससे पीड़ित मरीजों के प्रति संवेदना और सहानुभूति रखने की अपील भी की गयी। इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

भाजपा चुनाव को हल्के में नहीं लेती

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत अप्रत्याशित नहीं थी। हालांकि, भाजपा ने 90 प्रतिशत से अधिक सीटों पर जीत हासिल की और उसके सहयोगियों ने भी शानदार जनादेश हासिल किया। भाजपा किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं लेती है। पंचायतों से लेकर संसद तक, यह हर चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगाती है। इसमें अपनी गलतियों से सीखने और जल्दी से जल्दी सुधार करने की जबरदस्त क्षमता है। अंत में, यह कुछ जीत सकती है और कुछ हार सकती है, लेकिन जब अगला चुनाव आता है, तो पार्टी पूरी ताकत से तैयार रहती है। भारत में किसी अन्य पार्टी ने चुनावों के दौरान ऐसा जादू नहीं दिखाया है। कहा जाता है कि सफलता के कई पिता होते हैं, असफलता अनाथ होती है। महाराष्ट्र इसका अपवाद नहीं है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व हमेशा यह समझता है कि चुनाव में जीत या हार किसी एक कारक के कारण नहीं हो सकती। कुछ निश्चित ताकतें होती हैं, लेकिन हर चुनाव में कुछ चर होते हैं। 7 दशकों से ज्यादा समय तक चली अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा में, पहले भारतीय जनसंघ (बीजेएस) के रूप में और बाद में भारतीय जनता पार्टी के रूप में पार्टी ने अपनी चुनावी मशीन को मजबूत किया है। जहां तक स्थिरांकों का सवाल है, यह नेता, कैडर और परिवार की तिकड़ी पर निर्भर करता है। अतीत में अटल बिहारी वाजपेयी एवं लाल कृष्ण अडवानी और अब नरेंद्र मोदी ने पार्टी को ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। पीएम मोदी ऐसा नेतृत्व प्रदान करते हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में दुर्लभ है। वे सत्ता विरोधी लहर के बारे में पारंपरिक राजनीतिक ज्ञान को चुनौती देते हैं। यही कारण है कि पार्टी बिना किसी खेद के अपनी चुनावी जीत का श्रेय उस बढ़ती हुई व्यापक अपील को देती है, जो प्रधानमंत्री को सत्ता में 10 साल से ज्यादा समय के बाद भी हासिल है। प्रधानमंत्री पद के साथ-साथ भाजपा के लिए 2 अन्य महत्वपूर्ण स्थिरांक हैं- इसकी सुव्यवस्थित संगठनात्मक मशीनरी और संघ परिवार से मिलने वाला अनौपचारिक महत्वपूर्ण समर्थन। महाराष्ट्र और अन्य जगहों पर भी, उनका योगदान बहुत बड़ा था। इन स्थिरांकों से परे ऐसे चर हैं, जिन पर पार्टी ने दशकों के अनुभव से महारत हासिल की है। एक विचारधारा से प्रेरित पार्टी के रूप में शुरू हुई भारतीय जनसंघ ने 1967 में अपना पहला लिटमस टैस्ट तब देखा जब उसे समाजवादियों और कम्युनिस्टों जैसे वैचारिक कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के साथ हाथ मिलाकर 7 राज्यों में संयुक्त विधायक दल (एसवीडी) की सरकार बनाने या अपने वैचारिक शुद्धतावाद को जारी रखने और बाहर बैठने की दुविधा का सामना करना पड़ा। दीनदयाल उपाध्याय से लेकर नरेंद्र मोदी तक और एसवीडी से लेकर महायुति तक यही लचीलापन और व्यावहारिकता है, जिसने पार्टी को आगे बढ़ाया और जीता, न कि इवीएम में हेरफेर जैसा कि कुछ लोग शिकायत करना चाहते हैं।

कहा जाता है कि सफलता के कई पिता होते हैं, असफलता अनाथ होती है। महाराष्ट्र इसका अपवाद नहीं है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व हमेशा यह समझता है कि चुनाव में जीत या हार किसी एक कारक के कारण नहीं हो सकती।

अभिमत
आजाद सिपाही

विश्व के इस भू-भाग में भारत ही एकमात्र लोकतांत्रिक और पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है, जो दुनिया में अपना खोया मान-सम्मान पुनः अर्जित कर रहा है और इसी कड़ी में स्वतंत्रता के बाद भारत आज सबसे अच्छे दौर में भी है। भारत के पड़ोस में चीन अधिनायकवादी है, तो पाकिस्तान, बंगलादेश और अफगानिस्तान विशुद्ध इस्लामी। इन चारों देशों में उनके वैचारिक अधिष्ठान के कारण लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता और मानवाधिकारों का कोई स्थान नहीं है।

आखिर 'पंथनिरपेक्ष' क्यों है भारत

बलबीर पुंज

ईसाइयत के प्रचार हेतु भारत पहुंचे जेवियर ने उस समय गोवा इक्विजीशन के माध्यम से गैर-ईसाइयों के साथ उन मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ उत्पीड़नयुक्त मजहबी अभियान चलाया, जो देशज परंपराओं के साथ अपनी मूल पूजा-पद्धति का ही अनुसरण कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस भूखंड के करोड़ों लोगों के लिए आज भी उपरोक्त हमलावर प्रेरणास्रोत हैं, तो देश के कई हिस्सों में उनका अधूरा एजेंडा (मतांतरण सहित) बदस्तूर जारी है।

गत 26 नवंबर को देश में 75वां संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पुरानी संसद के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संयुक्त सभा को संबोधित किया। इस दौरान सिक्का-डाक टिकट के साथ संस्कृत और मैथिली भाषा में संविधान की प्रतियां भी जारी की गयीं। विश्व के इस भू-भाग में भारत ही एकमात्र लोकतांत्रिक और पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है, जो दुनिया में अपना खोया मान-सम्मान पुनः अर्जित कर रहा है और इसी कड़ी में स्वतंत्रता के बाद भारत आज सबसे अच्छे दौर में भी है। भारत के पड़ोस में चीन अधिनायकवादी है, तो पाकिस्तान, बंगलादेश और अफगानिस्तान विशुद्ध इस्लामी। इन चारों देशों में उनके वैचारिक अधिष्ठान के कारण लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता और मानवाधिकारों का कोई स्थान नहीं है। यह ठीक है कि नेपाल और श्रीलंका लोकतांत्रिक हैं, परंतु बीते कुछ वर्षों से वहां बाहरी प्रभाव (चीन-वामपंथ सहित) के कारण इसका ह्रास हो रहा है।

क्या भारत सिर्फ इसलिए पंथनिरपेक्ष है, क्योंकि हमारा संविधान ऐसा है? जब भारत का 14 अगस्त 1947 को विभाजन हुआ, जिसे खंडित भारत ह्यविभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में याद करता है, तब देश का एक तिहाई हिस्सा, इस आधार पर तकसीम कर दिया गया था कि मुसलमानों को अपनी पहचान और मजहब की कथित सुरक्षा हेतु अलग पाक जमीन चाहिए। इस्लामी कब्जे वाले यह क्षेत्र पाकिस्तान और बांग्लादेश हैं। तब होना तो यह चाहिए था कि खंडित भारत भी स्वयं को हिंदू-राज्य घोषित करता, परंतु ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि हिंदू दर्शन या हिंदुत्व में पूजा-पद्धति और मजहब व्यक्तिगत विषय है, जिसका राज्य में कोई दखल नहीं होता।

स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माताओं ने 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन बाद गहन-मंथन के पश्चात भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार किया।

भारतीय इतिहास साक्षी है कि यहां जितने भी हिंदू राजा हुए, उन्होंने अपनी निजी आस्था और संबंधित परंपरा को न ही अपनी प्रजा पर थोपा और न ही उसके अनुपालन के लिए उन्हें बाध्य और प्रताड़ित किया। सम्राट अशोक ही एकमात्र ऐसे अपवाद थे, जिन्होंने बौद्ध मतांतरण के पश्चात राज्य संसाधनों का उपयोग अपने नव-मत के प्रचार-प्रसार हेतु किया था।

भारत को बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता की प्रेरणा किससे मिलती है? स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माताओं ने 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन बाद गहन-मंथन के पश्चात भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार किया। तब इसके तत्कालीन स्वरूप को हिंदी-अंग्रेजी में प्रसिद्ध सुलेखक प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने कलमबद्ध किया था, तो प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस ने इसकी दोनों मूल प्रतियों को अद्भुत चित्रों के साथ भारतीय इतिहास और परंपरा से जोड़ने का काम किया। इनमें नटराज (शिव जी), श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान गौतमबुद्ध, भगवान महावीर, मोहनजोदड़ो, मौर्य, गुप्त आदि कालों के साथ नालंदा विश्वविद्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोबिंद सिंहजी, गांधीजी, नेताजी बोस इत्यादि के सुंदर चित्र हैं। यह सभी सिर्फ सजावट हेतु कोई कलाकृति नहीं, बल्कि भारत की वैदिककाल से गणतंत्र बनने की विकास यात्रा का संस्मरण है। यही कारण है कि अनेकों षड्यंत्रों, मजहबी हमलों और सामाजिक घालमेल के बाद भी भारत का बहुलतावादी चरित्र अक्षुण्ण है।

भारत अनादिकाल से पंथनिरपेक्ष इसलिए भी है, क्योंकि यहां के बहुसंख्यक हजारों वर्षों से हिंदू हैं, जिनके सनातन दर्शन का आधार बहुलतावाद, सह-अस्तित्व और समग्रता है। क्या यह सच नहीं कि जब 1980-90 के दौर में इस्लाम बहुल कश्मीर से हिंदुओं को उनकी पूजा-पद्धति के कारण स्थानीय मुस्लिमों द्वारा मारा, उनकी महिलाओं से बलात्कार और मंदिरों को तोड़ा जा रहा था, जिसके कारण उन्हें पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा, तब संपूर्ण देश में संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और लोकतंत्र का राज था? इसके उलट, जब सदियों पहले दुनिया के कोनों से मजहबी अत्याचारों के कारण सीरियाई ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों ने अपना उद्गमस्थल छोड़ कर हिंदू प्रधान भारत में शरण ली, तब न केवल स्थानीय हिंदू-बौद्ध राजाओं और संबंधित प्रजा ने उनका स्वागत किया, बल्कि उन शरणार्थियों को अपनी पूजा-पद्धति, जीवनशैली और परंपरा को अपनाने की स्वतंत्रता भी दी।

सन 629 में तत्कालीन केरल के राजा चेरामन पेरुमल ने कोडंगलूर में चेरामन जुमा मस्जिद का निर्माण पैगंबर साहब के जीवनकाल में कराया था, जो कि अरब के बाहर बनने वाली विश्व की पहली मस्जिद थी। यह समरस, सहिष्णु, शांतिपूर्ण और बहुलतावादी परंपरा तब भंग हुई, जब 8वीं शताब्दी में अरब से इस्लाम के खालिस स्वरूप का, तो यूरोप से 16वीं शताब्दी में ईसाइयत का अपने स्वाभाविक मजमून के साथ दूसरी बार भारत में आगमन हुआ, जिसके अनुसार उनके मजहब द्वारा घोषित ईश्वरीय व्यवस्था ही एकमात्र सत्य और अन्य सभी झूठ है।

वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर अगले एक हजार वर्षों में गजनी, गौरी, खिलजी, तुगलक, बाबर, अकबर, जहांगीर, औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि आक्रांताओं ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत-विक्षत किया।

बात यदि ईसाइयत की करें, तो वर्ष 1541 में दक्षिण-भारत के गोवा में फ्रांसिस जेवियर ने जेसुइट मिशनरी के रूप में कदम रखा था। ईसाइयत के प्रचार हेतु भारत पहुंचे जेवियर ने उस समय गोवा इक्विजीशन के माध्यम से गैर-ईसाइयों के साथ उन मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ उत्पीड़नयुक्त मजहबी अभियान चलाया, जो देशज परंपराओं के साथ अपनी मूल पूजा-पद्धति का ही अनुसरण कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस भूखंड के करोड़ों लोगों के लिए आज भी उपरोक्त हमलावर प्रेरणास्रोत हैं, तो देश के कई हिस्सों में उनका अधूरा एजेंडा (मतांतरण सहित) बदस्तूर जारी है। इस त्रासदी को और अधिक बल तब मिला, जब वर्ष 1976 में आपातकाल (1975-77) के समय तत्कालीन इंदिरा सरकार ने अलोकतांत्रिक रूप से मूल संविधान की प्रस्तावना में भारत के विवरण को संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य से बदल कर संप्रभु, समाजवादी सैकुलर लोकतांत्रिक गणराज्य कर दिया था। विश्व के इस भूक्षेत्र में जहां-जहां इसके मूल सनातन-चरित्र का पतन हुआ, वहां-वहां लोकतंत्र, बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता ने दम तोड़ दिया।

देश-विदेश की खबरें

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मेघालय के री भोई जिले में सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

- केंद्रीय मंत्री ने री भोई जिले के प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे विभिन्न मापदंडों में अन्य आकांक्षी जिलों से काफी बेहतर बताया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मेघालय के री भोई जिले का दौरा किया और विभिन्न महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की और प्रमुख केन्द्र प्रायोजित सरकारी योजनाओं के तहत क्षेत्र की प्रगति का आकलन किया। अपनी यात्रा के दौरान, मंत्री ने जिले के कुछ गांवों का दौरा किया और ट्रांजिट होम में रह रहे परिवारों से भी मिलीं। उन्होंने बायरहाट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती माताओं के साथ बातचीत की। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने सैडेन गांव में आंगनवाड़ी केंद्र का भी दौरा किया, जहां उन्होंने केंद्र से जुड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं और प्रीस्कूल सेवाओं और पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) गतिविधियों में नामांकित बच्चों के साथ बातचीत की। मंत्री ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए डीसी सम्मेलन कक्ष में सभी विभागों और जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की और योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन हेतु आवाश्यक निर्देश दिये। बैठक में नीति आयोग और पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) सहित अन्य योजनाओं और पहलों के साथ-साथ वार्षिक कार्य निष्पादन लक्ष्यों की चुनौतियों, उपलब्धियों

और प्रगति पर चर्चा की गयी।

मंत्री ने प्रारंभिक बचपन विकास मिशन और मुख्यमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना (सीएम-एसएमएस) सहित राज्य सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। मंत्री ने कहा कि सरकार की यह पहल सबसे अच्छे व्यवहारों में से एक है और हम देखेंगे कि मां और बच्चे के स्वास्थ्य में और सुधार लाने के लिए इसे देश के अन्य आकांक्षी जिलों में कैसे लागू किया जा सकता है।

अन्नपूर्णा देवी ने जिले की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि, री भोई के आकांक्षी जिला संकेतक बहुत उत्साहजनक हैं। आज, यह जिला महिलाओं और बच्चों के लिए कई संकेतकों में शीर्ष स्थान पर है। उन्होंने कुछ संकेतकों में अंतर को दूर करने और बैठक में उठाई गई चुनौतियों से निपटने के लिए अपना समर्थन देने का भी आश्वासन दिया। मंत्री ने राज्य के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और केन्द्र के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और कहा कि आपके प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए इन्हें जल्द पूरा करने का प्रयास करूंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र पर केंद्र सरकार के ध्यान को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा, आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया है और महिला एवं बाल विकास सहित सभी विभागों में सामूहिक प्रयास किए गए हैं। आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) की सफलता का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि एडीपी के तहत पहले उपेक्षित जिलों सहित दूरदराज के इलाकों में किए गए ठोस प्रयासों के कारण प्रमुख संकेतकों में विकास को बढ़ावा देने में बड़ी सफलता मिली है। समीक्षा बैठक के दौरान राज्य सरकार और केंद्र सरकार के अधिकारी उपस्थित थे। संपत कुमार, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मेघालय सरकार, मेघालय सरकार के सामाजिक कल्याण विभाग के आयुक्त एवं सचिव प्रवीण बख्शी, उप आयुक्त री भोई अभिलाष बरनवाल, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री की पीएस डॉ अंकिता चक्रवर्ती एवं महिला एवं बाल विकास उपस्थित थीं।

'जयपुर अलंकरण' से रतनू सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

जयपुर (आजाद सिपाही)। 297वें जयपुर स्थापना दिवस के उपलक्ष में जयपुर फाउंडेशन की ओर से इतिहास के क्षेत्र में सराहनीय सेवाओं के लिए कोलकाता में कार्यरत राजस्थान सूचना व जनसंपर्क के अतिरिक्त निदेशक और आधुनिक मॉरीशस के जनक स्वामी कृष्णानंद सरस्वती के पौत्र बीकानेरी हिंगलाज दान रतनू को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने विशिष्ट 'जयपुर अलंकरण' से आज सम्मानित किया। प्रतिवर्ष राजस्थान और अप्रवासी राजस्थानियों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के स्वीकृतिस्वरुप उक्त सम्मान से विभूषित किया

'जयपुर अलंकरण' पुरस्कार लेते हुए हिंगलाज दान रतनू।

जाता है। उल्लेखनीय है, कोलकाता के 30 लाख मारवाड़ियों को राजस्थान की माटी और संस्कृति से शिद्दत से जोड़े रखने में भगीरथ प्रयास कर रहे हैं हिंगलाज दान रतनू। समारोह में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न विषयों में देश के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की भागीदारी सराहनीय है।

नवंबर में जीएसटी कलेक्शन 1.82 लाख करोड़

- नवंबर 2023 के मुकाबले 8.5% ज्यादा, अप्रैल से अब तक 19.74 लाख करोड़ कलेक्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सरकार ने नवंबर 2024 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, यानी जीएसटी से 1.82 लाख करोड़ रुपये जुटाये हैं। सालाना आधार पर इसमें 8.5% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी नवंबर-2023 में सरकार ने 1.68 लाख करोड़ रुपये जीएसटी कलेक्ट किया था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अब तक 19.74 लाख करोड़ रुपये जीएसटी से आये हैं। वहीं, पिछले महीने अक्टूबर में सरकार ने जीएसटी से 1.87 लाख करोड़ रुपये जुटाये थे, जो पिछले साल अक्टूबर के मुकाबले 9% ज्यादा था। वहीं नवंबर लगातार नौवां महीना है, जब मंथली कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है। साल के पहले छह महीनों में जीएसटी कलेक्शन 10.87 लाख करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही की तुलना में 9.5% ज्यादा था।

अब तक का तीसरा सबसे बड़ा कलेक्शन : ग्रॉस टैक्स कलेक्शन के लिहाज से नवंबर महीने में अब तक का तीसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है। इससे पहले अप्रैल 2024 में सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ रुपये जीएसटी के रूप में वसूले गये थे। वहीं, अप्रैल-2023 और अक्टूबर-2024 में 1.87-1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी सरकार ने वसूला था।

सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 34,141 करोड़ : पीटीआई के मुताबिक नवंबर में डॉमेस्टिक ट्रांजैक्शन के जरिए सरकार को ज्यादा रेवेन्यू हासिल हुआ है और इसका असर जीएसटी कलेक्शन में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिला है। सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन (सीएसजीटी) 34,141 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन (एसजीएसटी) 43,047 करोड़ रुपए, इंटिग्रेटेड आईजीएसटी (आइजीएसटी) 91,828 करोड़ रुपये और उपकर 13,253 करोड़ रुपये रहा है।

जनसंख्या में कमी चिंता का विषय, वृद्धि दर 2.1% से नीचे तो समाज नष्ट हो जायेगा : मोहन भागवत

नागपुर (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में कमी को चिंता का विषय बताया है। भागवत ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर 2.1% से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें। यह संख्या इसलिए जरूरी है, ताकि समाज जिंदा रहे। देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके अनुसार अगर किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज अपने आप नष्ट हो जायेगा। भागवत रविवार को नागपुर में कठाले कुल सम्मेलन में एक सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कुटुंब समाज का हिस्सा है और हर परिवार एक इकाई है। विजयादशमी उत्सव के दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में भारी अंतर के कारण देश की जनसंख्या में जहां भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायियों का अनुपात 88% से घटकर 83.8% रह गया है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 9.8% से बढ़कर 14.24% हो गया है। असंतुलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नीति होनी चाहिए। भागवत ने एक साल बाद फिर कहा- एक व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति की जरूरत है। जो सभी पर बराबरी से लागू होती हो। जनसंख्या असंतुलन पर हमें नजर रखनी होगी। जब सभी पर बराबरी से एक नीति लागू होगी तो किसी को भी रियायतें नहीं मिलेंगी। कुछ साल पहले फर्टिलिटी रेट 2.1 था। दुनिया की आशंकाओं से उलट हमने बेहतर किया और इसे 2 तक लेकर आये, लेकिन और नीचे आना खतरनाक हो सकता है।

पश्चिम बंगाल में डॉक्टर ने क्लिनिक में तिरंगा लगाया, लिखा

बांग्लादेशी मरीज झंडे को सलाम करें, तभी इलाज होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमले के विरोध में पश्चिम बंगाल में कुछ डॉक्टरों ने बांग्लादेशी मरीजों का इलाज करने से इनकार कर दिया है। सिलीगुड़ी में डॉक्टर शेखर बंदोपाध्याय ने अपने प्राइवेट क्लिनिक में तिरंगा लगाया है। डॉक्टर ने झंडे के साथ मैसेज में लिखा- भारत का राष्ट्रीय ध्वज हमारी मां की तरह है। कृपया चैंबर में एंट्री करने से पहले तिरंगे को सलाम करें। खासकर बांग्लादेशी मरीज, अगर वे सलाम नहीं करते हैं, तो उन्हें अंदर आने नहीं दिया जाएगा।

मेरे देश में आकर तिरंगे का सम्मान जरूर करें : डॉक्टर शेखर बंदोपाध्याय उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एठळ विभाग में विशेष चिकित्सा अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा- मुझे यह देखकर दुख हुआ कि बांग्लादेश में हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान हो रहा है। एक डॉक्टर के तौर पर मैं मरीजों को मना नहीं करना चाहता, लेकिन जो लोग मेरे देश में आते हैं, उन्हें हमारे झंडे, हमारी मातृभूमि का सम्मान करना चाहिए। ऐसा लगता है कि बांग्लादेश तालिबानी मानसिकता में चला गया है।

वे किसी बांग्लादेशी मरीज का इलाज नहीं करेंगे : एक अन्य डॉक्टर, जनरल सर्जन और चाइल्ड स्पेशलिस्ट चंद्रनाथ अधिकारी ने घोषणा की है कि वे अपने प्राइवेट क्लिनिक में किसी भी बांग्लादेशी मरीज का इलाज नहीं करेंगे। डॉक्टर ने कहा, मैं बोलपुर के एक सरकारी अस्पताल से जुड़ा हुआ हूं। वहां, मैं किसी भी मरीज को मना नहीं कर सकता, लेकिन मुझे अपने क्लिनिक में ऐसा करने की आजादी है। मैंने फैसला किया है कि मैं बांग्लादेश के मरीजों को नहीं देखूंगा। मेरा देश पहले आता है। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, वह हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

बांग्लादेशियों के इलाज से इनकार किया : पश्चिम बंगाल के कोलकाता और त्रिपुरा के अगरतला के दो अस्पताल बांग्लादेशी मरीजों का इलाज करने से पहले ही इनकार कर चुके हैं। कोलकाता के जेएन रे अस्पताल के सुभ्रांशु भक्त ने कहा- अब बांग्लादेशी मरीजों का इलाज नहीं करेंगे क्योंकि बांग्लादेश में तिरंगे का अपमान हो रहा है।

23वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता 14 जनवरी से होगी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। 23वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर रविवार को आरकेवीएस सोनपुरवा में संघ के संरक्षक अलखनाथ पांडेय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में 23 वी गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता 14 दिसंबर से शुरू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रतियोगिता तीन ग्रुप में आयोजित किया जायेगा। जूनियर वर्ग में वर्ग आठ तक के छात्र भाग ले सकते है। वही सीनियर वर्ग में दसवीं तक के छात्र शामिल हो सकते है। बालिका वर्ग में दसवीं तक की छात्रायें शामिल हो सकती है। प्रतियोगिता में प्रवेश की अंतिम तिथि आठ दिसंबर रखा गया है। प्रवेश शुल्क 3500 रखा गया है। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले टीम अपने पंद्रह सदस्यीय टीम के खिलाड़ियों का दो फोटो, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, यूडायशस कोड की छाया प्रति के साथ प्रतियोगिता के कोषाध्यक्ष कमलेश दुबे, सह सचिव प्रिंस सोनी और ज्ञान निकेतन कान्वेंट स्कूल में जमा कर सकते है। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया जिसमें पर्यवेक्षक कमेटी का प्रमुख नंदकुमार गुप्ता को और सदस्य अशोक कुमार दुबे और मुजीबउद्दीन खान को बनाया गया। विशेष जानकारी के लिए संघ के कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार दुबे के मोबाइल 9304168422 पर संपर्क कर सकते है। प्रतियोगिता के संरक्षक अलखनाथ पांडेय ने कहा कि अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को आगे लाने और खेल का विकास करने के उद्देश्य से वर्ष 2000 में प्रतियोगिता शुरू किया गया । आज यह प्रतियोगिता 23 वे वर्ष में प्रवेश कर गया। यह राज्य का सबसे बड़ा प्रतियोगिता हो गया है। प्रतियोगिता की शुरूआत 14 दिसंबर से होगा। अध्यक्ष मदन केशरी ने कहा कि इस प्रतियोगिता के खिलाड़ी जिला का प्रतिनिधित्व लगातार कर रहे हैं। पलामू प्रमंडल में लड़कियों का क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सिर्फ गढ़वा में ही होता है। बैठक में संघ के उपाध्यक्ष सिस्टर रोशना,सुशील केशरी, चंद्र भूषण सिन्हा, मुजीबुदिन खान, कोषाध्यक्ष कमलेश दुबे, अनिल विश्वकर्मा अशोक विश्वकर्मा शामिल थे।

एसपीडी कॉलेज में नैक पीयर टीम का रीविजिट संपन्न

गढ़वा (आजाद सिपाही)। नीलाम्बर/पीताम्बर विश्वविद्यालय की स्थायी संबद्ध इकाई गढ़वा में स्थित स्थानीय सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज का नैक पीयर टीम के द्वारा दो दिवसीय रीविजिट किया गया। 28 और 29 नवम्बर को दो दिवसीय रीविजिट कार्यक्रम के दौरान नैक पीयर टीम के द्वारा महाविद्यालय की विस्तृत रुप से जांच की गयी। जांच के पश्चात नैक पीयर टीम के द्वारा एग्जिट मीट में प्राचार्य को जांच रिपोर्ट सौंपा गया। उक्त आशय की जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो निकलेश चौबे ने दी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चौबे ने बताया कि नैक पीयर टीम में चेयरपर्सन के रुप में एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के प्रो वाईस चांसलर डा गजेंद्र कुमार असेरी, मेंबर के रुप में संत जेवियर कॉलेज, कोलकाता के प्राचार्य डॉ विंसेंट डोमीनिक सोवियो, मेम्बर कॉडिनेटर के रुप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो डॉ उज्जवल जाना उपस्थित थे। उन्होने बताया कि नैक पीयर टीम का महाविद्यालय परिसर में आगमन 28 नवम्बर को हुआ जबकि 29 नवम्बर को एक्जिट मीट संपन्न हुआ। रीविजट के दौरान नैक पीयर टीम के द्वारा महाविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, रीडिंग रुम, कम्प्युटर लैब, विभिन्न फैक्ल्टी, कार्यालय का लेखा-जोखा, टीचिंग एंड लर्निंग प्रोसेस, स्मार्ट क्लास, एनसीसी, एनएसएस आदि की विस्तृत जांच की गयी। इस दौरान नैक टीम के द्वारा महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राएं और अभिभावकों के साथ भी बैठक कर विस्तृत जानकारी हाशिल की गयी। वहीं नैक पीयर टीम के समक्ष महाविद्यालय के एनएसएस, एनसीसी और छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के विभिन्न सेल की भी जांच की गयी। साथ ही साथ महाविद्यालय के अद्यतन स्थिति की जांच की गयी। जांचोपरान्त पीयर टीम के द्वारा 29 नवम्बर को जांच रिपोर्ट एग्जिट मीट में प्राचार्य को हस्तगत कराया गया साथ ही आवश्यक निर्देश भी दिये गये रमडीह गांव का भी दौरा किया गया। इस दौरान प्रोग्राम ऑफिसर प्रो. कमलेश कुमार सिन्हा और निवर्तमान प्रोग्राम ऑफिसर डॉ उमेश सहाय भी उपस्थित थे। इस मौके पर नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रुप में डॉ विमल कुमार, महाविद्यालय के निवर्तमान प्राचार्य प्रो रवींद्र कुमार द्विवेदी, आईक्यूएसी कॉडिनेटर डॉ एचबी जारुहार भी उपस्थित थे। इस मौके पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के फैक्ल्टीज, विभिन्न सेल के प्रभारी, एनएसएस एवं एनसीसी के प्रभारी और उनके वालंटियर्स एवं कैडेट्स, विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

लड़कियों की शादी समय से पूर्व करने से करना पड़ता है आर्थिक शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना

रंका (आजाद सिपाही)। लड़कियों की शादी समय से पहले करने से जीवन में आर्थिक, शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए अब समय की मांग है कि आप (लड़कियां)सभी अपने माता-पिता को विश्वास में लेकर उन्हें समझाएं कि अभी हमें पढ़ाई करना है, कुछ बनना है, समय से पूर्व हमें शादी नहीं करनी है। उक्त बातें रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह ने रंका कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम के तहत बच्चियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बाल विवाह हो जाने के कारण लड़कियों में एनीमिया अर्थात खून की कमी के साथ साथ स्वास्थ्य से संबंधित अन्य बीमारियों का शिकार होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर माता-पिता समय से पूर्व शादी करना चाहते हैं तो आप इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविका, स्वास्थ्य सहिया के द्वारा मुझ तक पहुंचाने का कार्य करें। कानून इसका निष्पादन करेगा। उन्होंने ट्रैफिकिंग अर्थात मानव व्यापार के प्रति भी उपस्थित छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि आजकल दलालों का समूह विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत है जो गरीब और निरक्षर माता-पिता को लक्ष्य कर उन्हें कुछ पैसे देकर उनकी बेटी को दूसरे शहरों में काम दिलाने के नाम पर ले जाते हैं और वहां उनके साथ आर्थिक, शारीरिक और मानसिक शोषण का कार्य करते हैं। अगर आप सभी को ऐसी सूचना मिले तो उसे कानून के दायरे तक लाने में अपनी सहभागिता निभाएं। उन्होंने छेड़खानी, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधी बातों को विस्तार पूर्वक जागरूकता जानकारी दी। इस कार्यक्रम को वार्डन अनिमा बेक एवं पत्रकार नंद कुमार ने भी संबोधित किया जबकि संचालन स्वयंसेवक समाजसेवी अमरेंद्र कुमार ने किया। इस मौके पर काफी संख्या में छात्राएं उपस्थित थे।

20वीं प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में शांति निवास हाइस्कूल का दबदबा

बच्चों का सर्वांगीण विकास हमारा लक्ष्य : अलखनाथ पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

विजेता प्रतिभागी किये गये सम्मानित।

गढ़वा। जिला पब्लिक स्कूल समवय समिति के तत्वावधान में 20वीं प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को रविवार को आरकेभीएस संस्थान में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का उद्घाटन जिला पब्लिक स्कूल समवय समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय, सचिव मदन प्रसाद केसरी, उपाध्यक्ष सिस्टर रोशना, सुशील केशरी, संजय सोनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अलख नाथ पांडेय ने कहा कि आज के परिवेश में विद्यार्थियों का सवार्गीण विकास जरूरी है। आज का युग कंपटिशन का है। समिति का उद्देश्य छिपी हुई प्रतिभाओं की खोज कर उन प्रतिभाओं को बेहतर भविष्य के लिए उन्हें अवसर प्रदान करना है। इस परीक्षा से जिले के बहुत से प्रतिभागियों ने बेहतर कर आज देश के विभिन्न संस्थानों में अपनी सेवा दे रहे हैं। अभिभावक को अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है बच्चों को पढ़ने के लिए जो भी सामग्री की आवश्यकता है उसे अभिभावक अवश्य उपलब्ध कराये। बच्चों को मोबाइल से दूर रखें। उन्होंने कहा कि परीक्षा में पूरे जिले से लगभग 3000 बच्चे शामिल हुए थे। परीक्षा पूरी तरीके से निष्पक्ष संपन्न कराया गया और आज परीक्षा में सफल होने वाले लोगों को सम्मानित करने का काम किया जा रहा है।

परीक्षा को संपन्न कराने में जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति के लोगों ने काफी मदद की है। सचिव मदन प्रसाद केशरी ने कहा कि प्रतियोगिता को चार ग्रुप में आयोजित किया गया था। ग्रुप ए में वर्ग तीन से चार, ग्रुप बी में वर्ग पांच से छह, ग्रुप सी में वर्ग सात से आठ और ग्रुप डी में वर्ग 9 और 10 के बच्चे शामिल हुए थे। सिस्टर रोशन ने कहा कि आज के कंपटीशन के दौर में इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन गढ़वा जैसे जिले में बहुत ही आवश्यक है। अभिभावक मुकेश कुमार सोनी ने कहा कि इस तरह की प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन जिले में लगातार होना चाहिए। उपाध्यक्ष सुशील केसरी, सह कोषाध्यक्ष संजय सोनी ने भी लोगो को संबोधित किया और जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति द्वारा हर वर्ष किया जा रहे कार्यों से लोगों को अवगत कराय। ग्रुप ए में शांति निवास हाई स्कूल के दिव्यशक्ति पांडेय, अंशिका दुबे और परिधि झा ने प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप बी में शांति निवास हाई स्कूल की दिव्या कुमारी और सुप्रिया रानी ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा की सोनाक्षी तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । ग्रुप सी में शांति निवास हाई स्कूल की सृष्टि पाठक चाहत कुमारी ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया वहीं तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से आर के पब्लिक स्कूल गढ़वा की भव्य प्रकाश और शांति निवास हाई स्कूल की रुनझुन कुमारी को पुरस्कृत किया गया। ग्रुप डी में शांति निवास के शिवम कुमार को प्रथम प्रिंस कुमार को द्वितीय धीरज कुमार, आदित्य कुमार पांडे और आर पब्लिक स्कूल गढ़वा की साक्षी कुमारी को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रखंड स्तर पर टॉप छात्रों में मझिआव प्रखड से आरके पब्लिक स्कूल के अहनान जफर, चिनिया प्रखंड के हाई स्कूल के राधिका कुमारी, रंका प्रखंड के आदर्श बाल विकास विद्यालय के समर्थ सोनी, मेराल प्रखंड के एस मेमोरियल स्कूल के शाहीद राजा अंसारी, बिशनपुरा प्रखंड के बाल शिक्षा निकेतन के आयुष कुमार चंद्रवंशी, नगर ऊंटरी आर के पब्लिक स्कूल के पार्थ कुमार और डडई प्रखंड के आइडियल पब्लिक स्कूल के फैजान अफसर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया सभी विजेता प्रतिभागियों को समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समवय समिति के मोजीबुद्दीन खान, जिला शिक्षा निकेतन के निदेशक अनिल विश्वकर्मा बिशनपुर से बाल विकास विद्यालय के निदेशक भोला नाथ साहू, बाल शिक्षा निकेतन के रामेश्वर राम, यासीन अंसारी शाहिद काफी संख्या में अभिभावक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन कमलेश कुमार दुबे और धन्यवाद ज्ञापन अशोक कुमार विश्वकर्मा ने किया

आरपी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट ने मनाया एड्स जागरूकता दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर के टंडवा स्थित राधा पार्वती हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में रविवार को आरपी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में एड्स जागरूकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक डॉक्टर पातंजली केशरी ने किया। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्त्री और प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निधि सिंह ने कहा कि विश्व एड्स दिवस हमें याद दिलाता है कि एचआइवी का पूरी तरह उंमूलन किया जाना अभी बाकी है। इसके लिए जन जागरूकता बढ़ाने, मरीज के मन से हीन भावना को समाप्त करने, धन जुटाने सहित इससे समर्थित अन्य कार्यक्रम को संचालित किया जाना आवश्यक है। रक्त, वीर्य, मां के स्तन के दूध सहित विभिन्न माध्यमों से यह बीमारी फैलती है। इसकी रोकथाम के लिए मां से बच्चों में एचआइवी का संचरण रोकने, दूषित सुई के उपयोग से बचने सहित अन्य सुरक्षात्मक तकनीक को अपनाना होगा। राधा पार्वती एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के निदेशक डॉक्टर पातंजली केशरी ने कहा कि एक दिसंबर को हर साल विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य एचआइवी संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक करना है । एड्स ग्रसित मरीज का इम्युन सिस्टम कमजोर हो जाता है। बचाव ही इसका इलाज है। उन्होंने कहा कि मरीज की बेहतर देखभाल, प्रोत्साहन और सही जानकारी के लिए विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर मनोज दास ने कहा कि एचआइवी इम्युन सिस्टम पर हमला करता है। मरीज को इतना कमजोर कर देता है कि शरीर दूसरा कोई संक्रमण अथवा बीमारी झेलने के लिए सक्षम नहीं रह पाता है। समय पर ईलाज नहीं होने के कारण बीमारी एड्स का रूप धारण कर लेता है। विश्व एड्स दिवस की शुरूआत एक दिसंबर 1988 में हुई थी। उन्होंने कहा कि यौन संबंध बनाते समय सुरक्षा के खास ख्याल रखें। एचआइवी का समय-समय पर परीक्षण करते रहें। किसी प्रकार के संदेह होने पर बिना देर किये निभिंक होकर डॉक्टर के पास जाये। ओबीसी जिला अध्यक्ष रवींद्र जायसवाल ने कहा कि हमारा देश एड्स उन्मूलन की दिशा में लगातार प्रयासरत है । पूर्ण रूप से एड्स मुक्त करने के लिए सक्रिय रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के प्रयास से एचआइवी के मरीजों की संख्या में कमी आई है। मौके पर डॉक्टर सत्येंद्र सोनी, डॉक्टर आदित्य प्रकाश, अब्दुल मन्नान, डॉक्टर इश्तियाक राजा, दामोदर राम, संतोष दास, नौशाद आलम, टिंकू गुप्ता, अंजली कुमारी, प्रमोद कुमार, माया कुमारी, विद्यानंद पाल, राहुल कुमार, राजवंती कुमारी, बबीता कुमारी, प्रीतिला तिर्की सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मुखिया इजहार अंसारी को हाइकोर्ट से मिली जमानत

रंका (आजाद सिपाही)। रंका थाना क्षेत्र के दूधवल पंचायत के मुखिया इजहार अंसारी को हाईकोर्ट से जमानत मिल गयी है। जिससे पंचायत वासियों में खुशी की लहर दौड़ गयी है। बताते चलें कि मुखिया इजहार अंसारी पर एक महिला ने यौन शोषण करने के आरोप लगाते हुए न्यायालय में न्याय की गुहार लगायी थी। न्यायालय के बढ़ते दबिश को देखते हुए इजहार अंसारी ने कोर्ट का सम्मान करते हुए न्यायालय में सरेंडर किया था।

दो साल से फरार सुबोध मिंज के घर इश्तिहार चिपकाया गया

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया थाना क्षेत्र के जामौती गांव के 376 के फरार अभियुक्त सुबोध मिंज पिता मुकुल मिंज के घर चिपकाया इश्तिहार गया। थाना प्रभारी आशीष कुमार जायसवाल ने बताया कि गढ़वा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे के निर्देश पर दो साल के फरार अभियुक्त सुबोध मिंज के घर इश्तिहार चिपकते भंडरिया थाना प्रभारी आशीष कुमार जायसवाल और पुलिस के जवान उपस्थित थे

भानु के भांजे प्रशांत सिंह सहित उनके चार साथियों की पांचवीं श्रद्धांजली सभा का किया गया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही के आवास में दिवंगत प्रशांत सिंह सहित उनके चार साथियों की पांचवीं श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश के नगवा ब्लॉक प्रमुख सह भाजपा नेता स्व प्रशांत सिंह, सोनभद्र जिले के शक्ति नगर निवासी चैतन्य गिरी, बिहार के रोहतास जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र के भीसड़ा गांव निवासी उमा सिंह और हरिहरपुर निवासी प्रशांत कुमार उर्फ टिंकू सिंह का पांचवी पुण्यतिथि मनायी गयी। मौके पर सभी पांचों दिवंगत आत्माओं के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण राम ने कहा कि स्व प्रशांत सिंह एक कुशल संगठनकर्ता, मृदुभाषी और हंसमुख स्वभाव के व्यक्ति थे, उनकी कमी हमसभी को हमेशा महसूस होता रहेगा। आज वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वे एक एक कार्यकर्ता के दिलो में बसते हैं, परंतु दुःख कितना भी बड़ा क्यों ना हो धैर्य और संतुलन रखिये समय आपको हारने नहीं देगा। वही सोना किशोर यादव ने कहा कि प्रशांत सिंह अपने सरल मृदुभाषी व्यवहार के कारण आज भी कार्यकताओं के दिल दिमाग में बसे हुये हैं। इंद्रदेव बैठा ने कहा की प्रशांत सिंह और उनके चार साथियों की यादें हमेशा हम सबों के लिये प्रेरणा का काम करते रहेगा। इनके सपनों को हकीकत में बदलने का प्रयास जारी रहेगा। मृतुंजय तिवारी ने कहा कि मृत्यु सत्य है, और शरीर नश्वर हैं।

यह जानते हुए भी अपनों के जाने का दुःख होता हैं, हमें ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए कि दिवंगत आत्माओ को शांति प्रदान करें। वहीं स्व प्रशांत सिंह जी के छोटे अनुज प्रवीण सिंह ने भारी मन से सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दिये और उनके सपनों को पुरा करने का संकल्प लेते हुए भाजपा नेताओं के पुण्यतिथि पर विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ो गरीब असहाय महिला पुरुषों के बीच कम्बल का वितरण किया। इस मौके पर मनोज पहाड़िया, राजीव रंजन तिवारी, अनिल चौबे, गोरख मेहता, कुमार कनिष्क, विजयालक्ष्मी देवी, इंद्रदेव बैठा, मनोज सिंह, कृपाल सिंह, मृतुन्जय तिवारी, बिभूति चौबे, राजेश बैठा, संध्याकर विश्वकर्मा, राजा सिंह, श्रवण चंद्रवंशी, घनश्याम शुक्ला, जीतेंद्र यादव, मनोज पहाड़िया, संजय यादव, लक्ष्मण राम, मोहन पासवान, बलजीत सोनी, जोखू सिंह, शंकर चंद्रवंशी, कृष्णा विश्वकर्मा, जीतेन्द्र दीक्षित, कुमार कनिष्क, आनंद कुमार, संजय कस्यकार , दिलीप यादव, कंहाई गुप्ता, संतोष सिंह ,भानु गुप्ता, विपिन चौबे सहित हजारों लोग उपस्थित थें।

राजगृह में राजीव भारद्वाज को अंतराष्ट्रीय मगध गौरव सम्मान से किया गया सम्मानित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। साहित्य के विधा व्यंग लेखन के लिए पौराणिक मगध की राजधानी राजगृह में राजीव भारद्वाज को अंतराष्ट्रीय मगध गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। राजीव भारद्वाज समसामयिक विषयों पर व्यंग लेखन के लिए हर आयु वर्ग के लोगों में पहचान रखते हैं। अपने शब्दों से चुटिले कटाक्ष कर वो समाज में अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजय कुमार, अहमदाबाद गुजरात में कार्यरत भारतीय प्रशासनिक सेवा के डॉक्टर डी के रेवाला, धराधाम अंतराष्ट्रीय सेवा संस्थान के डॉक्टर सौरभ पांडेय, गोरखपुर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य नंद लाल मणि त्रिपाठी, मानवता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अभिषेक कुमार, एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के कार्यपालक पदाधिकारी नारायण यादव के द्वारा संयुक्त रूप से राजीव को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने के बाद राजीव ने बताया कि गढ़वा की मिट्टी के कण कण में साहित्य बसा हुआ है, बस आत्मबोध होने की जरूरत भर है। अपने व्यंग से हमने कई प्रकार की कुरीतियों पर प्रहार किया है, फलस्वरूप परिणाम भी सार्थक आया है। राजीव ने इस सम्मान को गढ़वा के समस्त नागरिक के साथ साथ मित्रों और परिवार के सदस्यों को समर्पित किया है, उनका कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति ने उन्हें प्रोत्साहित किया है।

मिलाप मेडिकल सेंटर की द्वितीय वर्षगांठ पर रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। स्थानीय मिलाप मेडिकल सेंटर में एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन के साथ-साथ अस्पताल के द्वितीय वर्षगांठ भी मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप समाजसेवी सह चिकित्सक डॉ यासीन अंसारी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और केक काट कर की गयी। इस दौरान मंच पर पूर्व सिविल सर्जन डॉ एनके रजक, डॉ रागिनी अग्रवाल, डॉ शमशेर सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी नंद कुमार गुप्ता, नसीम अख्तर, प्रो परवेज आलम, डॉ माहेरू, डॉ महजबीं, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ अरशद अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। मौके पर मुख्य अतिथि डॉ यासीन अंसारी और अन्य अतिथियों ने रक्तदान के महत्व और मिलाप मेडिकल सेंटर के सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल जरूरतमंदों को मदद मिलती है, बल्कि समाज में जागरूकता भी फैलती है। सभी अतिथियों ने मिलाप मेडिकल सेंटर के संचालक डॉ असजद अंसारी और डॉ महजबीं यमानी को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी। शिविर में बड़ी कई लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में वसीम खान, चंदन यादव, राधा देवी, डॉ नायला खान, नदीम खान, शहजाद अंसारी, रामजी राम, धीरज पाठक, विनय कुमार कुशवाहा, पर्सू महतो, राहुल कुमार, कौशल कुमार, कुंदन कुमार, सूर्य कुमार और अंजू कुमारी आदि के नाम शामिल है। सभी रक्तदाताओं को कार्यक्रम के अंत में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर संचालक डॉ असजद अंसारी ने अतिथियों और रक्तदाताओं का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी जारी रहेंगे। उन्होंने रक्तदान को एक महान सेवा बताते हुए सभी को इसे नियमित रूप से करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ पी कसमूर, डॉ राहुल कुमार, डॉ नायला खान, अरुण पांडेय, अंकित दुबे, नदीम खान, ब्लड बैंक के रोशन कुमार, प्रदीप कुमार, दया ठाकुर, नयन कुमार आदि का विशेष योगदान रहा।

कवि सह उपन्यासकार सुरेंद्र चंद्रवंशी 'सचेत' की नयी पुस्तक कचनार के फूल-काव्य-गजल संग्रह का लोकार्पण

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। स्थानीय कवि और उपन्यासकार सुरेंद्र चंद्रवंशी 'सचेत ' की नयी पुस्तक कचनार के फूल-काव्य-गजल संग्रह का लोकार्पण लौह नगरी टाटा के प्रसिद्ध तुलसी भवन में अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती झारखंड प्रदेश द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन सामारोह में किया गया। इस अवसर पर सांझा संकलन पुस्तक 'आये अवध श्रीराम-स्मारिका' का भी लोकार्पण मुख्य अतिथि लोकप्रिय साहित्यकार डॉ संजय पंकज, राम निवास शुक्ल प्रभारी मंत्री, सम्मानित अतिथि संजय मिश्रा प्रमुख संपादक प्रभात खबर, डॉ प्रसेनजीत तिवारी, विधायक सरयू राय के करकमलों द्वारा किया गया। इससे पहले भी चंद्रवंशी की दो कविता की पुस्तक-'धूप छांव काव्य प्रवाह', 'यादों का पिटारा काव्य रसधारा' और एक उपन्यास-पश्चाताप का प्रकाशन बीएफसी पब्लिकेशन लखनऊ के द्वारा प्रकाशित हो चुका है। इस अवसर मुख्य अतिथि लोकप्रिय साहित्यकार डॉ संजय पंकज ने कहा कि सुरेंद्र चंद्रवंशी सचेत द्वारा अपनी पुस्तक का नाम कचनार के फूल रखना बहुत ही सुंदर प्रयास है। जो सीधे जनमानस के दिल को छुता है। प्रभात खबर के प्रमुख संपादक संजय मिश्रा ने कहा कि इस पुस्तक में जो कविता और गजल का संकलन किया गया है। वह पाठक वर्ग के अंर्तमन को छुने वाला है। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिन्दी साहित्य भारती झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष डॉ अरूण सज्जन, उपाध्यक्षा डॉ संगीता नाथ, डॉ आशा गुप्ता, डॉ मिनाक्षी कर्ण, रेखा कुमारी, अशोक सिंह सहित बड़ी संख्या में कवि और साहित्यकार उपस्थित थें।

सीओ ने थाना प्रभारी के साथ मुसहर परिवार के बीच कंबल और राशन का किया वितरण

मेराल (आजाद सिपाही)। सीओ यशवंत नायक ने रविवार को थाना प्रभारी विष्णुकांत के साथ रविवार को प्रखंड मुख्यालय के बंका रोड रेलवे लाइन किनारे झोपड़ी लगाकर रह रहे मुसहर परिवार के बीच कंबल तथा राशन का वितरण किया। ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अंचलाधिकारी ने असहाय और जरूरतमंदों के बीच कंबल और 10-10 किलोग्राम चावल, आलू तथा अन्य सामग्री का वितरण कर मानवता का परिचय दिया है। उस मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार, स्थानीय मुखिया पति मुन्ना राम, मुखिया रामसागर महतो तथा अन्य कई लोग थे।

रफ्तार का कहर जारी : 5 सड़क हादसा, एक की मौत, 6 घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रफ्तार के कारण 24 घंटे के अंदर 5 सड़क हादसे हुए, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। शनिवार की सुबह बालूमाथ-पांकी मार्ग पर बालूमाथ थाना क्षेत्र के इचाक गांव के समीप हाइवा वाहन की चपेट में आने से दो होमगार्ड जवान घायल हो गये। घायल जवानों की पहचान हेरहंज थाना क्षेत्र के ढोठी गांव निवासी विष्णु उरांव के पुत्र सत्यदेव उरांव एवं करनदाग गांव निवासी मनराज यादव के पुत्र अमरेश यादव के रूप में की गयी है। स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सक ध्रुव कुमार ने दोनों घायल होमगार्ड जवानों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। इस घटना में घायल सत्यदेव उरांव की हालत चिंताजनक बतायी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त दोनों घायल होमगार्ड जवान सुबह में बालूमाथ स्थित सीसीएल द्वारा संचालित तेतरियाखाड़ कोलियरी में ड्यूटी करने जा रहे थे, इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक भारी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। मालूम हो कि शुक्रवार को भी इसी मार्ग पर हुंबू गांव के पास भारी वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये थे। जबकि उसी शुक्रवार को बालूमाथ थाना क्षेत्र स्थित सीसीएल की मगध कोलियरी में दो भारी वाहन वाहनों की टक्कर में एक चालक की मौत हो गयी थी। वहीं शुक्रवार को ही शाम में चंदवा रोड में डीएवी मोड़ के पास घटी। जहां बाइक सवार दो युवकों को भारी वाहन ने टक्कर मार दी और दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गये। शनिवार शाम बालूमाथ मुरपा मोड़ मे ज्योति फोटो कापी के समिप मुख्य मार्ग मे एक स्कुटी ने एक राहगीर को धक्का मार घायल कर दिया,जिसे बालूमाथ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचाया।

हृदय गति रुकने से समाजसेवी का निधन

बालूमाथ(आजाद सिपाही)। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित के आदर्श नगर निवासी सह झाबर ग्राम निवासी श्याम बिहारी साहू के बड़े पुत्र संजय प्रसाद साहु का शनिवार रात्रि के 12:30 बजे हृदय गति रुकने से बालूमाथ अस्पताल में निधन हो गया । स्व संजय प्रसाद साहु के निधन पर बालूमाथ के ललन सिंह , संतोष यादव, मुकेश कुमार,विजय कुमार दुबे, विनोद बिहारी गुप्ता, निर्मल कुमार सिन्हा, गजेन्द्र चौबे, पत्रकार संतोष सिन्हा,आनन्द साहु, जगरनाथ,साहु,राजु पासवान, रामदर्शन तिवारी ,प्रदीप गंझू, सुरेश प्रसाद साहु ,संतु प्रसाद गुप्ता, महेंद्र गुप्ता,आशिष ओझा, रामदेव उर्फ काठो साहु ,झबर ग्राम बासुदेव उरांव, उमेश साहु, रघुनंदन सोनी, मुखिया शीलो देवी, देवपाल प्रसाद, सतीश तिवारी, संतोष सोनी, ऐश्वर्या उरांव सहित तमाम लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त किया हैं। उनका अंतिम संस्कार आज रविवार की सुबह 12:00 बजे झाबर ग्राम स्थित मुक्तिधाम में किया गया ' ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

हाइटेंशन लाइन के तार की चपेट में आने से ट्रैक्टर चालक झुलसा, स्थिति गंभीर

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सेन्हा प्रखंड क्षेत्र हसवे नावाटोली मे रविवार को ट्रैक्टर में धान लेकर जा रहे ट्रैक्टर 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में आने से ट्रैक्टर चालक बुरी तरह से झुलस गया। ट्रैक्टर चालक की पहचान हेसवे नावाटोली गांव बिरिया उरांव के 35 वर्ष से पुत्र वासुदेव उरांव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वासुदेव उरांव ट्रैक्टर में धान लेकर जा रहा था तभी रास्ते में झूलती 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन के तार से ट्रैक्टर ट्रॉली टच हो गई और पूरे ट्रैक्टर में करंट फैल गया। हादसे में वासुदेव बुरी तरह से झुलस गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए, इसके पश्चात ग्रामीणों ने परिजनों को पूरे मामले की जानकारी दी मौके पर पहुंचे परिजनों ने आनन-फानन में इलाज हेतु लोहरदगा सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉ ने झुलसे वासुदेव का इलाज किया। सदर अस्पताल डॉ आर पी साहू ने बताया कि इलाज के बाद फिलहाल अभी वासुदेव की स्थिति ठीक है।

योगासन खेल संघ झारखंड के अध्यक्ष संजय सिंह को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार जिला योगासना खेल संघ द्वारा योगासन खेल संघ झारखंड के अध्यक्ष और पूर्व पतंजलि झारखंड प्रभारी संजय सिंह का 25 नवंबर को असामायिक निधन हो गया। संजय सिंह योगासन खेल संघ झारखंड में योगासन खेल को एक मुकाम तक ले कर गये थे। उनके किये गये कार्यों के वजह से आज सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। वो बहुत ही प्रगतिशील व्यक्ति थे। आज पुरे संगठन को उनके कमी खल रही है। वो अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर गये है। शोक सभा लातेहार जिला योगासना खेल संघ कार्यालय और संरक्षक बलिराम सिंह के आवास पर आयोजित की गयी थी। सभा में लातेहार जिला योगासना खेल संघ संरक्षक बलिराम सिंह, अध्यक्ष और अधिवक्ता संजय कुमार, उपाध्यक्ष और सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के प्रधानाचार्य अरुण कुमार चौधरी , सचिव प्रशांत कुमार सिंह, उपाध्यक्ष और भारतस्वाभिमान जिला प्रभारी जितेन्द्र सिंह, तकनीकी पदाधिकारी चैताली मुखर्जी, सहप्रभारी भारत स्वाभिमान क्रृष्ण कुमार मिश्र, योग प्रचारक मती राधिका प्रसाद,योग विचारक धनश्याम यादव, धृतपाल गंझु, संतोष कुमार गुप्ता, विनोद राम, योग प्रचारक शसुशीला प्रसाद और सुदर्शन कुमार उपस्थित थे।

राजद से दो विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाये : रामप्रवेश यादव

लातेहार(आजाद सिपाही)। लातेहार राष्ट्रीय जनता दल से दो विधायकों को मंत्री मंडल में शामिल करने और मंत्री पद देने को लेकर रविवार को लातेहार जिला मुख्यालय स्थित शाह वन होटल में राजद पार्टी के जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान श्री यादव ने झारखंड विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल से चार विधानसभा सीट जीत हासिल करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मैं महागठबंधन के तहत झारखंड में राजद द्वारा लड़ी गयी चुनाव में छह सीटों में से चार सीटों पर विजय हासिल करने वाले सभी नव-निर्वाचित विधायकों को तहे दिल से बधाई देता हूं। पिछली बार झारखंड में राजद से मांत्र एक सीट से जीत दर्ज की गई थी।इस बार आला कमान ने पार्टी को छह सीटों से चुनाव लड़ने की मौका दी। इस बार राजद उम्मीदवारों ने अच्छा प्रदर्शन कर चार सीटों से जीत दर्ज कर दिखाया है जिनमें गोड्डा से संजय प्रसाद यादव, देवघर से सुरेश पासवान, हुसैनाबाद से संजय सिंह यादव और विश्रामपुर से नरेश प्रसाद सिंह शामिल है ।आगे उन्होंने राजद के दो विधायकों को मंत्री मंडल में शामिल को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि लातेहार जिले के मनिका विधानसभा से कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह को कांग्रेस की सीट से मंत्री मंडल में शामिल कर मंत्री पद दिया जाए, ताकि पार्टी और भी मजबूती के साथ अपने अपने क्षेत्र का विकास कर सके क्योंकि यह जीत महागठबंधन के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसका श्रेय झारखंड के सभी माता बहनों एवं युवाओं को जाता है। क्योंकि उन्होंने महागठबंधन पर भरोसा कर अपनी कीमती वोट देकर विजयी बनाया इसके लिए उन्हें भी तहे दिल से मैं धन्यवाद करता हूं।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन का सम्मेलन

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह के बाबा चौक में रविवार को ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन का सम्मेलन आयोजित की गयी। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक मंत्री ओम प्रकाश ने भाग लिया। अपने संबोधन में ओम प्रकाश ने कर्मचारियों से अपील की कि वे आगामी 4, 5 और 6 दिसंबर को यूनियन के पक्ष में मतदान करें, ताकि एक मजबूत यूनियन का निर्माण हो सके और कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कर्मचारियों को आगामी चुनाव की तैयारियों में जुट जाने की सलाह भी दी। सहायक मंत्री ओम प्रकाश ने कहा कि कर्मचारियों की एकता ही उनकी शक्ति है और अगर वे एकजुट होकर अपनी बात उठाएंगे। तो उनका अधिकार सुरक्षित रहेगा। उन्होंने यूनियन के कार्यों की सराहना की और विश्वास दिलाया कि एक मजबूत संगठन ही कर्मचारियों के हितों की रक्षा कर सकता है। इस सम्मेलन में कई अन्य नेता और कर्मचारी भी मौजूद थे। जिन्होंने यूनियन के पक्ष में एकजुट होकर काम करने की शपथ ली। इस मौके पर शाखा सचिव सुनील कुमार सिंह पीडब्लूआई अरुण कुमार, शाखा के कार्यकारिणी अध्यक्ष चंदन कुमार, लातेहार शाखा सचिव रणधीर सिंह, युवा अध्यक्ष ऋषि राज,डाल्टेनगंज अध्यक्ष अनिल कुमार, सतेन्द्र तिवारी, अभिमान श्रीवास्तव, सरोज सिंह, संकेत कुमार, राजन कुमार, वशीर अहमद, एच कुमार, शिवा, रजीत कुमार पांडे, उपेद्र पाल, राजू रहमान, मनीष कुमार,पवन पटेल,मनोज कुमार, विनोद कुमार,एन के सिंह, एहसान खान, करीम खान, देवनंदन,राहुल, संकेत, रंजीत कुमार समेत विभिन्न डिपो से जुड़े कर्मी और पदाधिकारी शामिल थे।

इग्नू की परीक्षा आज से शुरू होगी

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। इग्नू स्टडी सेंटर 3614 बलदेव साहु महाविद्यालय लोहरदगा में इग्नू की सत्रांत परीक्षाए 2 दिसंबर 2024 से 9 जनवरी 2025 तक चलेगी। उक्त जानकारी कॉर्डिनेटर डॉ शशि कुमार गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी इग्नू के आधिकारिक वेबसाइट से अपना हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षार्थियों को अपना हॉल टिकट और इग्नू द्वारा जारी परिचय पत्र की मूल प्रति परीक्षा में लेकर आना अनिवार्य है। परीक्षा में मोबाइल फोन या कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर आना वर्जित है। परीक्षा की पूरी तैयारी कर ली गयी है। प्रथम सत्र की परीक्षा प्रातः 10 बजे से और द्वितीय सत्र की परीक्षा अपराह्न 2 बजे से प्रारंभ होगी। अधिक जानकारी के लिए परीक्षार्थी स्टडी सेंटर से संपर्क कर सकते है।

रेलवे स्पोर्ट्स क्लब में थर्ड जिला कराटे चैंपियनशिप का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय के रेलवे स्पोर्ट्स क्लब में रविवार को थर्ड जिला कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। कराटे चैंपियनशिप का विधिवत उद्घाटन जिला परिषद की सदस्य संतोषी शेखर के द्वारा फीता काट कर किया गया। कराटे चैंपियनशिप जिले भर के विभिन्न प्रखंडों के लगभग 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें बालिका वर्ग की 15 प्रतिभागी और बालक वर्ग के 35 प्रतिभागी शामिल हुए। कराटे चैंपियनशिप की शुरूआत अलग-अलग श्रेणी में मुख्य अतिथि के द्वारा परिचय प्राप्त करने के बाद विधिवत झंडी दिखाकर किया गया । देर शाम तक चल प्रतियोगिता के दौरान 12 - 12 प्रतिभागियों गोल्ड और सिल्वर जबकि 20 प्रतिभागियों को ब्राउन मेडल का खिताब मिला। चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संतोषी शिखर ने कहा कि कराटे के क्षेत्र में आज हमारे देश की युवा बेहतर प्रदर्शन करके विश्व के पटल पर अपना और अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं वहीं इसके साथ कराटे हमारे समाज की बालिका के लिए आत्मरक्षा का एक बड़ा हथियार है। कराटे एसोसिएशन के मदनलाल ने बताया कि इस चैंपियनशिप में सफल प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। वहीं इसके पूर्व इन्हें बेहतर तरीके से तैयार करने को लेकर प्रशिक्षण देने का भी काम किया जायेगा।

कोल्हान की खबरें

डॉ सुनीता की पहल पर 12 वर्षीय सोनम के दिल का हुआ ऑपरेशन

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। भाजपा नेत्री सह समाजसेवी डॉ सुनीता देवदूत सोरेन ने मुसाबनी प्रखंड के पारूलिया गांव के निवासी विसंबर पातर कि पुत्री सोनम पातर (12) जो पिछले कई सालों से दिलछेद की बिमारी से ग्रसित थी। बिते दिन उसका सफल ऑपरेशन डॉ सुनीता सोरेन की पहल से ब्रह्मानंद हॉस्पिटल में डॉ परवेज आलम के द्वारा हुआ, जिसका हाल-चाल लेने आज उसके घर पहुंचीं। ज्ञात हो कि डॉ सुनीता ने अक्टूबर महीने में ही अपने साथियों के द्वारा जानकारी मिलने के बाद बच्ची सोनम पातर के घर जाकर मिली थी। जो पहले इलाज हुआ था उसका रिपोर्ट देखी और वहीं से डॉक्टर से संपर्क कर सोनम पातर के परिवार वालों को एक महीने के अंदर ऑपरेशन कराने का आश्वासन दी थी । सर्वप्रथम वहां पहुंचने के उपरांत सोनम पातर के परिजनों ने डॉ सुनीता देबदुत सोरेन का आभार व्यक्त किया। मौके पर डॉक्टर सुनीता ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए अच्छे से पढ़ाई करने की बात कही और साथ ही बच्ची के परिवार वालों को आगे भी शिक्षा स्वास्थ्य में कहीं, पर भी कठिनाइयां होगी तो आप बेझिझक संपर्क करने की बात कही। मौके पर दिपक गिरी, असीम दास, नाथ सिंह, विसंबर पातर मौजूद थे ।

टाटा मोटर्स के कर्मचारियों ने महामंत्री का किया अभिनंदन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स न्यू ड्रीम लाइन के कर्मचारियों ने यूनियन अध्यक्ष और महामंत्री के लिए अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। रविवार को हुडको के पिकनिक प्लेस में आयोजित अभिनंदन समारोह में महामंत्री आर के सिंह व कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा शामिल हुए। कर्मचरियों ने महामंत्री और कार्यकारी अध्यक्ष को माला पहनाकर बधाई दी। वही महिला कर्मचरियों ने पुनः महामंत्री बनने पर आर के सिंह को पुष्प गुच्छ भेट कर बधाई और शुभकामनाएं दी। महामंत्री ने कहा कि विशेष कार्य में फंसे अध्यक्ष कार्यक्रम में नहीं आ सके। उनकी अनुपस्थिति में कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा शामिल हुए। उन्होंने कहा आप सभी के स्नेह और सम्मान से कर्मचारी हित में कार्य करने का एक मौका मिला है। आप लोगों के सुझाव से मजदूर हित मे काम करेंगे। ताकि ज्यादा से ज्यादा मजदूर लाभान्वित हो सके। आने वाले वर्षों में रोजगार का बेहतर सृजन होगा। हमारे बच्चों को कैसे रोजगार मिले इन विचारों पर मंथन कर बेहतर रिजल्ट आपके सामने लाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव में आप सभी कर्मचारियों ने बेहतर सहयोग दिया। इसके लिए सभी को हृदय से धन्यवाद देते है। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा ने अध्यक्ष के संदेश को सभा में रखा। मंच का संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया।

एड्स से बचाव में संयमित जीवन बहुत जरूरी : डॉ निर्मल कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में संचालित जीएनएम नर्सिंग स्कूल में रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर ग्रीन के द्वारा एड्स जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को जागरुकता कार्यक्रम में नर्सिंग स्कूल की छात्राओं और शिक्षकों सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्तित हुए। इस अवसर पर नर्सिंग छात्राओं ने एचआईवी जागरूकता पर आकर्षक रंगोली बनायी। मौके पर डा. निर्मल कुमार ने एड्स फैलने के कारणों, उपचार और जीवन शैली के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। मौके पर उन्होंने एचआईवी पीड़ित लोगों को स्वस्थ जीवन जीने का तरीका भी बताया। रोटरी के सदस्य नीलम जायसवाल ने कहा जागरुकता और संयमित जीवन शैली एड्स से बचाव में महत्वपूर्ण प्रेरक होते है।

रोटरी ग्रीन की अध्यक्ष अनन्ना दत्ता ने कहा कि रोटरी की डायरी में दिसंबर माह बीमारी की रोकथाम का महीना है। इसलिए एमजीएम के मेडिसिन विभागाध्यक्ष व एआरटी के नोडल अधिकारी डा. बलराम झा की अनुमति से रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर ग्रीन ने एचआईवी पीड़ित छह बच्चों के अगले छह महीने तक देखभाल करने और उनके लिए पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नर्सिंग प्रशिक्षणार्थियों,शिक्षकों सहित एमजीएम के पदाधिकारी के साथ रोटरी ग्रीन के रंजीत सिंह टॉक उपस्थित रहे।

संजीव सरदार का आदिवासी भूमिज समाज ने किया स्वागत

पोटका (आजाद सिपाही)। आदिवासी भूमिज समाज के द्वारा तेंतला स्कूल मैदान में दिशुवा करम जुमिद गांवता नेपेल नापाम पोरोब का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पोटका विधायक संजीव सरदार शामिल हुए। मौके पर समाज के लोगो ने आदिवासी रीति रिवाज से विधायक संजीत सरदार को माला पहनाकर भब्य स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने जल जंगल जमीन को बचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। वही विधायक श्री सरदार ने पारंपरिक सांस्कृतिक नृत्य दलों के साथ जमकर झूमे। साथ ही 92 सांस्कृतिक नृत्य दलों को डेग और बाल्टी प्रदान किया गया।

केसरी गैस एजेंसी ने महिलाओं के लिए कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित की

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। पेट्रोलियम मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर आदित्यपुर केशरी गैस सर्विसेज के निदेशक अश्विनी कुमार केशरी के नेतृत में आदित्यपुर 2 रोड नंबर 10 स्थित कल्याण कुंज सभागार में महिलाओं के लिए कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। रविवार को कुकिंग प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि इंडेन गैस के कंज्यूमर सेल्स ऑफिसर सन्नी कुमार,विशिष्ट अथिति आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेन्द्र नारायण सिंह,सम्मानित अतिथि टाटा स्टील के मिल्स मैकेनिकल मेंटनेंस शेयर्ड सर्विसेज डिवीजन के हेड पंकज कुमार सिंह,जज के रूप में फूड इंजीनियर यस्मिता सिंह एवं सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर ब्रिटिश टेलीकॉम विकास प्रसाद मौजूद रहे।प्रतियोगिता में 15 स्टॉल लगाए गए, जिसमें महिलाओं ने एक से बढ़कर एक रसोई बनाकर जजों को सोचने पर विवश कर दिया। जजों ने जांच के बाद वेज बिरयानी बनानेवाली कंचनलता को प्रथम स्थान देकर उन्हें सम्मानित किया। वही अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। निदेशक अश्विनी कुमार केशरी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य है सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाना कम गैस में कैसे बने। वही पुरेन्द्र नारायण सिंह ने इस तरह के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा ऐसे आयोजनों से न केवल सुरक्षित और पौष्टिक भोजन बनाने की प्रेरणा मिलती बल्कि माता एवं बहनों के हाथों खाने का स्वाद भी चखने का मौका मिलता है। वही कार्यक्रम में मौजूद फूड इंजीनियर यस्मिता सिंह ने कहा आज के दौर में यंग जनरेशन का रुझान फास्ट फूड की ओर ज्यादा है। जो इससे होने वाले नुकसान से अनजान है। घरों में महिलाएं खुद से भी वैसे फास्ट फूड बना सकती है। इस तरह के कार्यक्रम से हमें कई तरह की प्रेरणा मिलती है।

गंगा नारायण सिंह मेमोरियल स्कूल परिवार ने किया विधायक संजीव सरदार का अभिनंदन

घाटशिला(आजाद सिपाही)। कोवाली थाना क्षेत्र के ढेंगाम मे बीएसजीएसएम सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित गंगा नारायण सिंह मेमोरियल स्कूल की ओर से पोटका के नवनिर्वाचित विधायक संजीव सरदार का स्वागत प्राचार्य आरती सोरेन के नेतृत्व तुरामडीह स्थित कार्यालय मे किया गया। इस दौरान स्कूल का प्रतिनिधि ने विधायक सरदार को शुभकामनायें देते हुये विद्यालय भ्रमण के लिये आमंत्रित किया। विदित हो कि गंगा नारायण सिंह मेमोरियल स्कूल के संरक्षक विधायक संजीव सरदार है, जिन्होंने विद्यालय प्रबंधन को आवासीय छात्र-छात्राओं के लिये तत्काल कंबल उपलब्ध कराने का निर्देश दिये। इस दौरान मुख्य रूप से विद्यालय के सलाहकार पूर्व मुखिया चंका सरदार, सलाहकार लाल सरदार, उपेंद्र सरदार आदि उपस्थित थे।

शहीद लोहरा उरांव की 53वीं पुण्यतिथि मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। रविवार को जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कमांडर पी रामाराव और गणमान्य लोगों ने थाना सिसई चौक स्थित शहीद लोहरा उरांव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की। इस दौरान कमांडर पी रामाराव ने कहा कि देश का लाल शहीद लोहरा उरांव ने देश की रक्षा करते हुए अपनी शहादत दी थी। शहादत देना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के कंधों पर देश की रक्षा की जिम्मेवारी है। ऐसे में युवाओं को देश की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। वहीं कैप्टन लोहरा उरांव ने कहा कि एक दिसंबर 1971 को भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान वीर गति को प्राप्त हुए शहीद लोहरा उरांव ने युद्ध के दौरान अदम्य साहस का परिचय दिया था, और देश के लिए शहादत दी थी। मौके पर भुतपूर्व सैनिक कल्याण संघ के प्रखंड अध्यक्ष कैप्टन लोहरा उरांव, छवीनाथ भगत, धरमा उरांव, ललित उरांव, बंधनु उरांव, सहावीर उरांव, विजय उरांव, करमचंद लोहरा, युगेश्वार उरांव, यादराम साहु, मनोज वर्मा, गजेंद्र उरांव, शमरु सिंह, अरविंद उरांव, बिरसा उरांव, सीताराम उरांव, कमांडर पी रामाराव, ललित उरांव, कारगिल शहीद विश्राम मुंडा की धर्मपत्नी रीना देवी शहीद लोहरा उरांव की धर्मपत्नी बंधैन देवी, सुपुत्र मंगल उरांव, बहु अनुराधा देवी, अंश उरांव बरखा उरांव, इंद्र पाल उरांव, तेतरु उरांव, जया उरांव, सहोद्री देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

डालसा ने चलाया एड्स जागरूकता अभियान

गुमला (आजाद सिपाही)। झालसा रांची के निर्देश पर तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला ध्रुव चंद्र मिश्र के आदेश पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार रामकुमार लाल गुप्ता के नेतृत्व में जिले के विभिन्न प्रखंडों और अस्पताल और अन्य जगहों पर पीएलवीयो के द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम किये गये और लोगों को जागरूक किया गया और एड्स के बारे में विशेष जानकारी दिया गया। इस दौरान पहाड़ पनारी में भी कार्यक्रम चलाया गया जिसमें पीएलवी राजेश सिंह, प्रेम कुमार साह, राजू नायक तेतरू उरांव और अन्य बहुत सारे ग्रामीण उपस्थित थे। सदर अस्पताल गुमला में भी पीएलबी जरीना खातून, नीलम लकड़ा, सोनू कुमारी, नवीना साहू के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया तथा अन्य जगह पर पीएलबी विष्णु रतिया, बीना कुमारी लक्ष्मण मोची सुंदर मुनि बरला आदि के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

अंडर 20 राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम के लिए ट्रायल में शामिल होंगी गुमला की विकसित बाड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। आल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन यानी एआइएफएफ के द्वारा अंडर 20 राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम के चयन को लेकर 09 दिसंबर को कर्नाटक के बंगलोर शहर में ट्रायल कैंप का अयोजन किया जायेगा। इस ट्रायल के लिए खेल विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालिका प्रशिक्षण केंद्र, गुमला की प्रशिक्षु विकसित बाड़ा को आमंत्रित किया गया है। बताया जा रहा है कि पूरे भारत वर्ष से चयन के लिए 38 खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। चयन उपरांत 10 से 17 दिसंबर तक पुनः राष्ट्रीय कैंप आयोजित किया जायेगा। राष्ट्रीय कैंप में चयनित खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल किया जायेगा। इस तरह भारतीय टीम की घोषणा की जायेगी।

अंजुमन तरक्की ए उर्दू गुमला की नयी कमेटी का किया गया गठन

अध्यक्ष सरफराज कुरैशी, सचिव आसिफ अंसारी बनाये गये

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। अंजुमन तरक्की ए उर्दू गुमला की नई कमेटी का गठान किया गया। जिसमें अध्यक्ष सरफराज कुरैशी को बनाया गया। वहीं सचिव आसिफ अंसारी मनोनित किये गये।

उसी प्रकार उपाध्यक्ष सलमान अंसारी, मौलाना गुलाम गौस, फारुक रशिदी साहब बनाये गये। सह सचिव के रुप में मो इलयास , हाजी मंटु साहब, रुखसार प्रवीन, कोषाध्यक्ष मो सरवर खान, सह कोषाध्यक्ष मो लडडन को चुना गया।

कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में कमरुद्दीन कुरैशी, मो आशिक अंसारी साहब, आजाद अंसारी साहब, हाजी फैयाज, अनीसुररहमान, मो मुजीबुर रहमान, गुफरान अंसारी, मो जबीउललाह, अहमद मासटर, मो आजाद खान, मो अफसर आलम साहब, हफीजुर रहमान साहब को बनाया गया। इसकी जानकारी अंजुमन इस्लामिया के प्रवक्ता मोहम्मद आशिक अंसारी द्वारा दी गयी।

गुमला में 'हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर एलपीजी कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला के करौंदी पंचायत भवन में आज पेट्रोलियम मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तेल वितरण कंपनियों द्वारा ह्यहमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी थीम पर एक भव्य कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में एलपीजी उपभोक्ताओं ने भाग लेकर अपने पाक-कौशल का प्रदर्शन किया और उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य और महत्व

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल एक प्रतियोगिता तक सीमित नहीं था, बल्कि यह एलपीजी गैस के सुरक्षित उपयोग और पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका पर जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। इसके तहत यह संदेश दिया गया कि एलपीजी न केवल स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है, बल्कि यह महिलाओं के जीवन को आसान और आत्मनिर्भर बनाने का साधन भी है।

प्रतियोगिता के मापदंड और थीम

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को एलपीजी का सुरक्षित और कुशलतापूर्वक उपयोग करते हुए स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन तैयार करना था। जजों ने व्यंजनों की गुणवत्ता, प्रस्तुति, सफायी और थीम आधारित नवाचार को ध्यान में रखते हुए विजेताओं का चयन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में स्थानीय होटल और शिक्षा जगत के विशेषज्ञ शामिल थे। प्रदीप शाह गुमला होटल मालिक संघ के अध्यक्ष और राज होटल के मालिक। अमरेश कुमार झा मिथिला लाइन होटल के प्रबंधक। लक्ष्मी कुमारी शिक्षाविद। इशांति कुमारी पंचायती राज विभाग की मास्टर ट्रेनर और समाजसेवी। मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक चोपड़ा के प्रतिनिधि आईपी पांडेय और विजय शुक्ला उपस्थित रहे।

विशिष्ट वक्तव्य और संदेश

आईपी पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि एलपीजी गैस ने ग्रामीण और शहरी रसोई घरों में क्रांति लाई है। उन्होंने बताया कि एलपीजी के उपयोग से न केवल पेड़ों की कटाई में कमी आई है, बल्कि यह स्वास्थ्य और समय की बचत का भी साधन बना है। होटल मालिक संघ के अध्यक्ष प्रदीप शाह ने महिलाओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, यह प्रतियोगिता केवल रसोई कौशल दिखाने का मंच नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को रोजगार और सशक्तिकरण के लिए प्रेरित करती है। जो महिलाएं कुकिंग को रोजगार के रूप में अपनाना चाहती हैं, होटल मालिक संघ उनका हरसंभव सहयोग करेगा।

एलपीजी के सामाजिक और पर्यावरणीय लाभ

एलपीजी जिला नोडल ऑफिसर इंद्रानील अग्रवाल ने उपस्थित उपभोक्ताओं को जानकारी दी कि एलपीजी उपयोगकर्ताओं के लिए कई बीमा योजनाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि गुमला के उपभोक्ता पूरे राज्य के लिए जागरूकता का उदाहरण हैं और भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों को और अधिक व्यापक रूप में आयोजित किया जायेगा। 6 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा, 30 लाख रुपये का जीवन बीमा, 2 लाख रुपये का प्रॉपर्टी डैमेज कवर, 2 लाख रुपये का मेडिकल बीमा, 25,000 रुपये तक का तत्काल चिकित्सा अनुदान।

विजेताओं को स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया

उपस्थित गणमान्य लोग कार्यक्रम में बड़ी संख्या में तेल वितरण कंपनियों के प्रतिनिधि और नागरिक शामिल हुए। प्रमुख उपस्थित व्यक्तियों में मिला उरांव, दीप्ति कच्छप, अशोक कुमार साहू, और ओम प्रकाश शामिल थे। हमारी रसोई, हमारी जिम्मेदारी कार्यक्रम न केवल एक प्रतियोगिता था, बल्कि यह समाज में एलपीजी उपयोग की जागरूकता फैलाने, महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का एक उत्कृष्ट माध्यम बना। यह आयोजन गुमला के नागरिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना और आने वाले समय में इस तरह के आयोजनों के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आचार्यों के लिए स्नेह मिलन समारोह अयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सरस्वती विद्या मंदिर गुमला के सभागार मेंआचार्य योगेंद्र कुमार मलिक और अक्षयवर नाथ पांडे का स्नेह मिलन कार्यक्रम के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। मौके पर उपस्थित गुमला विभाग के विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष रामकिशोर रजक, सचिव विजय बहादुर सिंह, प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा समिति सदस्य राजेश कुमार सिंह सहित विदाई होने वाले आचार्या नें भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम आरंभ की। इस अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त करते हुए आचार्य योगेंद्र कुमार मलिक और अक्षयवर नाथ पांडे ने अपने कार्यकाल के खट्टे मीठे अनुभव को साझा किया। उन्होंने विद्या भारती परिवार के स्मरण को हृदय में संजोए रखने की बात कही। विभाग प्रमुख श्री कुमार ने कहा की यह भावुक क्षण है इन आचार्यो द्वारा किये गये कार्य विद्यालय के कण-कण में गुंजयमान है। समिति अध्यक्ष रामकिशोर रजक और सचिव विजय बहादुर सिंह ने आचार्यों को हर सुविधा प्रदान करने की बात कही और सेवा कार्य पूर्ण करनेवाले आचार्यों के निष्ठा पूर्ण कर्तव्य के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाने को लेकर भूरी भूरी प्रशंसा की। अंत मे आचार्यों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा ने व्यक्तिगत रूप से दोनों आचार्यो के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक साहसी कर्मठ और मुखर आचार्य की बात कही धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा ने किया। समिति सदस्य राजेश कुमार सिंह ने भी आचार्य के प्रति अपने उद्गार व्यक्त किया। मंचासीन अधिकारियों का परिचय देवंती कुमारी और कार्यक्रम का आकर्षक संचालन संगीत के सुर ध्वनियों के साथ आशा कुमारी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य रविंद्र महापात्र, आशा कुमारी और उमा कुमारी ने आचार्य जी के योगदान की प्रशंसा की। शांति मंत्र के साथ स्नेह मिलन समारोह संपन्न किया गया।

बाल विवाह के दुष्परिणामों से ग्रामीणों को किया गया जागरूक

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। प्रखंड अंतर्गत उसुर्लाइन उच्च विद्यालय, संत पॉल कॉलेज, संत जोसेफ उच्च विद्यालय, विद्या मंदिर बसिया, नारेकेला, दलमादी, खुटखुरा साप्ताहिक हाट, और कुड़लगा ग्राम में समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग और सेंटर फॉर केटालाइजिंग चेंज के सहयोग और मार्गदर्शन से बाल विवाह के दुष्परिणाम और बालिका शिक्षा विषय नाटक मंचन का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए संस्था सी तीन के प्रकाश सारंगी ने बताया कि इस आयोजन में नाटक मंचन के माध्यम से बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों पर जागरूक किया गया। जिसमें यह संदेश दिया गया कि यदि किसी किशोरी का कम उम्र में विवाह हो जाता है, तो उसकी शिक्षा रुक जाती है और उसका भविष्य और कैरियर उसकी क्षमता और आकांक्षा के अनुरूप नहीं बन पाता है।

जिसके परिणामस्वरूप उन्हें पूरा जीवन समस्याओं और परेशानियों से जूझना पड़ सकता है साथ ही साथ उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आयोजित नुक्कड़ नाटकों को आम जनता और छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के द्वारा सराहा गया संत जोसेफ इंटर कॉलेज के प्राचार्य ब्रदर सुशील ने कहा कि आज जो हमारे और अन्य विद्यालयों में सेंटर फॉर केटालाइजिंग चेंज के द्वारा बाल विवाह उन्मूलन हेतु जो नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया, यह एक बहुत ही सराहनीय पहल है। यदि इस तरह के कार्यक्रम निरंतर होते रहे तो समाज में जागरूकता बढ़ेगी और हम निश्चित ही हम अपने गांव टोले को बाल विवाह मुक्त समाज बना पायेंगे। इस आयोजन में शिक्षक, मुखिया, सहित, सेविका और सेंटर फॉर केटालाइजिंग चेंज की टीम सहित ग्रामीण और किशोर किशोरी उपस्थित थे।

गुमला में यातायात के नियमों का उल्लंघन करनेवालों पर होगी कार्रवाई, लगेगा जुर्माना

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला शहर में आये दिन लगने वाले जाम और शहर के यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाने के लिए एक जांच दल गठित किया गया है। यह जांच दल सिर्फ कागजों तक ही सीमित है चूंकि पूर्व में भी कई बार जांच दल का गठन किया जा चुका है, लेकिन शहर में जाम की स्थिति और अतिक्रमण यथावत बनी रहती है। जाम का मुख्य कारण सवारी बैठाने के चक्कर में बसों का शहर के मुख्य मार्गों पर कछुए की गति से गमन, ऑटो चालक द्वारा शहर के चौक चौराहा के आसपास ऑटो को खड़ा करके रखना और भारी वाहन ट्रक बाईपास का उपयोग न करके बेवजह शहर के मार्ग का उपयोग करना है। साथ ही शहर के व्यस्ततम मार्गो के किनारे फुटपाथ पर दुकान सजाकर बेचा जाता है जिससे पार्किंग की समस्या होती है और लोग यत्र तत्र वाहन खड़ा कर देते हैं जिससे जाम की समस्या बनी रहती है। शहर में पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण भी जाम की समस्या होती है। दुकानदारों द्वारा फुटपाथ पर ही सामानों को सजा कर रख दिया जाता है कई बार चेंबर के पदाधिकारियों ने दुकानदारों से इस बात को लेकर अपील की है लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। नगर परिषद द्वारा समय-समय पर सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जाता है जुमार्ना भी वसूला जाता है लेकिन दो-चार दिन बाद स्थिति यथावत हो जाती है। पूर्व में भी कई बार बस और ऑटो चालक को निर्धारित स्थल पर ही वाहन लगाने का निर्देश दिया जा चुका है। शहर के पटेल पार्क के सामने भी फुटपाथ पर दुकान लगाया जाता है लेकिन नगर परिषद इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं करता है। सब्जी विक्रेताओं को टंगरा मार्केट में दुकान आवंटित किया गया है, लेकिन सभी सड़क के किनारे ही दुकान लगाते हैं। प्रथम चेतावनी के बावजूद यदि यातायात नियमों का उल्लंघन होता है तो संबंधित चालक का लाइसेंस एक माह के लिए निलंबित करने का निर्देश जारी किया है। साथ ही बस ओनर कंडक्टर या एजेंट के खिलाफ जुमार्ना व चालान काटकर राशि वसूली की जायेगी। अब देखना है कि नगर परिषद के इस निर्देश का वाहन चालक और ऑनर कितना पालन करते हैं और उल्लंघन करने पर नगर परिषद द्वारा उन पर क्या कार्रवाई की जायेगी।

प्रथम चरण में लगभग 3000 स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य जारी

गुमला (आजाद सिपाही)। जिले में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए सुदूरवर्ती और विशेष पिछड़ी जनजातीय ग्रामों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के नेतृत्व में इस पहल का उद्देश्य जिले के हर कोने को रोशनी से आच्छादित करना और नागरिकों के जीवन में सुधार लाना है। अब तक विभिन्न ग्रामों अंतर्गत 700 से अधिक स्थानों में सोलर लाइट का अधिष्ठापन पूरा कल्याण विभाग द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों और अन्य सुदूरवर्ती क्षेत्रों में लगभग 700 से अधिक स्थानों में अब तक सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगायी जा चुकी हैं। शेष क्षेत्रों में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। कल्याण विभाग द्वारा वर्तमान योजना के तहत प्रथम चरण में गुमला जिले के 387 ग्रामों में 2015 स्थानों पर सोलर स्ट्रिट लाइट का अधिष्ठापन किया जा रहा है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भी रोशनी का विस्तार उपायुक्त के निर्देश पर जिला योजना विभाग के द्वारा भी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मुख्य चौक-चौराहों सहित लगभग 1200 से अधिक स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कल्याण विभाग द्वारा क्षेत्रवार सोलर स्ट्रीट लाइट अधिष्ठापन की प्रगति उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के द्वारा जिले के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से अपने क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए स्थान सुझाने का आग्रह किया था। प्राप्त आवेदनों के आधार पर चयनित स्थानों पर प्राथमिकता के साथ सोलर लाइट्स लगायी जा रही हैं। अगले चरण की तैयारी जारी उपायुक्त ने बताया कि प्रथम चरण में 3000 स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगायी जायेंगी। शेष आवेदनों पर विचार करते हुए अगले चरण में अन्य स्थानों पर अधिष्ठापन कार्य किया जायेगा। यह पहल जिले के सुदूर क्षेत्रों को सौर ऊर्जा से रोशन करने और सुरक्षा, शिक्षा तथा सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगी।

जमशेदपुर की टीम ने खरसावां को 130 रनों से हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिला मुख्यालय स्थित तेलगा खड़िया क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे जे एससीए अंतर जिला अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को खेले गये मुकाबले में जमशेदपुर की टीम ने सरायकेला/खरसावां को 130रनो से पराजित किया। खराब मौसम और धुंधली रोशनी की वजह से विलंब से आरंभ मैच में जमशेदपुर की टीम ने निर्धारित 30 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 211 रनो का स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से शंकर दस ने 74 और अर्सलान अहमद ने 52 रनो की आकर्षक पारी खेली। कुमार गौतम के 17, दिव्याश सिंह 12 और रौनक कुमार के 11 रनो के सहारे टीम दो सौ के पार का सम्मानजनक स्कोर बनाया। खरसावां की टीम नौ गेंदबाजो को आजमाया। अमन मिश्रा ने दो और मनीष और ऋषि को एक-एक विकेट मिला । लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरायकेला/खरसावां की पूरी टीम 24.5 ओवरो में महज 81रनो पर सिमट गयी। टीम की ओर से मनीष 16 और विवन ने 15 रनो की पारी खेली। जमशेदपुर की ओर से सिम्हाचलन राव ने 14 रन देकर चार विकेट चटकाये। आयुष और रौनक को एक -एक विकेट मिला। 81 के स्कोर पर छठवा विकेट गवाने वाली खरसावां की पूरी टीम इसी स्कोर पर सीमट गयी। उम्दा बल्लेबाजी करने वाले जमशेदपुर के शंकर दास मैन ऑफ द मैच बने। टीआरडीओ रोनित सिंह, सचिव जीतेंद्र सिंह, अंपायर रमेश कुमार, प्रशांत कुमार और स्कोरर शशिभूषण ने प्लेयर ऑफ डे को पांच हजार कैश और ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। मौके पर मनोज चौधरी, लाल चंद्रशेखर, ज्ञान प्रकाश, अंकित विश्वकर्मा, मधुसूदन उरांव, आयुष अग्रवाल, यमुना झा सहित अन्य मौजूद थे । सोमवार को जमशेदपुर का मुकाबला कोडरमा से होगा।

कल्हूडेरा गांव से चार मवेशी की चोरी

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला थाना क्षेत्र के अंबोआ पंचायत के कल्हूडेरा गांव से मवेशी चोरों ने भैंस प्रजाति के चार पशुओं को गुरुवार की रात चोरी कर ली। इस संबंध में पशु पालक ढुरकी खड़ियाइन ने शनिवार को गुमला थाना में शिकायत दर्ज कराया है। कहा कि वह गरीब किसान परिवार का सदस्य है। खेती किसानी कार्य के लिए एक भैंस और तीन भैंसा अपने घर के बाहर बांध कर रखा था। शुक्रवार की सुबह देखा तो आंगन में बांध कर रखे गये एक भी मवेशी नहीं है। चोरी की आशंका होने पर घटना की जानकारी थाना में दी। थाना में प्राथमिकी दर्ज कर चोर करो चिह्नित करते हुए कार्रवाई करने की मांग की है।

रिटायर शिक्षक की गला काट कर हत्या

शौच के लिए खेत में गये थे, तभी घात लगा कर बैठे बदमाशों ने कुल्हाड़ी से किया हमला

डॉग स्क्वार्ड की मदद से पुलिस ने शुरू की जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

सतबरवा/पलामू। सतबरवा थाना अंतर्गत हलुमाड़ गांव में रविवार की सुबह बदमाशों ने तेज धारदार हथियार से गला काटकर 65 वर्षीय एक वृद्ध व्यक्ति की हत्या कर दी गई। उसकी पहचान हलुमाड़ निवासी परिखन सिंह के रूप में की गई है। वह पेशे से शिक्षक थे, जो रिटायर्ड हो चुके हैं। वहीं, मृतक के पुत्र सतीश सिंह

खेत में पड़े शव के पास पुलिस व स्थानीय ग्रामीण।

चरो ने बताया कि रविवार तड़के चार बजे उससके पिताजी सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगा कर बैठे अपराधियों ने कुल्हाड़ी से गला काटकर उनकी हत्या कर दी। घटनास्थल पर मृतक की घड़ी, टॉर्च व लोटा भी पड़ा मिला है। इसके बाद सुबह उजाला होते ही मौत की खबर आग की तरफ फैल गई। सैकड़ो ग्रामीणों के भीड़ घटनास्तल पर पहुंच गयी। दूसरी ओर, घटना की सूचना पाकर सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार भी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और डॉग स्क्वायड की टीम मंगवाकर जांच में जुट गये। कानूनी प्रक्रिया पूरा करने के बाद शव को अंत परीक्षण के लिए मेदिनीनगर एमएमसीएच भेज दिया गया है। इधर, घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। बताते चले की मृतक परीक्षण सिंह परिखन गुरु जी के नाम से प्रसिद्ध थे। वे एक बार मनिका विधानसभा से विधायक प्रत्याशी भी रह चुके हैं। खबर लिखे जाने तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

हुसैनाबाद-हरिहरगंज का विकास एवं जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध हूं : संजय

राजद विधायक ने मोहम्मदगंज में निकाला विजय जुलूस, नगाड़ों की थाप पर थिरके कार्यकर्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। नवनिर्वाचित राजद विधायक संजय सिंह यादव ने रविवार को मोहम्मदगंज प्रखंड में विजय जुलूस निकाला, जो सबनवा, माली, लटपौरी, भजनिया, मोहम्मदगंज होते हुए कादलकुर्मी में जाकर समाप्त हुआ। मोहम्मदगंज के अंबेडकर और जगदेव चौक पर विधायक ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर और शहीद जगदेव प्रसाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण किया। वहीं, पूरे रास्ते समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य

स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ माहौल पूरी तरह उत्सवी बना रहा। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष पच्चू रजवार, मंटू सिंह, राकेश सिंह, सिद्धार्थ कुमार, गणेश मेहता, मनोज सिंह, राकेश चौरसिया, बालेश्वर यादव, राहुल सिंह, उमेश रामआदि शामिल थे। वहीं, विधायक ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत जनता की है। वे हमेशा क्षेत्र के विकास और जनसेवा की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

बरवाडीह चुनार पैसेंजर को सांसद ने दिखायी हरी झंडी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने रविवार तड़के तीन बजे डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर बरवाडीह चोपन चुनार पैसेंजर ट्रेन संख्या 05653/03654 का परिचालन का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया। कोविड-19 के दौरान उक्त पैसेंजर ट्रेन का परिचालन बंद कर दिया गया था। जिसे आज पुनः शुरू होने से पलामू संसदीय क्षेत्र अंतर्गत लगभग 11 रेलवे स्टेशनों क्रमशः नगर उंटारी, रमना, मेराल, गढ़वा, गढ़वा रोड़, तोलरा, लालगढ़ बिहार, रजहारा, कजरी, डालटनगंज एवं चियांकी के यात्रियों को आवागमन सुगम होगी। यहां की जनता लगातार इस ट्रेन को प्रारंभ करने की मांग कर रही थी। इस अवसर पर धनबाद मंडल रेलवे एडीआरएम विनीत कुमार, जिला सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, वरिष्ठ नेता मुरारी पांडेय, किशोर पांडेय, ईश्वरी पाण्डेय, शिव कुमार मिश्रा, संजय गुप्ता, शशि भूषण पांडेय, अनिल कुमार, संजय कुमार, भोला पांडेय, मनीष कुमार, सुशील सिंह, राघवेन्द्र तिवारी, आनंद सिंह एवं रेलवे पदाधिकारी मनोहर लाल, अनिल कुमार तिवारी, विकास कुमार, स्टेशन अधीक्षक उमेश कुमार, राजीव रंजन सिंह, वैसी मानडी, संजय पासवान, बीरबल प्रजापति, अनिल कुमार आदि उपस्थित थे। वहीं, कार्यक्रम का संचालन मनीष मिश्रा ने किया।

यौन शोषण के आरोप में पलामू बालिका गृह के संचालक एवं महिला कॉउंसलर भेजे गये जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू बालिका गृह में यौन शोषण का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। मेदिनीनगर महिला थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए संचालक राम प्रताप गुप्ता (72) और महिला कॉउंसलर प्रियंका कुमारी (26) को रविवार की दोपहर एक बजे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए शनिवार की देर शाम आनन-फानन में बालिका गृह को सील कर सभी लड़कियों को जेलहाता स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है। अधिकारियों की जांच दूसरे दिन भी जारी है। गौरतलब हो कि बालिका गृह का संचालन समाज कल्याण विभाग के जरिए होता है। पिछले तीन वर्षों से एनजीओ विकास इंटरनेशनल को इसे चलाने का जिम्मा दिया गया था। आरोपित राम प्रताप गुप्ता इस एनजीओ का सचिव है। जिस नाबालिग लड़की के साथ रामप्रताप ने दुष्कर्म किया है, वह जिले के नक्सल प्रभावित इलाके की रहने वाली है। उसके माता-पिता नहीं हैं। उसके साथ गांव के ही युवक ने दुष्कर्म किया था, जिसके बाद उसे दो साल पहले बालिका गृह लाया गया था। पीड़िता के साथ उसकी छोटी बहन भी यहां रहती थी। जून महीने में छोटी बहन की मौत हो गयी। इसका एक भाई बाल गृह में रहता है। बालिका गृह के मैनेजमेंट पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। यहां से बच्चियों के भाग निकलने की घटनाएं भी हमेशा सामने आती हैं। बच्चियों के भागने के बाद उन्हें खोज कर फिर से लाया जाता है।

क्या है मामला

पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के सुदना में संचालित बालिका गृह में रहने वाली बच्चियों का यौन शोषण किया गया है। बालिका गृह में 28 बच्चियां रहती हैं, जिसमें दो बच्चियों ने बालिका गृह के संचालक राम राम प्रताप गुप्ता पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। राम प्रताप को बच्चियां दादा जी कहती थीं। मामला सामने आने के बाद शनिवार को पुलिस की टीम घंटों मामले की जांच में जुटी रही। बच्चियों के आरोप को पुलिस ने सही पाया। इसके बाद आरोपी संचालक और बालिका गृह की एक महिला काउंसलर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। एएसपी राकेश सिंह ने बताया कि जांच में बच्चियों के यौन शोषण की बात सही साबित हुई है। इसके बाद संचालक और काउंसलर पर एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई गयी। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को मानवाधिकार संगठन की एक टीम अध्यक्ष संध्या सिंह के नेतृत्व में बालिका गृह की व्यवस्था को देखने गयी थी। इसी दौरान बच्चियों ने यौन शोषण की बात बतायी। बच्चियों के मुताबिक आरोपित राम प्रताप गुप्ता का घर बालिका गृह के पास ही बैंक कॉलोनी में है। एक बच्ची ने कहा कि दीपावली से छठ के बीच दो बार राम प्रताप उसे अपने घर ले गये। इसी दौरान उन्होंने बच्ची के साथ शारीरिक संबंध बनाया। दूसरी बच्ची ने कहा कि उसके साथ भी संचालक ने गलत करने का प्रयास किया था। बालिका गृह में बच्चियों के साथ यौन शोषण का मामला सामने आते ही पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया। बालिका गृह में रहने वाली कुछ लड़कियां अब 18 वर्ष की उम्र पार कर गयी हैं। पूछताछ में पुलिस को लड़कियों ने कहा कि बालिका गृह से बाहर निकलने के लिए उनके सामने अधिकारियों को खुश करने की शर्त रखी गयी। जांच में यह भी पता लगा है कि बालिका गृह की एक महिला कर्मी ने लड़कियों के कुछ फोटो भी लिये हैं।

ओबीसी समाज को अधिकार दिलाना ही लक्ष्य, संघर्ष जारी रहेगा : ब्रह्मदेव

ओबीसी एकता अधिकार मंच की हुई चुनावी समीक्षा बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर कार्यालय में ओबीसी एकता अधिकार मंच की रविवार को समीक्षा बैठक हुई। जिसमें चुनाव परिणाम को लेकर चर्चा की गयी। सात ही आगे की रणनीति की रूपरेखा भी तैयार की गयी। बैठक में शामिल मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि ओबीसी समाज को लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अभी लंबा सफर तय करना होगा। हमारा उद्देश्य सिर्फ चुनाव लड़ने और जितने तक ही सीमित नहीं है। बल्कि समाज के दबे-कुचले वर्गों को उनका अधिकार दिलाना है, जिसके लिए मंच का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने पूरे प्रदेश में ओबीसी समुदाय के लिए किए गए प्रयासों को रेखांकित करते हुए

कहा कि हमारे आंदोलन का विरोध किसी भी राजनीतिक पार्टी ने नहीं किया, लेकिन समर्थन भी नहीं दिया। बीडी प्रसाद मंच के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को साथ लेकर झारखंड में ओबीसी समाज की लड़ाई लड़ता रहा है आगे भी लड़ेगा। उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं को अपना परिवार का हिस्सा बताते हुए कहा कि वे संगठन के रीढ़ की हड्डी हैं। वे लोग गांव-गांव जाकर मंच के नीति सिद्धांतों से लोगों को अवगत करायें। इस मौके पर गोकुल बसंत, शत्रुघ्न कुमार शत्रु, गिरनानंद विश्वकर्मा, अविनाश कुमार, अजय राम, अरुण गुप्ता, सुरेंद्र भारती, आनंद विश्वकर्मा, लक्ष्मी साव, चंदन चंद्रवंशी, बालमुकुंद राम, रेखा देवी, चंदन कुमार, दीपक यादव, संजीत कुमार, हीरा प्रसाद, अखिलेश राम, राधेश्याम प्रसाद, सुनील यादव, धर्मेंद्र कुमार, श्याम लाल राम, विजय कमलापुरी, राज कुमार गुप्ता, प्रदीप प्रसाद, दिलीप पासवान, बसंत राम चंद्रवंशी, दिलीप पाल, रमेश विश्वकर्मा, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, अखिलेश रजवार और उपेंद्र पाल आदि थे।

चुनाव में हार-जीत तो लगी रहती है : अमरजीत कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज-हुसैनाबाद विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी रहे अमरजीत कुमार ने मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि चुनाव में एक प्रत्याशी की जीत, तो अन्य सभी को हरना पड़ता है। हार से घबराने की आवश्यकता नहीं है। वे रविवार को हरिहरगंज स्थित अपने आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनता के फैसले को स्वीकार करते हुए मतदाताओं का आभार जताया और हर समय दुख तकलीफ व खुशी के पलों में साथ रहने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा

कि जीत हार किस्मत की बात है। मतदाताओं ने खूब वोट दिए, पर उनके भाग्य में जीत नहीं लिखी थी। वोट देने वाले सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं। कहा कि हार के बावजूद हरिहरगंज हुसैनाबाद की जनता की सेवा में तत्पर रहूंगा।

मारपीट के तीन आरोपी भेजे गये जेल, तीन फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के सलैया पंचायत अंतर्गत रब्दी में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी, जिसमें एक पक्ष के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने रविवार को अभिलाख कुमार उर्फ अभिषेक, दशरथ यादव और रामप्रसाद यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में प्रथम पक्ष के रब्दी गांव निवासी विनोद यादव का एक पैर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। जबकि उसके पुत्र वशिष्ट यादव भी घायल है। भुक्तभोगी आवेदक वशिष्ट यादव ने पुलिस को बताया कि दो वर्ष पहले छत्तीसगढ़ में मारपीट हुई थी जिसका बदला लेने के लिए अभिलाख कुमार उर्फ अभिषेक कुमार, दशरथ यादव, रामप्रसाद यादव, भीम कुमार, नेपाली उर्फ जितेंद्र कुमार और कमलेश यादव ने घर से थोड़ी दूर खेत में धान के बोझा बांधने के दौरान अकेला पाकर हमला कर दिया। इस संबंध में हरिहरगंज थाना के एसआई सतीश गुप्ता ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आलोक में थाना कांड संख्या 165/24 के तहत उक्त छह आरोपियों के विरुद्ध भादवि की धारा 126 (2), 115 (2), 117 (2), 109, 352, 351 (2), 3(5) लगाया गया है। जिसमें तीन आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जबकि तीन अन्य फरार हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

जपला स्टेशन रोड से बाइक चोरी, थाने में दर्ज करायी शिकायत

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शहर के चिकटोली मुहल्ला निवासी नजीर राइन की बाइक रविवार की दोपहर जपला स्टेशन रोड से चोरी को गयी। इस संबंध में भुक्तभोगी ने हुसैनाबाद थाना में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में बुक्तभोगी ने बताया कि जपला स्टेशन रोड स्थित फल गोदाम के बाहर बाइक खड़ी कर गोदाम में गए थे। जब दोपहर दो बजे बाहर निकले तो बाइक वहां नहीं थी। आसपास काफी खोजबीन की बाइक का कुछ भी पता नहीं चला। जिसके बाद इसकी सूचना हुसैनाबाद थाने को दी है। पुलिस तलाश में जुट गयी है।

अबुआ आवास योजना में लाभुक से बिएफटी ने धमका कर मांगी रकम

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार की ओर से 'अबुआ आवास' योजना की शुरूआत की गई है, जिसके अंतर्गत राज्य के गरीब लोगों को तीन कमरों का पक्के का मकान बनाकर दिया जाता है। इस योजना को झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के रूप में देखा जाता है। लेकिन पलामू

जिले में इस योजना को लेकर लाभुक से जियो टैग करने के नाम पर पैसा उगाही का आरोप लगा है। बतातें चलें कि पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड के सेमरा पंचायत के टोला बलहिया निवासी रुक्मणि देवी ने अबुआ आवास योजना में पैसा मांगने का आरोप लगाया हैं। उन्होंने बताया कि सेमरा पंचायत के बिएफटी संजय रवि ने अबुआ आवास योजना में अबुआ आवास की पहली किस्त 30 हजार रुपये डलवाने में 10 हजार लिया और दूसरे किस्त की राशि 50 हजार आने पर बिएफटी ने फिर से 10 हजार रुपए की मांग की है। कहा कि पैसा बड़े अधिकारी को भी देना पड़ता है। बता दें कि वर्ष 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस योजना की शुरूआत की थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो लाभुक वंचित रह गए थे, वैसे लाभुकों को राज्य सरकार के अबुआ आवास योजना के तहत पक्का मकान देने की बात कही है।

स्पोर्ट्स

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं क्रिकेटर रहे मोहसिन रजा ने तो यूपीसीए की अनियमितताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया

यूपीसीए के साथ आरओसी की मिलीभगत की शिकायत पहुंची कॉर्पोरेट मंत्रालय

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) में हो रही गड़बड़ियों का मामला कम होने का नाम नहीं ले रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व क्रिकेटर रहे मोहसिन रजा ने तो यूपीसीए की अनियमितताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इससे अन्य लोगों को भी बल मिला और अब यूपीसीए की शिकायत कॉर्पोरेट मंत्रालय के सचिव तक पहुंच गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यूपीसीए और रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज (आरओसी) कानपुर के अधिकारियों के मिलीभगत से संघ के भीतर वित्तीय घोटाले, धोखाधड़ी व खिलाड़ियों के धन का दुरुपयोग किया गया है।

शिकायतकर्ता उपेन्द्र यादव ने कॉर्पोरेट मंत्रालय के सचिव को ईमेल के जरिये शिकायत में यह दर्ज करवाया है कि कई बार संघ के अधिकारियों की ओर से की गयी वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों के बाद भी अभी तक किसी प्रकार की कार्यवायी नहीं की गयी है। मामले में आरओसी के अधिकारियों की भूमिका भी स्पष्ट रुप से संदेहास्पद दिखायी दे रही है। यूपीसीए जो एक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के रूप में कार्यरत है, ने अपने निदेशक मंडल की शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए संशोधित आर्टिकल आफ एसोसिएशन (एओए) को आरओसी कानपुर से मंजूर कराया, जिसमें नियमों का घोर उल्लंघन किया गया। मेल में यह दशार्या गया है कि संघ ने अपने तीन निदेशकों को ₹नॉन-रिटायरिंग निदेशक₹ घोषित किया था। दुर्भाग्यवश इनमें से दो निदेशकों का 2018 में निधन हो गया और एक निदेशक केवाईसी अनुपालन न करने के कारण अयोग्य घोषित हो चुका है। इसके बावजूद आरओसी कानपुर ने 2022 में संशोधित एओए को मंजूरी दी। जिसमें इन तीन निदेशकों के साथ नॉन-रिटायरिंग निदेशक का नियम जोड़ा गया। यह स्पष्ट रूप से आरओसी की मिलीभगत और सत्यापन की कमी को दशार्ता है।

आरओसी की मिलीभगत से हुई गड़बड़ियां : शिकायतकर्ता का कहना है कि आरओसी का यह दायित्व था कि संशोधित एओए को स्वीकृत करने से पहले यह निश्चित करें कि यह सभी कानूनी प्रावधानों और वास्तविक स्थिति के अनुरूप है। आरोप है कि गैर-लाभकारी संगठन की आड़ में लाभ कमाने का प्रयास किया गया है, जबकि एमसीए के नियमों के अनुसार, धारा 8 के तहत पंजीकृत कोई भी गैर-लाभकारी संगठन लाभ नहीं कमा सकता और उसकी आय केवल जनहित के लिए उपयोग की जानी चाहिए। यूपीसीए ने आरओसी कानपुर की मिलीभगत से इस नियम का उल्लंघन कर धन गबन के साथ ही लाभ अर्जित किया।

करीब तीन करोड़ का हुआ घोटाला : बताया कि आरओसी ने यूपीसीए के निदेशकों की अवैध गतिविधियों पर न केवल चुप्पी साधी, बल्कि इसे समर्थन देकर कर चोरी और धन के दुरुपयोग को बढ़ावा दिया। जिससे खिलाड़ियों और सरकार के हितों को नुकसान हुआ है। बताया कि 2022 में 297.89 लाख रुपया का व्यय ₹स्टेडियम निर्माण₹ के नाम पर दिखाया, जबकि उक्त स्थल पर कोई निर्माण कार्य किया ही नहीं गया। यूपीसीए के निदेशकों ने खिलाड़ियों और जनता को गुमराह करते हुए वित्तीय घोटाला किया। आरओसी कानपुर ने संघ के निदेशकों को बेधड़क नियमों का उल्लंघन करने की अनुमति प्रदान कर दी। शिकायतकर्ता ने सचिव से मांग की है जिसमें कहा गया है कि आरओसी कानपुर की भूमिका की गहन जांच की जाए और सत्यापन में चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाये।

निदेशकों के रद्द किये जायें डीआइएन

शिकायतकर्ता का कहना है कि संघ के निदेशकों के डाइरेक्टर आइडेंटीफिकेशन नंबर (डीआईएन) को तुरंत रद्द किया जाए और उन्हें भविष्य में निदेशक बनने के लिए अयोग्य घोषित किया जाए। एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की नियुक्ति की जाए, ताकि संघ के संचालन में पारदर्शिता लाई जा सके और खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। यूपीसीए और आरओसी कानपुर की मिलीभगत से हुए वित्तीय घोटाले और कर चोरी के मामलों की जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। संघ के बैंक खातों और सम्पत्तियों को तुरंत सील किया जाए ताकि आगे धन का गबन रोका जा सके। सीएजी या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी से संघ की बैलेंस शीट और उनके व्ययों का विशेष ऑडिट कराया जाए। संघ और आरओसी कानपुर की मिलीभगत ने न केवल कर प्रणाली और सरकारी नियमों का मजाक उड़ाया है, बल्कि खिलाड़ियों और जनता के विश्वास को भी ठेस पहुंचाई है। ऐसी अनियमितताओं पर तुरंत रोक लगाने और कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। सचिव से मांग की गयी है कि इस मामले को प्राथमिकता देते हुए दोषियों को सख्त दंड दिलाने और यूपीसीए के संचालन में पारदर्शिता लाने के लिए तत्काल कार्रवाई करें।

निर्माणाधीन पीसीसी पथ का मुखिया ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता पर उठाये सवाल

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर प्रखंड अंतर्गत बाघमनवा पंचायत के चोरटिया गांव में निमार्णाधीन पीसीसी पथ का मुखिया मंजू देवी ने निरीक्षण किया। इस क्रम में पाया कि प्राक्कलन के अनुसार कार्य नहीं कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में घटिया मेटल, छरी व सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा किया। कहा कि ग्रामीणों से शिकायत मिलने का बाद जांच की गयी है। उन्होंने संवेदक को निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार लाने को कहा। मुखिया मंजू देवी ने कहा कि अगर प्राक्कलन के अनुसार कार्य नहीं कराया गया तो संबंधित विभाग को जांच व कार्रवाई के लिए लिखा जायेगा। जरूरत पड़ी तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन भी किया जायेगा। इस मौके पर समाजसेवी मनीष कुमार सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। बताते चलें कि, ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से विश्रामपुर से कौड़ियां तक तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। एक करोड़ 37 लाख 56 हजार रुपये की लगत से बनने वाले इस सड़क का कार्य नंदनी कंस्ट्रक्शन को मिला है। आबादी वाले जगहों पर पीसीसी करना है। इसी के तहत गौरा घरटिया मोड़ से चोरटीया गांव तक पीसीसी पथ का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसका मुखिया मंजू देवी ने रविवार को निरीक्षण किया।

बस्ताकोला, चांदमारी व विक्ट्री के लोगों ने विधायक से मिलकर सुनायी समस्या

झरिया में पानी की समस्या को दूर करना पहली प्राथमिकता : रागिनी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। बस्ताकोला, विक्ट्री व चांदमारी कॉलोनी के दर्जनों लोगों ने झरिया विधायक रागिनी सिंह से रविवार को उनके आवासीय कार्यालय सिंह मेंशन जाकर मुलाकात की। सभी ने बुके देकर विधायक को जीत की बधाई देने के साथ ही उनके मुहल्लों में पानी की समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों का कहना था कि पूर्व विधायक पूर्णिमा सिंह ने यहां के लोगों की पानी की समस्या को दूर करने का आश्वासन दिया था। लेकिन जीतने के बाद कभी मुहल्ले में झांकने तक नहीं आयीं। जिस कारण इन कालोनियों में पेयजल की घोर संकट है। इसपर

झरिया विधायक रागिनी सिंह से मिलकर क्षेत्र की समस्याएं बताती महिलाएं।

रागिनी सिंह ने कहा कि जिस विश्वास के साथ जनता ने मुझे वोट देकर विधायक बनाया है। उनके विश्वास पर खरा उतरूंगी। पानी की समस्या को दूर करना ही मेरी पहली प्राथमिकता है। झरिया की जनता के लिए मेरे घर के दरवाजे हमेशा खुले है। झरिया के लोगों की सेवा में हमेशा तत्पर रहूंगी। इस दौरान रागिनी सिंह ने भी सभी लोगों को मिठाईयां खिलाते हुए कहा कि यह मेरी नहीं जनता की जीत है। इसके बाद लोग कुंती निवास जाकर जमसं के महामंत्री सह रागिनी के देवर सिद्धार्थ गौतम से भी मिले और बूके देकर सम्मानित किया। सिद्धार्थ गौतम भी लोगों को आश्वासन देते हुए कहा कि झरिया में जलसंकट दूर करना हमलोगों की पहली प्राथमिकता है। इस मौके पर दीपक चौहान, भोला चौहान, चंदेश्वर चौहान, अजय चौहान, बबलू भुईया, सुमन हांसदा, सुगा देवी, सरस्वती देवी और राकेश आदि उपस्थित थे।

युवाओं की भलाई और क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा : जयराम महतो

डुमरी से जैनामोड़ जाने के क्रम में विधायक का पिछरी में हुआ भव्य स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछरी/बेरमो। जेएलकेएम सुप्रीमो सह डुमरी विधायक जयराम महतो को रविवार को डुमरी से जैनामोड़ जाने के क्रम में कुछ देर के लिए पिछरी में रूके थे। जहां कार्यकर्ताओं-समर्थकों ने फूलो का माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही शाल ओढ़ाकर व बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की किताब देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक ने ने कहा कि वे युवाओं की लिए बेहतर काम करेंगें। लोगों की समस्याओं का समाधान करते हुए विकास कार्यों को धरातल पर उतारने का पूरा प्रयास करेंगें। विधायक जयराम महतो ने युवाओं को विश्वास दिलाया कि उनके हित के लिए जो भी करना होगा करेंगे। इस मौके पर संजय मल्लाह, विकास कुमार महतो, कृष्णा तुरी, सीताराम महतो, खिरू महतो, अंकु हरी, विश्वनाथ महतो, बिनोद महतो, गौतम साव, मो बंटी, किशोर मल्लाह, संजीव सिंह, राजेन्द्र सिंह, दिनेश सिंह, कमाल सिंह, कार्तिक तुरी, सबीर अंसारी एंव राजू पाल आदि उपस्थित थे।

2029 में झारखंड की सभी 81 विस सीटों पर लड़ेंगे चुनावः जयराम महतो

जैनामोड़/बेरमो। जैनामोड़ के बांधडीह स्थित प्रजापति धर्मशाला में रविवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की समीक्षा बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष रथु लहेरी और संचालन रंजन प्रकाश ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह डुमरी के विधायक जयराम महतो भी शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी के सभी सहयोगी व सदस्यों ने पूरी ताकत के साथ झारखंड में अपनी पहचान बनाने के लिए लड़ा है। साल 2029 में झारखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी राज्य की सभी 81 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र में हौसला बनाए रखते हुए कार्य करने को कहा। संगठन को बूथ लेवल पर मजबूत बनाने को कहा। उन्होंने झारखंड के सभी मतदाताओं का पार्टी को समर्थन देने के लिए आभार जताया। इस मौके पर बोकारो जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार महतो, बेरमो विधानसभा प्रभारी महादेव रवानी, बोकारो जिला महिला अध्यक्षा रेखा महतो, उत्पल मंडल, विश्वजीत कुमार, महेश बेसरा, गुत्तेश्वर मंडल, बादल मूर्मू, रामकुमार टुडू, मजहर अंसारी, जिलानी अंसारी, गोबिंद महतो, शहजाद अंसारी, मंशु आदि उपस्थित थे।

सार्वजनिक कुआं पर कब्जे की थाने में शिकायत

झरिया (आजाद सिपाही)। झरिया थाना अंतर्गत पूर्व कोयरीबांध में सार्वजनिक कुआं पर कब्जा करने को लेकर स्थानीय लोगों ने रविवार को झरिया थाना में लिखित शिकायत की है। जिसमें बताया गया है कि पूर्वी कोयरीबांध के कुआं से आसपास के लगभग 250 परिवार निर्भर है। झरिया में पेयजल आपूर्ति बाधित होने के दौरान स्थानीय लोगों की प्यास 100 वर्ष पुराने इसी से कुआं से ही बुझती है। लेकिन कुछ विशेष समुदाय के लोगों द्वारा इसे अतिक्रमण कर घेरते हुए अपनी नीजि संपत्ति बनाने की कोशिश की जा रही है। इसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया तो विशेष समुदाय के लोग मारपीट और गालीगलौड पर उतारू हो गए। इस संबंध में झरिया थाना प्रभारी शशि रंजन कुमार ने बताया कि दोनों ही पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है। पुलिस पड़ताल कर रही है। जांच के बाद झरिया अंचल अधिकारी को जानकारी देने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर डब्ल्यू कुमार, सूरज रजक, राजेश रजक, मुन्नी देवी, पार्वती देवी, मनोज कुमार बाल्मीकि, तारा देवी, गायत्री देवी और श्याम सुंदर साव आदि उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर टाटा स्टील फाउंडेशन झरिया शाखा ने निकाली जागरूकता रैली

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन की झरिया शाखा ने रविवार को अपने परिचालन क्षेत्रों और आसपास के विभिन्न ब्लॉकों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कई रैलियों का आयोजन किया। इस अभियान की शुरुआत 29 नवंबर को भेलाटांड़ स्थित टाटा स्टील फाउंडेशन कार्यालय से रामपुर दुर्गा मंदिर तक आयोजित रैली के साथ आरंभ हुआ था। जिसका समापन रविवार को आदर्श स्कूल लालबंगला से अपर डुमरी गांव तक भव्य रैली निकालकर हुआ। इन रैलियों का

उद्देश्य एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के संदेश 'सही रास्ता अपनाएंः मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' को जन-जन तक पहुंचाना था। इस आयोजन में जोश और उत्साह से भरी 320 महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिन्होंने न केवल इस मुहिम को समर्थन दिया, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश भी दिया। रैली टाटा स्टील फाउंडेशन झरिया शाखा के जारी प्रयासों का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति एक अधिक जागरूक और संवेदनशील समाज का निर्माण करना है।

झामाडा कर्मचारियों का प्रदर्शन, हड़ताल की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोड़ापोखर। पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज झमाडा और नगर निगम के कर्मचारी व मजदूर रविवार को अमलेश कुमार और सुभाष रावत के नेतृत्व में जामाडोबा झमाडा वाटर बोर्ड जल संयंत्र कार्यालय पहुंच गये। सभी वेतन की मांग को लेकर एमडी सह नगर आयुक्त रवि राज शर्मा के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान वेतन नहीं तो काम नहीं का नारा लगाया। कर्मचारियों ने अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। सुभाष रावत ने कहा कि पहले का वेतन तो अभी तक नहीं मिला है। इधर सितंबर महीने से लगभग 200 कर्मचारियों का वेतन रोक कर रखा गया है। कुल 30 महीने का वेतन अभी तक बाकी है। झमाडा एमडी सह

नगर आयुक्त से वेतन की मांग कई बार की जा चुकी है, लेकिन सिर्फ आश्वाशन दिया जाता है। हर बार एमडी के तरफ से एक-दो दिन में वेतन देने की बात कही जाती है, पर वेदन दिया नहीं जाता है। वेतन नहीं मिलने से हमलोगों के समीप भूखमरी की स्थिति बन गई है। बच्चों की फीस और घर के राशन पर आफत आ गयी है। उन्होंने कहा कि अगर सभी कर्मचारियों का वेतन दो दिनों के अंदर नहीं दिया गया तो मजबूरन हमलोग हड़ताल के लिए बाध्य होगे। जिसकी सारी जिम्मेवारी झमाडा और नगर निगम के उच्च अधिकारियों की होगी। कहा कि हम लोग ही प्लांट चलते है और हमें ही वेतन नहीं मिलता है। अधिकारी को वेतन मिलता रहता है, लेकिन मजदूर की सुनने वाला कोई नहीं है। बतातें चलें की धनबाद जिले के झरिया के जामाडोबा स्थित झमाडा जल संयंत्र केंद्र से लाखों की आबादी को पीने का पानी उपलब्ध कराने वाले कर्मचारी और मजदूरों की आर्थिक स्थिति को देखने वाला आज कोई नहीं है। झरिया के लोगों को पानी की किल्लत ना हो इसके लिए दिन रात वे मेहनत करते है। इसके बावजूद झमाडा तथा नगर निगम के उच्च अधिकारियो के उदासीन रवैये के कारण कई महीनों से वेतन नहीं मिलने पर यहां के कर्मचारी आज भुखमरी के कगार पर पहुंच गए है। वहीं, प्रदर्शन करने वालों में सुभाष रावत, अमलेश कुमार, सोहराय महतो, सुभाष, जमील अख्तर, निमाई रवानी, सुरेंद्र यादव, राजेश महतो, सोनू तुरी, रौशन वर्णवाल, अखिलेश यादव, नासिर अंसारी आदि थे।

जूडो ट्रायल में राजकमल सवि मंदिर व धनबाद पब्लिक स्कूल हिरक ब्रांच के खिलाड़ी छाये

धनबाद (आजाद सिपाही)। रांची में 26-27 दिसंबर से आयोजित होने वाले झारखंड राज्य सब जूनियर एवं सिनियर जूडो चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए धनबाद जिला जूडो ट्रायल का शानदार आयोजन धनबाद मार्शल आर्ट सेंटर, नन्हे कदम प्ले स्कूल, धोवाटांड में किया गया। इसकी जानकारी देते हुए धनबाद जिला जूडो संघ के सचिव पप्पू कुमार ने बताया कि ट्रायल के लिए भारी संख्या में धनबाद के खिलाड़ी शामिल हुए। सभी खिलाड़ियों का वजन माप, शारीरिक जांच, जूडो टेक्निक व फाईट के बाद धनबाद जूडो टीम का चयन किया गया जिसमें सब जूनियर (लड़के) प्रशांत हेम्ब्रम, दिवाकर कुमार शर्मा, काव्यांश कुमार, आर्यन प्रकाश, उल्लास रंजन, हर्ष कुमार, अरन्व सिंह, सिद्धार्थ सैनी, मोहित

कुमार ठाकुर, संघर्ष सुमन, आदर्श राज, प्रेरित कुमार, युवराज सिंह, सत्यम सिंह, मिहिर कुमार झा, युवराज शर्मा, शिवम दे, प्रियांशु राज, राजवीर राज, लक्ष्य कुमार सिंह, सिनियर (लड़के) संभव कुमार, सोमनाथ भट्टाचार्य, अंकित कुमार, रणवीर ठाकुर, अनिकेत भारद्वाज, संजीव कुमार भारती और देव कुमार राय शामिल हैं। जबकि लड़कियों में कोमल कुमारी, अर्पणा कुमारी, अणुप्रिया लाल, मानसी कुमारी, अलाफिया जोहा, लक्ष्मी कुमारी, आरती कुमारी, आरती कुमारी शर्मा शामिल हैं। चयनित खिलाड़ियों में राजकमल सवि मंदिर व धनबाद पब्लिक स्कूल हिरक ब्रांच के छात्रों की संख्या ज्यादा है। सभी चयनित जूडोका 25 दिसंबर को रांची के लिए प्रस्थान करेंगें। धनबाद जिला जूडो संघ के अध्यक्ष शैयद मतलुब हाशमी, कोषाध्यक्ष विनय रिटोलिया, दिनेश मंडल, तोराब खान, पंचम लाल शर्मा, अरूण कुमार, संजय रवानी, मनोज सिंह और गणेश कुमार सिंह ने सभी चयनित खिलाड़ियों को राज्य प्रतियोगिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं।

बरारी में ठेकेदार ने जेइ के साथ की मारपीट

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। धनबाद नगर निगम के जेई अनिकेत कुमार बरारी में निरीक्षण करने आए थे। जहां बिल भुगतान में टालमटोल को लेकर संवेदक रंजन कुमार सिंह से विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद संवेदक ने अपने तीन-चार अन्य लोगों के साथ मिलकर मारपीट की है। इसे लेकर जेई ने जोरापोखर थाने में लिखित शिकायत करते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा कि संवेदक रंजन सिंह शिमलाबहाल के रहने वाले और नगर निगम में संवेदक का कार्य करते हैं। ठेका कार्य के बिल प्रक्रिया पूरा करने को लेकर संवेदक का जेई अनिकेत के साथ विवाद चल रहा है। इसी क्रम में शनिवार को जेई अनिकेत जब बरारी में एक कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे तो संवेदक रंजन सिंह अपने तीन अन्य साथियों के साथ पहुंचा और जेई के साथ गली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। मामले को लेकर जेई अनिकेत कुमार ने रविवार की शाम को जोरापोखर थाना प्रभारी से मिलकर घटना की लिखित शिकायत की है। थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने कहा कि शिकायत मिली है। मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी ।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा सात को

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की सभा सात दिसंबर को परिषद की ओर से संचालित सेक्टर-4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में होगी। परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि संस्था की नई कार्यकारिणी समिति के गठन को लेकर विगत 13 अक्टूबर को संपन्न हुई मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा के निर्णयानुसार परिषद की दूसरी आमसभा 20 अक्टूबर आहूत की गई थी। पर विधानसभा चुनाव के आलोक में आदर्श आचार संहिता लागू रहने के कारण चास अनुमंडल पदाधिकारी के आदेशानुसार उक्त सभा की बैठक स्थगित कर दी गई थी। इसी वजह से परिषद की आमसभा अब सात दिसंबर को सभा होनी है. उन्होंने आमसभा में परिषद के सभी सदस्यों से शामिल होने का आग्रह किया है।

संडे कटौती को लेकर कारो में माइनिंग सरदार-ओवरमैन ने किया कार्य बहिष्कार

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के कारो खुली खदान में माइनिंग सरदार और ओवरमैन ने संडे ड्यूटी कटौती के विरोध में कार्य का बहिष्कार कर दिया है। हलांकि आउटसोर्सिंग कंपनियों का उत्पादन जारी रहा। माइनिंग सरदार और ओवरमैन का कहना था कि प्रबंधन जब तक पूर्व की भांति संडे ड्यूटी नहीं देगा कार्य ठप रहेगा। इधर, माइनिंग सरदार और ओवरमैन के कार्य बहिष्कार के बाद मामले की जानकारी इनमोसा प्रतिनिधियो को दी। कारो ओसीपी व्हाइट हाउस में मामले पर इनमोसा की बैठक हुई। इसमें निर्णय हुआ कि माइनिंग स्टाफ के साथ इनमोसा हमेशा खड़ा रहेगा। किसी भी हाल में प्रबंधन को मनमानी नहीं करने दी जाएगी। कहा कि खदान से सुरक्षित उत्पादन के लिए पूर्व की भांति माइनिंग सरदार और ओवरमैन को ड्यूटी दी जाए। इस मौके पर इनमोसा के एरिया अध्यक्ष अनिल सिंह, कारो शाखा अध्यक्ष डोमन पासवान, सचिव निरंजन सिंह सहित प्रमोद सिंह, दिनेश सिंह, अशोक सिंह, सूरजेश सिंहा, अजीत सिंह, तन्मय डे, सुनील कुमार मोदी, लक्ष्मण मोदी, चंचल कुमार, धर्मेंद्र सिंह, तारो महतो, कार्तिक गोस्वामी, अशोक महतो, अभिषेक रजक, गोमेज सिंह, मकसूद आलम, सुनील कुमार, लवली कुमार, उत्तम, महेश रजक, पिंटू कुमार आदि मौजूद थे।

धोखरा में फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

धनबाद (आजाद सिपाही)। धोखरा एनएसी क्लब की ओर से धोखरा दुर्गा मंडप फुटबॉल मैदान में 29 से एक दिसंबर (रविवार) तक आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का सफल समापन हुआ। क्लब के संरक्षक प्रेम किशोर विपलबी ने टीमों को टूर्नामेंट के नियम व शर्तें का पालन करते हुए अनुशासित रहकर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि टूर्नामेंट में कुल 24 टीमों ने भाग लिया। क्लब युवाओ के कौशल व प्रतिभा निखाने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करती है। प्रतियोगिता के विजेता को बलियापुर थाना प्रभारी अशोक कुमार की ओर से धनबाद अनन्या क्लब को प्रथम पुरस्कार के रूप में नकद 21 हजार रुपये, बिग टॉफी एक सेट, जर्सी, राजद के प्रदेश महासचिव उदय शर्मा द्वारा आजाद स्पॉटिंग क्लब खास कुइयां को द्वितीय पुरस्कार नकद 15 हजार रुपये, स्मॉल टॉफी, जर्सी और सरना क्लब बलियापुर तृतीय नकद 10 हजार रुपये जर्सी दिया गया। टूर्नामेंट में शाहिल फाइनल मैन ऑफ द मैच शाहिल स्पॉटिंग, मैन ऑफ द सिरीज एनसी क्लब बेस्ट गोल किपर विवेक महतो, वेस्ट डिफेन्स महादेव, वेस्ट मिड फिल्डर को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। टूर्नामेंट को लेकर क्षेत्र के युवा काफी उत्साहित थे। वहीं, टूर्नामेंट के सफल संचालन में छोटू चौहान, नरेश महतो, वीरेंद्र कुमार साव, जगदीश रवानी, क्लब के राजेश रवानी, बिशु सोरेन, शक्ति रवानी, प्रेमानंद, दिनेश रवानी, गौतम, अजय, राजू, अशोक सौरेन, सूरज महतो, मिहिलाल रवानी, सुजीत गोराई और तनु आदि का सराहनीय योगदान रहा।

रोजगार की तलाश में गये महुदा के मजदूर की हैदराबाद में ट्रेन से कट कर हुई मौत

पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो की पहल पर लाया जा रहा शव

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। झारखंड के एक मजदूर की हैदराबाद में ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। घटना शनिवार की बतायी जा रही है। मृतक की पहचान महुदा के राधानगर गांव निवासी हीरालाल महतो (24) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक बाघमारा में रोजगार नहीं मिलने की वजह से मजदूर हीरालाल के घर की माली हालत ठीक नहीं थी। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वो रोजगार की तलाश में हैदराबाद जा रहे थे। तभी हैदराबाद रेलवे स्टेशन में पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ जाने के कारण मौत हो गयी। इसकी

सूचना हैदराबाद जीआरपी ने फोन से उसके परिजनों को दी हैं। वहीं, खबर मिलने के बाद पूर्व मंत्री सह प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने इस घटना पर शोक जताया है। मजदूर का शव उसके पैतृक गांव लाने के लिए उन्होंने पहल की है। बतातें चलें कि धनबाद जिले के बाघमारा विस क्षेत्र स्थित महुदा के राधानगर गांव निवासी हीरालाल महतो की रेल हादसे में मौत होने की खबर सुनकर पूर्व मंत्री ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने निजी मद से मृतक के शव को हैदराबाद से लाने की पहल की हैं। साथ ही परिजनों को हर संभव मदद करने का भी भरोसा दिया है। इससे पूर्व जलेश्वर महतो ने तीन अन्य प्रवासी मजदूरों के शव को मांगवाने का काम किया हैं। बताया जा रहा कि मृतक अपने पीछे पत्नी के आलावा एक 10 वर्ष की बेटी एवं 5 वर्ष का एक बेटा छोड़ गया है। वहीं, जलेश्वर महतो ने बताया कि बाघमारा में कोई रोजगार नहीं मिलने की वजह से ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लाचार और मासूम लोग गरीबी और भुखमरी के कारण रोजगार की तलाश में घर-परिवार को छोड़कर दूसरे प्रदेश पलायन करने को मजबूर होते हैं। अंत में घर वापस उनका शव आता हैं। ऐसे में अगर उनके लिए अपने घर में ही रोजगार मिल जाता है तो लोगों के लिए यह काफी बेहतर होता। उन्होंने सरकार से पलायन के बढ़ते मुद्दों से अवगत कराकर अविलंब इसका समाधान करने का आग्रह करने को कहा।

विधायक योगेंद्र प्रसाद को मंत्री बनाने की मांग

आइइएल (आजाद सिपाही)। गोमिया प्रखंड अंतर्गत हजारी पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने वरिष्ठ समाजसेवी सह झामुमो नेता कृष्ण दयाल सिंह के नेतृत्व में गोमिया विधायक योगेंद्र प्रसाद को मंत्री बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गोमिया विस के विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो को मंत्री बनाने से राज्य में सर्वांगीण विकास में बल मिलेगी। उनके पास पार्टी की विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का अनुभव भी है। वहीं, कांग्रेस नेत्री रेणुबाला ने कहा कि योगेंद्र प्रसाद में बेहतर काम करने की ऊर्जा है।

भव्य समापन समारोह के साथ 55वां इफ्फी संपन्न

28 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित इफ्फी 2024 में रिकॉर्ड संख्या में शामिल हुए प्रतिनिधि

फिल्म बाजार में अब तक के सर्वाधिक प्रतिनिधियों ने शिरकत की और इसमें 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होने का अनुमान, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है

हाउसफुल मास्टरक्लास और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा और भारतीय पैनोरमा की स्क्रीनिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

गोवा। जैसे सभी अच्छी चीजों का अंत अवश्य होता है, भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) 2024 का भी गोवा के डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में 28 नवंबर को संपन्न हो गया, लेकिन निश्चित रूप से सिनेमा के जादू और कहानी कहने की भावना का जश्न मनाने तथा भविष्य के फिल्म निर्माताओं के लिए कई रास्ते खोलने के अपने स्थायी प्रभाव के साथ। इफ्फी के 2024 संस्करण में 11,332 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो इफ्फी 2023 की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 28 देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ-साथ देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए। फिल्म बाजार के संबंध में, प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ कर 1,876 हो गयी, जो पिछले साल के 775 से काफी ज्यादा है। विदेशी प्रतिनिधियों ने 42 देशों का प्रतिनिधित्व किया। इस साल फिल्म बाजार में व्यापार अनुमान 500 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 15 उद्योग भागीदारों वाला टेक पैवेलियन भी प्रतिभागी प्रतिनिधियों के लिए एक दिलचस्प घटक रहा। उद्योग भागीदारों से 15.36 करोड़ रुपये का प्रायोजन प्राप्त हुआ। 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के प्रमुख कार्यक्रमों का सारांश निम्नलिखित है।

उद्घाटन और समापन समारोह

उद्घाटन और समापन समारोह में भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा दोनों का जश्न मनाते सितारों की भव्य मौजूदगी और प्रस्तुतियों की धूम रही। उद्घाटन समारोह में शताब्दी समारोह और भारतीय सिनेमा की समृद्ध विविधता के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। समापन समारोह में संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ ही साथ असाधारण उपलब्धि हासिल करने वालों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें फिलिप नॉयस को दिया गया सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और विक्रांत मैसी को दिया गया इंडियन फिल्म पर्सनालिटी ऑफ द ईयर अवार्ड शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा : इफ्फी में अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा 189 फिल्मों का क्यूरेटेड चयन था, जिसे 1,800 से अधिक प्रस्तुतियों में से चुना गया। लाइनअप में 16 विश्व प्रीमियर, 3 अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर, 44 एशिया प्रीमियर और 109 भारतीय प्रीमियर शामिल रहे। महोत्सव के दौरान 81 देशों की फिल्में प्रदर्शित की गयीं, जिनमें विभिन्न संस्कृतियों, मतों और दृष्टिकोणों की छाप देखने को मिली। प्रतिस्पर्धी खंड भी बेहद रोमांचकारी रहे। इनमें 15 फिल्मों ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता पुरस्कार के लिए, 10 ने आइसीएफटी यूनेस्को गांधी पदक खंड और 7 ने निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फीचर फिल्म श्रेणी के लिए प्रतिस्पर्धा की।

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख (फोकस) देश होने के कारण इस महोत्सव में एक विशिष्ट भावना जुड़ गई, जिसमें स्क्रीन ऑस्ट्रेलिया के साथ करार की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला। महोत्सव की शुरुआत माइकल ग्रेसी द्वारा निर्देशित ऑस्ट्रेलियाई फिल्म बेटर मैन की स्क्रीनिंग के साथ हुई। लिथुआनियाई फिल्म 'टॉक्सिक' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का स्वर्ण मयूर पुरस्कार जीता तथा रोमानियाई फिल्म 'ए न्यू ईयर दैट नेवर केम' ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का रजत मयूर पुरस्कार जीता।

शानदार प्रीमियर और रेड कार्पेट : अंतरराष्ट्रीय खंड, भारतीय पैनोरमा, गोवा खंड और बियॉन्ड इंडियन पैनोरमा के 100 से ज्यादा रेड कार्पेट इवेंट आईनॉक्स पंजिम में दिखाये गये।

भारतीय पैनोरमा : इस वर्ष, भारतीय पैनोरमा 2024 के अंतर्गत अपनी सिनेमाई उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित 25 फीचर फिल्मों और 20 गैर-फीचर फिल्मों का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया भारत भर के सिनेमा जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों के एक पैनल द्वारा आयोजित की गयी, जिसमें फीचर फिल्मों के लिए बारह जूरी सदस्य और गैर-फीचर फिल्मों के लिए छह जूरी सदस्य थे, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व उनके संबंधित अध्यक्ष ने किया। देश भर की युवा फिल्म निर्माण प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए एक नया पुरस्कार शुरू किया गया, जो इफ्फी की थीम 'युवा फिल्म निर्माताओं' के अनुरूप है। निर्देशक को प्रमाण पत्र और 5 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के लिए कुल 102 फिल्मों ने इसमें प्रतिस्पर्धा की। जिनमें से समापन समारोह में नवज्योत बांदीवाडेकर को 'घराट गणपति' के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इफ्फी की थीम 'यंग फिल्म मेकर्स : द फ्यूचर इज नाओ' पर केंद्रित रही

इफ्फी की थीम सूचना एवं प्रसारण मंत्री के दृष्टिकोण से रचनात्मकता के भविष्य को आकार देने में युवाओं की क्षमता को मान्यता देते हुए 'युवा फिल्म निर्माताओं' पर केंद्रित रही। क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो मंच की पहल को पिछले संस्करणों में 75 से बढ़ा कर 100 युवा प्रतिभाओं को समर्थन देने के लिए बढ़ाया गया। मंत्रालय द्वारा देशभर के विभिन्न फिल्म स्कूलों से लगभग 350 युवा फिल्म छात्रों को इफ्फी में भाग लेने के लिए सुविधा प्रदान की गयी। देश भर में युवा फिल्म निर्माण प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए एक नया खंड और सर्वश्रेष्ठ नवोदित भारतीय निर्देशक का पुरस्कार स्थापित किया गया। मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, फिल्म बाजार और फिल्म पैकेज सभी युवा रचनाकारों के लिए तैयार किये गये। युवाओं की भागीदारी और जुड़ाव बढ़ाने के लिए इफि एस्टा-एक एंटरटेनमेंट जोन शुरू किया गया।

इफिएस्टा : जोमैटो के साथ मिलकर इफिएस्टा ने 'डिस्ट्रिक्ट' नामक एक जीवंत एंटरटेनमेंट जोन बनाया, जिसमें फूड स्टॉल और विशेष रूप से क्यूरेटेड प्रदर्शनों का एक अनूठा मिश्रण पेश किया गया। इनमें व्हेन चाय मेट टोस्ट और असीस कौर के अभिनय शामिल थे। इस जोन का मुख्य आकर्षण सफरनामा नामक एक क्यूरेटेड प्रदर्शनी थी, जिसमें भारतीय फिल्म निर्माण के समृद्ध इतिहास को दिखाया गया। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा एक विशेष अनुभव जोन ने उपस्थित लोगों को शानदार अनुभव प्रदान किया, जिन्होंने इसे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बना दिया। 6000 छात्रों सहित कुल 18,795 आगंतुकों ने इफिएस्टा का आनंद लिया।

क्लासिक्स को सहेजा गया : इफ्फी 2024 में एनएफडीसी - नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया द्वारा सूचना और प्रसारण मंत्रालय की पहल पर राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन के तहत रिस्टोर्ड क्लासिक्स खंड में प्रस्तुत एनएफडीसी-एनएफएआइ द्वारा फिल्मों की डिजिटल बहाली को दिखाया गया। यह खंड भारतीय सिनेमा के संरक्षण में एनएफडीसी-एनएफएआइ के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डालता है, जो इसके डिजिटलीकरण और बहाली कार्य पर ध्यान केंद्रित करता है। प्रदर्शित की गयी उल्लेखनीय फिल्मों में शामिल हैं: **कालिया मर्दन (1919),**-दादा साहब फाल्के की यह मूक फिल्म विशेष लाइव साउंड के साथ फिल्मायी गई जो दर्शकों को बहुत पसंद आयी। **शताब्दी के लिए:** राज कपूर की आवारा (1951), एएनआर की देवदासु (1953), हम दोनो (1961), रफी के गीतों सहित तपन सिन्हा की हारमोनियम (1975), सत्यजीत रे की सीमाबद्धा (1971)।

क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो : इफ्फी के 2024 संस्करण में प्रतिभागियों का प्रभावशाली चयन हुआ। इस बार फिल्म निर्माण की 13 श्रेणियों में भारत के 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) से 1,070 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुल 100 प्रतिभागियों को चुना गया, जिनमें 71 पुरुष और 29 महिलाएं शामिल थीं (2023 में 16 महिला प्रतिभागियों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि)। इन प्रतिभागियों ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व किया, जो कार्यक्रम में विविध प्रकार के मत और अनुभव लेकर आये।

महोत्सव के दौरान, 10 प्रतिभागियों की टीमों द्वारा 48 घंटों के भीतर पांच लघु फिल्में बनाई गयीं। इन फिल्मों में हिंदी में गुल्लू (निर्देशक: अशार्ली जोस), कोंकणी और अंग्रेजी में द विंडो (निर्देशक: पीयूष शर्मा), अंग्रेजी में वी कैन हियर द सेम म्यूजिक (निर्देशक: बोनिता राजपुरोहित), अंग्रेजी में लवफिक्स सब्सक्रिप्शन (निर्देशक: मल्लिका जुनेजा) और हिंदी/अंग्रेजी में हे माया (निर्देशक: सूर्यांश देव श्रीवास्तव) शामिल हैं। इन फिल्मों का चयन एक ग्रैंड जूरी द्वारा किया गया, जिसमें निम्नलिखित विजेता रहे : सर्वश्रेष्ठ फिल्म - गुल्लू (अशार्ली जोस), प्रथम रनर-अप - वी कैन हियर द सेम म्यूजिक (बोनिता राजपुरोहित), सर्वश्रेष्ठ निर्देशक - अशार्ली जोस (गुल्लू), सर्वश्रेष्ठ पटकथा - अधिराज बोस (लवफिक्स सब्सक्रिप्शन), सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री - विशाखा नाइक (लवफिक्स सब्सक्रिप्शन), और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता - पुष्पेंद्र कुमार (गुल्लू)। क्रिएटिव माइंड्स के प्रतिभागियों ने एक प्रतिभा शिविर में भी हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप उभरते फिल्म निमार्ताओं को 62 प्रस्ताव दिए गए। इस नई प्रक्रिया ने महत्वपूर्ण दिशा और अवसर प्रदान किए, जिससे भारतीय सिनेमा में नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए रंगमंच की दृढ़ता को बल मिला।

पीआइबी को देशभर से मीडिया मान्यता के लिए करीब 1,000 आवेदन प्राप्त हुए और इफ्फी की कवरेज के लिए 700 से अधिक पत्रकारों को मान्यता दी गयी। जिन पत्रकारों ने रुचि दिखायी, उन्हें एफटीआइआइ के सहयोग से फिल्म को समझने और उसका विश्लेषण करने संबंधी एक दिवसीय पाठ्यक्रम की पेशकश की गयी।

आइएफएफआइ 2024 को कई प्लेटफॉर्म पर व्यापक मीडिया कवरेज मिला, जिससे इस आयोजन को व्यापक रूप से लोगों तक पहुंचाया जा सका। अकेले प्रिंट मीडिया में, टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स, मिडडे, इंडियन एक्सप्रेस, द हिंदू और अन्य सहित प्रमुख राष्ट्रीय प्रकाशनों में 500 से अधिक लेख प्रकाशित हुए, जिससे इस उत्सव के महत्व पर और अधिक प्रकाश डाला गया।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर, बॉलीवुड हंगामा, पिंकविला जैसी प्रमुख मनोरंजन वेबसाइटों और लाइवमिंट और इकोनॉमिक टाइम्स जैसे व्यवसाय-केंद्रित प्लेटफॉर्म पर 600 से अधिक ऑनलाइन लेख देखने को मिले। इसके अतिरिक्त, इफ्फी की पहुंच बढ़ाने के लिए एमवाईजीओवी के माध्यम से 45 सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर को शामिल किया गया, जिससे विभिन्न डिजिटल स्पेस पर उत्सव के बारे में जीवंत चर्चा हुई।

पीआइबी ने बाहर के 26 देशों के आधिकारिक हैंडल से अंग्रेजी और छह विदेशी भाषाओं में सामग्री वितरण की सुविधा भी प्रदान की है। ऐसा विदेश मंत्रालय के सहयोग से किया गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, आइएफएफआइ ने वैरायटी और स्क्रीन इंटरनेशनल के साथ साझेदारी की। अपने वैश्विक ग्राहकों को तीन ई-दैनिक समाचार पत्र भेजे, जिससे महोत्सव की वैश्विक उपस्थिति और मजबूत हुई।

सीएमओटी जूरी सदस्यों की उपस्थिति में सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू, सीबीएफसी अध्यक्ष प्रसून जोशी ने सीएमओटी का किया उद्घाटन

समापन समारोह में विक्रांत मैसी को वर्ष का इंडियन फिल्म पर्सनालिटी ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान किया गया।

सिनेमाई हस्तियों का यशगान : इफ्फी 2024 में शताब्दी श्रद्धांजलि

नवंबर 2024 में आयोजित 55वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) एक ऐतिहासिक उत्सव रहा, जिसमें भारतीय सिनेमा की चार महान हस्तियों को श्रद्धांजलि दी गयी : अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर), राज कपूर, मोहम्मद रफी और तपन सिन्हा। उनकी शानदार विरासत की शताब्दी को चिह्नित करते हुए महोत्सव ने अद्वितीय योगदान को सावधानीपूर्वक क्यूरेट किये गये कार्यक्रमों, डाक टिकट, स्क्रीनिंग और प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

मणिरत्नम के मास्टरक्लास के दौरान खचाखच भरा ऑडिटोरियम

इफ्फी ने 7 दिन के दौरान, 30 मास्टरक्लास, इन-कन्वर्सेशन और पैनल चर्चाओं की मेजबानी की, जिसमें सिनेमा की दुनिया की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुई। जानी-मानी हस्तियों में फिलिप नॉयस, जॉन सील, रणबीर कपूर, एआर रहमान, क्रिस किर्शबाम, इम्तियाज अली, मणि रत्नम, सुहासिनी मणि रत्नम, नागार्जुन, फारूख धोंडी, शिवकार्तिकेयन, अमीश त्रिपाठी और कई अन्य शामिल थे। 22 नवंबर को आयोजित मणिरत्नम के सत्र में 89 प्रतिशत उपस्थिति के साथ सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की गयी, जबकि रणबीर कपूर के सत्र में 83 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गयी।

48 घंटे की फिल्म निर्माण चुनौती के दौरान छात्रों का एक समूह

युवा फिल्म निर्माता कार्यक्रम में कुल 345 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें 13 प्रसिद्ध फिल्म स्कूलों जैसे एफटीआइआइ, एसआरएफटीआइ, एसआरएफटीआइ अरुणाचल प्रदेश, आइआइएमसी और अन्य राज्य सरकार और निजी संस्थानों के 279 छात्र शामिल थे। इसके अलावा, पूर्वोत्तर राज्यों के 66 छात्रों और युवा फिल्म निर्माताओं को कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए चुना गया।

स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने दी जानकारी

ओड़िशा में आयुष्मान भारत योजना चालू वित्त वर्ष में लागू की जायेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-2025 से ओड़िशा में आयुष्मान भारत योजना लागू करने का फैसला किया है। रविवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने यह जानकारी दी। गोपबंधु आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत योजना के बीच जल्द ही एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जायेंगे। ओड़िशा के तीन करोड़ लोगों को अद्वितीय स्वास्थ्य कार्ड दिये जायेंगे। इस योजना के तहत, कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे भारत में लगभग 27,000 लाभार्थी स्वास्थ्य लाभ उठा सकेंगे, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग ने बताया। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लाभार्थी अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के सत्यापन के बाद आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

ओड़िशा में आयुष्मान भारत योजना को लेकर सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अब अन्य राज्यों में रहने वाले ओडिशा के लोग भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे।

भारतीय नौसेना ने नौसेना दिवस समारोह से पहले पुरी समुद्र तट पर अभ्यास किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। भारतीय नौसेना ने 4 दिसंबर को नौसेना दिवस समारोह से पहले पुरी समुद्र तट पर रिहर्सल किया। पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनीत अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि नौसेना दिवस समारोह की तैयारियां और रिहर्सल की जा रही हैं। पुरी एसपी ने बताया, कार्यक्रम के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गयी हैं। राज्य के सभी लोगों से प्रशासन और पुलिस टीमों का समर्थन करने की अपील करता हूं। शनिवार को भारतीय नौसेना नौसेना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में ओड़िशा के पुरी तट पर एक 'ऑपरेशनल प्रदर्शन' करने जा रही है। भारतीय नौसेना के अनुसार नौसेना दिवस 2024 के एक रोमांचक उत्सव में, भारतीय नौसेना ओडिशा के पुरी तट पर एक शानदार परिचालन प्रदर्शन करेगी, जिसमें अपने नौसैनिक बेड़े की ताकत और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जायेगा। यह आयोजन न केवल भारत की समृद्ध समुद्री विरासत के लिए एक श्रद्धांजलि है, बल्कि आम जनता के लिए नौसेना संचालन की दुनिया को पहली बार देखने का अवसर भी है। इस प्रदर्शन में भारतीय नौसेना की ताकत और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जायेगा, तथा दर्शकों को भारत की समुद्री शक्ति की परिचालन क्षमताओं की एक दुर्लभ झलक देखने को मिलेगी।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**